

haribhoomi.com

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नई दिल्ली

रविवार 25 अक्टूबर 2026

अश्विन मास शुक्ल पक्ष,
चतुर्दशी वर्ष : 30, अंक : 188
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 32
न्यून. 18

सिस्टम को लेकर दूसरे चरण की कार्य गतिविधि का हुआ उद्घाटन

ये सिस्टम 2027 में कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों में लगेगा

नौसेना की डीजल चालित पनडुब्बियों को मिलेगी स्वदेशी एआईपी सिस्टम की सौगात!

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अब वो दिन दूर नहीं, जब भारतीय नौसेना की डीजल चालित पनडुब्बियां स्वदेशी एयर प्रोपल्शन सिस्टम (एआईपी) से लैस होंगी। क्योंकि इस संबंध में एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए शनिवार को सिस्टम से जुड़ी दूसरे चरण की कार्य गतिविधि की स्थापना के साथ उद्घाटन (एसटीडब्ल्यू-2) किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एसटीडब्ल्यू-2 की इस सफलता से नौसेना की पनडुब्बियों की समुद्र में तैनाती के वक्त



पानी के अंदर काम करने की क्षमता में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। एआईपी के इस मॉड्यूल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल) ने देश के भीतर ही विकसित किया है। मंत्रालय ने कहा, अगले चरण में नौसेना द्वारा एआईपी एनर्जी मॉड्यूल का आयोजन किया जाएगा। ▶▶शेष पेज 5 पर

समुद्री निगरानी को मिलेगी मजबूती

एआईपी सिस्टम की खास बात यह है कि इससे युक्त होने के बाद नौसेना की किसी डीजल चालित पनडुब्बी को समुद्र में अपनी रणनीतिक तैनाती के दौरान अपनी बैटरी चार्ज करने के लिए पानी के बाहर आकर ऑक्सीजन लेने की निर्भरता घटेगी। आमतौर पर बिना एआईपी सिस्टम से कोई पनडुब्बी लगभग 15 से 20 दिन में वातावरण से शुद्ध ऑक्सीजन लेने के लिए समुद्र के बाहर सतह पर आती है। लेकिन एआईपी के बाद उसकी समुद्र के अंदर तैनाती के साथ की दुश्मन के खिलाफ की जाने वाली महत्वपूर्ण गश्त की अवधि में इजाफा देखने को मिलेगा।

गुजरात के हजीरा में हुआ उद्घाटन

एसटीडब्ल्यू-2 का उद्घाटन गुजरात के हजीरा में मौजूद लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) के हैवी इंजीनियरिंग कॉम्प्लेक्स में हुआ। जिसमें रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह वर्चुअली मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जबकि नौसेना के चीफ ऑफ मटेरियल वाइस एडमिरल बी. शिवकुमार, महानिदेशक (नेवल सिस्टम्स एंड मटीरियल्स) और डीआरडीओ से डॉ. आर. बालमुरलीकृष्णन ने भाग लिया। रक्षा सचिव, डीआरडीओ अध्यक्ष ने कार्यक्रम में इस उपलब्धि के लिए संगठन, उद्योग जगत के भागीदारों को बधाई दी और कहा कि एआईपी कार्यक्रम को लेकर प्रदर्शित की गई वैज्ञानिक गंभीरता, औद्योगिक सहयोग काबिले तारीफ है। जो कि आगे चलकर सिस्टम के उत्पादन की रूप में हमारे सामने फलीभूत होगी।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एक्स पर आईं सोनिया, राजीव से मुलाकात का किया जिक्र

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी इंस्टाग्राम के बाद अब



'एक्स' पर भी आ गई हैं। उन्होंने अपनी पहली किताब 'बिलॉन्गिंग- अ जर्नी ऑफ लव' का वीडियो साझा किया है। 10 नवंबर को जारी होने वाली इस किताब में उन्होंने राजीव गांधी से पहली मुलाकात का जिक्र किया है।

11 करोड़ किसानों को मिली फार्मर आईडी

नई दिल्ली। कृषि क्षेत्र में एक नए डिजिटल युग का सूत्रपात करते



हुए केंद्र ने निर्धारित समय से पांच महीने पहले ही 11 करोड़ फार्मर आईडी तैयार करने का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल कर लिया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे पीएम नरेंद्र मोदी के समृद्ध किसान के विजन की ऐतिहासिक जीत बताया है।

ये जानकारी शनिवार को विदेश मंत्रालय ने एक बयान के माध्यम से दी है

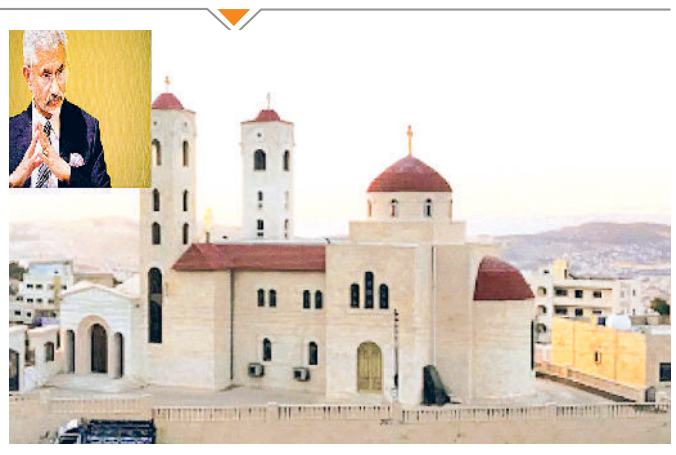
भारत ने की जॉर्डन में चर्च पर हमले की निंदा, आतंकवाद के खिलाफ जताई प्रतिबद्धता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

एक्स पोस्ट में डॉ. जयशंकर ने लिखा, इस कायरतापूर्ण हमले से पहुंचा आघात, जॉर्डन संग मजबूती से खड़ा भारत

पश्चिम-एशियाई देश जॉर्डन के कराक शहर में एक चर्च पर हुए हमले की भारत ने शनिवार को कड़ी निंदा की है। जिसमें कई बेकसूर लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई अन्य घायल भी हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि बीते शुक्रवार को यह हमला हुआ था। जिसका भारत सख्त अंदाज में विरोध करता है। घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति हम अपनी ओर से गहन संवेदनाएं व्यक्त करते हुए इस कायरतापूर्ण हमले में घायल हुए लोगों के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना करते हैं।

जॉर्डन सरकार ने की पुष्टि, आतंकी हमले में मारे गए 7 लोग, 35 घायल



मुश्किल में दिया समर्थन

संकट की इस घड़ी में भारत हाशेमाइट्स साम्राज्य की सरकार और वहां के मित्रतापूर्ण संबंध रखने वाले आम लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। इसके अलावा हम आतंकवाद तथा उसके सभी रूपों, प्रकारों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लड़ाई को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को पुनः मजबूती के साथ दोहराते हैं।

विदेश मंत्री ने जताई संवेदनाएं

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक्स पोस्ट में इस हमले को कायरता से भरा बताते हुए कहा कि इससे मुझे गहरा आघात पहुंचा है। हमले में कई बेकसूर लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। घटना से जुड़े शोकाकुल परिवारों के प्रति हम अपनी ओर संवेदनाएं जताते हैं व घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की इच्छा रखते हैं। भारत इस मुश्किल वक्त में जॉर्डन की सरकार, हाशेमाइट्स साम्राज्य की ▶▶शेष पेज 5 पर

जॉर्डन सरकार बोली
आतंकी हमले में 7 की गई जान

विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ये घटना जॉर्डन की राजधानी अम्मान से तकरीबन 180 किलोमीटर दूर स्थित कराक शहर के एक ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च में उस वक्त हुई, जब वहां पर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया चल रही थी। तभी दो बंदूकधारियों (गनमैन) ने अंधाधुंध फायरिंग की और उसमें 7 लोगों की मौत हो गई। जबकि ▶▶शेष पेज 5 पर

भारत जॉर्डन से लेता 40% रॉक फास्फेट

भारत और जॉर्डन के बीच ऐतिहासिक, मैत्रीपूर्ण और मजबूत आर्थिक संबंध हैं। दोनों देशों के बीच वर्ष 1950 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। पिछले साल भारत, जॉर्डन के संबंधों की 75वीं वर्षगांठ थी और इसी अवसर पर दिसंबर-2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जॉर्डन की ऐतिहासिक यात्रा की थी। जिसके बाद रणनीतिक संबंधों को एक नई गति मिली है। भारत, जॉर्डन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों ने यह लक्ष्य रखा है कि वह अगले पांच वर्षों में अपने द्विपक्षीय व्यापार को 2.8 अरब डॉलर से बढ़ाकर 5 अरब डॉलर तक पहुंचाएंगे। नई दिल्ली अपनी खेती और उर्वरक संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रॉक फॉस्फेट व पोटाश का एक बड़ा हिस्सा जॉर्डन से आयात करता है। इस मामले में जॉर्डन की हिस्सेदारी करीब 40% है।

इंदौर में भाई का इलाज कराने आया था, क्राइम ब्रांच ने पकड़ा

टाइगर श्रॉफ 'फायरिंग' केस का आरोपी इंदौर से गिरफ्तार

हथियार सप्लाई करने का आरोप पुलिस इस मामले में अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है



टाइगर श्रॉफ



प्रांजल ठाकरान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में मध्यप्रदेश के इंदौर से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच और इंदौर क्राइम ब्रांच ने शनिवार को संयुक्त कार्रवाई कर हरियाणा के सोनीपत निवासी प्रांजल ठाकरान (22) को हिरासत में लिया। उस पर फायरिंग की साजिश में शामिल होने और हथियार सप्लाई करने का आरोप है। हालांकि, मामले में उसकी भूमिका को लेकर पुलिस ने विस्तृत जानकारी नहीं दी है। प्रांजल करीब पांच दिन पहले अपने भाई का इलाज कराने इंदौर आया था। मुंबई क्राइम ब्रांच ने गुरुवार रात इंदौर क्राइम ब्रांच से संपर्क किया था। इसके बाद दोनों टीमों ने समन्वय कर कार्रवाई की। इस दौरान मुंबई क्राइम ब्रांच के करीब 4 अधिकारी और इंदौर क्राइम ब्रांच के लगभग 8 पुलिसकर्मी शामिल थे। इंदौर क्राइम ब्रांच के ▶▶शेष पेज 5 पर

तकनीकी सर्विलांस, इनपुट के आधार पर कार्रवाई

मुंबई क्राइम ब्रांच को मिले इनपुट के आधार पर संदिग्ध की लोकेशन का पता लगाया गया। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से उसे हिरासत में लिया गया। अब मुंबई क्राइम ब्रांच उससे पूछताछ कर फायरिंग की साजिश, हथियारों की सप्लाई और अन्य आरोपियों से उसके संपर्कों की जांच करेगी। टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के बाद से ही पुलिस आरोपी और उनके मददगारों की तलाश में जुटी है। इसी कड़ी में जांच के दौरान प्रांजल का नाम सामने आया। मुंबई पुलिस उसकी मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर रही थी। शनिवार को लोकेशन इंदौर में मिलने पर पुलिस दल यहां पहुंचा। इसके बाद मुंबई और इंदौर पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई कर उसे पकड़ लिया।

लॉरेंस गैंग से जुड़ाव का दावा कर ली थी जिम्मेदारी

फायरिंग की घटना के बाद अनिल पंडित ने सोशल मीडिया पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से संबंध होने का दावा ▶▶शेष पेज 5 पर

इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के अपग्रेड किए गए आईटीआई से पास होने वाले कुशल युवाओं की अधिक से अधिक नौकरियां सुनिश्चित करना

हरियाणा : स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी ने पीएम -सेतु योजना को दी मंजूरी

सीएम नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक



हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा में कौशल विकास और युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक में राज्य में पहली बार शुरू की जा रही पीएम -सेतु (अपग्रेडेड आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार क्षमता परिवर्तन) योजना के कार्यान्वयन और इसके बजट प्रावधानों को हरी झंडी दे दी गई। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के अपग्रेड किए गए आईटीआई से पास होने वाले कुशल युवाओं की अधिक से अधिक नौकरियां सुनिश्चित करना और उन्हें उद्योग जगत की जरूरतों के अनुसार बेहतर सैलरी पैकेज दिलाना है। बैठक में मुख्यमंत्री ने लगभग 320.44 करोड़ रुपये की लागत वाले ▶▶शेष पेज 5 पर

राष्ट्रीय स्तर पर 60,000 करोड़ रूपये का विशाल विजन

केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित पीएम -सेतु योजना की घोषणा केंद्रीय बजट 2024-25 में की गई थी, जिसे बजट 2025-26 में और विस्तार दिया गया है। इस योजना का कुल राष्ट्रीय बजट 60,000 करोड़ रूपये है, जिसमें केंद्र सरकार का अंश 30,000 करोड़ रूपये, राज्यों का अंश 20,000 करोड़ रूपये और उद्योग जगत (इंडस्ट्री) का योगदान 10,000 करोड़ रूपये रहेगा। इसके साथ ही, एशियाई विकास बैंक और विश्व बैंक द्वारा भी 'परिणाम-आधारित ऋण' के माध्यम से केंद्र के हिस्से की 50 प्रतिशत तक सह-वित्तपोषित सहायता दी जाएगी। इस योजना के तहत देश भर की 1,000 सरकारी आईटीआई और 5 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (**NSTIs**) को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है।

हब-एंड-स्पोक मॉडल से बदलेगी आईटीआई की तस्वीर

योजना के तहत आईटीआई को 'हब-एंड-स्पोक' क्लस्टर मॉडल पर विकसित किया जाएगा। इसके पहले घटक को हरियाणा का 'कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग' लागू करेगा, जबकि दूसरा घटक सीधे केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा संचालित होगा। प्रत्येक हब आईटीआई के साथ लगभग 4 स्पोक आईटीआई जोड़े जाएंगे, जहां आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और डिजिटल लर्निंग की सुविधाएं होंगी। प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण के लिए एक स्पेशल पर्पस व्हीकल (यानी धारा-8 कंपनी का गठन किया जाएगा, जिसमें मुख्य उद्योग भागीदार के पास 51 प्रतिशत शेयरधारिता होगी। शेष 49 प्रतिशत हिस्सेदारी केंद्र और राज्य सरकार (24.5-24.5 प्रतिशत) में बराबर विभाजित होगी। इस ▶▶शेष पेज 5 पर

केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति का निर्णय

रक्षा सचिव को मिला एक वर्ष का कार्य विस्तार, 31 अक्टूबर 2027 को होंगे सेवानिवृत्त



1 नवंबर 2024 को कार्यभार संभाला था

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति (एसीसी) ने शनिवार को अपने एक निर्णय के तहत रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को एक वर्ष के सेवा विस्तार की मंजूरी दे दी है। अब वह अगले वर्ष 31 अक्टूबर 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। पूर्व में उन्हें इसी महीने के अंत में यानी 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होना था। एसीसी के ▶▶शेष पेज 5 पर

खुले में पराली जलाने को रोकने के निर्देश

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने धान के पराली प्रबंधन उपायों की समीक्षा की



पराली के उपयोग के लिए सुविधाओं की उपलब्धता और इनका उपयोग सुनिश्चित करें

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक उच्च-स्तरीय टीम ने एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों के लिए आज पंजाब के अमृतसर और तरनतारन जिलों के उपायुक्तों और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में धान की पराली के व्यापक प्रबंधन ▶▶शेष पेज 5 पर

चूना, गुड़ और लाख से रिपेयर होगा शिखर

श्री महाकालेश्वर मंदिर और परिसर का 10.27 करोड़ से होगा जीर्णोद्धार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शुमार श्री महाकालेश्वर मंदिर और उसके परिसर में स्थित अन्य प्राचीन मंदिरों के संरक्षण के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है।

मंदिर के शिखर से लेकर अन्य उप-मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए 10.27 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी। सबसे खास बात यह है कि मंदिर की प्राचीन और मूल संरचना को सुरक्षित रखने के लिए



इसमें सीमेंट या सरिए का उपयोग नहीं किया जाएगा, बल्कि पारंपरिक पद्धति के तहत चूना, गुड़ और लाख के मिश्रण से मरम्मत कार्य किया जाएगा। केंद्रीय भवन शोध संस्थान के तकनीकी ▶▶शेष पेज 5 पर

रक्षा सूत्र बोले, संवाद के विभिन्न माध्यमों से स्थानीय कमांडरों का हालात पर पूर्ण नियंत्रण

अरुणाचल प्रदेश में एलएसी पर हालात स्थिर, ग्राउंड पर पूरी मुस्तैदी से डटी सेना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

चीन के साथ लगी भारत की पूर्वी सीमा पर स्थित अरुणाचल-प्रदेश में भारतीय थलसेना और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच वर्तमान में जारी सैन्य झड़प वाले आईटीबीपी डीजी के बयान के बाद रक्षा सूत्रों का कहना है कि राज्य के खासकर ऊपरी सुबनसिरी जिले के असाफिला और लोंगजू जैसे दो इलाकों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर बनी हुई पृथक धारणा की वजह से हालात संवेदनशील बने हुए हैं। लेकिन जमीनी स्थिति फिलहाल स्थिर है, दोनों सेनाओं के बीच किसी तरह की कोई



हिंसक झड़प नहीं हुई है। सेना के स्थानीय कमांडरों ने संवाद के विविध माध्यमों (फ्लैग बैठक, हॉटलाइन पर बातचीत और सेनाओं के बीच मौजूद तंत्र) के जरिए ग्राउंड पर स्थिति को पूर्णतः नियंत्रित किया हुआ है। जबकि बल के जवान समूचे क्षेत्र में पूरी ताकत के साथ डटे हुए हैं और किसी भी आपात परिस्थिति का सामना करने के लिए हमेशा तैयार हैं।

बातचीत से निकलेगी राह

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वोत्तर के इलाके में कोर कमांडर स्तर की बातचीत भी हुई है। सूत्रों ने बताया कि रणनीतिक स्तर पर गतिरोध अक्सर चुनौतियां पेश करते हैं। लेकिन यहां एक सच्चाई ये भी है कि तनाव वाले इलाकों में पहले की तुलना में अधिक ध्यान केंद्रित करने से दोनों पक्ष वार्ता को लेकर भी सार्थकता से जुड़ने के लिए प्रेरित होते हैं।

जुलाई से आ रही तनाव की खबरें

यहां इस बात पर ध्यान देना बेहद जरूरी है कि पूर्वोत्तर भारत के इस राज्य से इसी साल जुलाई महीने से भारत-चीन की सेनाओं के बीच सामान्य सैन्य गश्त के दौरान आमना-सामना होने पर तनाव की खबरें आ रही हैं। ऐसी ही एक घटना प्रदेश के ताक्सिंग में एलएसी के करीब होने का दावा किया गया था। आईटीबीपी डीजी ने भी अपने बयान में इसी मामले का उल्लेख ▶▶शेष पेज 5 पर

2020 के विवाद को बताना जरूरी

गौरतलब है कि भारत-चीन के बीच कुल करीब 3 हजार किलोमीटर लंबी एलएसी है। जिसके पश्चिमी भाग में पूर्वी लद्दाख में वर्ष 2020 के मध्य में तनाव की शुरुआत हुई थी। फिर इसी साल जून महीने में गलवान घाटी में दोनों सेनाओं के बीच हुई एक खूनी हिंसक झड़प के बाद तनाव अपने चरम पर पहुंच गया था। झड़प में भारत के 20, चीन ▶▶शेष पेज 5 पर

स्कूल परिसर में 12वीं कक्षा की छात्रा का जला हुआ शव मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭| नई दिल्ली

शाहदरा जिले के कृष्णा नगर स्थित एक सरकारी स्कूल में शनिवार को 12वीं कक्षा की छात्रा ने खुद को आग लगा खुदकुशी कर ली। 18 वर्षीय छात्रा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिये मोर्चरी भेजा गया है। इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार सदमे में हैं वहीं आसपास के लोग भी हैरान है। पुलिस प्रेम प्रसंग समेत कई पहलुओं को ध्यान में रखकर आगे की तफ्तीश में जुटी है।

पुलिस शनिवार को स्कूल की तरफ से जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची। छात्रा गार्ड रूम के पीछे जली हालत में मिली। उसका चेहरा भी पूरी तरह से जल चुका था। पुलिस तुरंत उसे हेडगेवार अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दमकल विभाग को भी 11:58 बजे इस संबंध में सूचना मिली। छात्रा अपनी बहन के साथ भाई और भाभी के साथ घोंडली इलाके में रहती थी। परिवार को दोपहर 12:40 बजे घटना के बारे में जानकारी दी गई। मृतका को सुबह स्कूल छोड़ने उसकी बहन ही आई थी। बहन का कहना है कि उस समय वह सामान्य लग रही थी।



पुलिस को मिला सुसाइड नोट

छात्रा के बैग से तीन सुसाइड नोट मिलने की बात सामने आई हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। नोट में लिखा कि मैं अपनी माता पिता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर सकी। बताया यह भी जा रहा है कि छात्रा ने अपने जन्मदिन से एक दिन पहले यह कदम उठाया। छात्रा छठे पीरियड के बाद क्लास पास लेकर पानी पीने जाने की बात कहकर निकली थी। 2-3 मिनट बाद ही चिल्लाने की आवाज आई। पानी के टैंक के पास ही वह पूरी तरह जली मिली। किसी केमिकल डालकर आग लगाने की आशंका है।

अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और छात्रा के स्कूल बैग से कुछ सामान बरामद मिला है। सूत्रों का कहना है कि बैग से तीन सुसाइड नोट मिले हैं। घटनास्थल का निरीक्षण करने और सबूत जुटाने के लिए क्राइम व फॉरेंसिक टीमों को भी बुलाया गया। पुलिस ने कहा कि घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है।

इस वारदात ने स्कूल में विद्यार्थियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की सूचना के बाद परिजन अपने बच्चों की चिंता में उन्हें लेने स्कूल भी पहुंच गये थे।

छात्रा की मौत मामले की गहन जांच हो: सूद

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली

- शिक्षा मंत्री ने शाहदरा के स्कूल का किया दौरा, ली जानकारी

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि इस स्कूली छात्रा की दुखद मौत के मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच हो और घटना से जुड़े सभी तथ्य सामने आएं। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों और उससे जुड़े अन्य पहलुओं पर स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा। जांच के निष्कर्षों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री के अनुसार, पूर्वी दिल्ली के शाहदरा क्षेत्र के एक स्कूल में 17 वर्षीय छात्रा द्वारा स्वयं को आग लगा लेने की दुखद घटना में उसकी मृत्यु हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने स्कूल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान कृष्णा नगर के विधायक अनिल गोयल भी उनके साथ उपस्थित रहे। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने स्कूल प्रबंधन एवं पुलिस अधिकारियों से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने घटना के कारणों और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए स्थानीय लोगों से बातचीत की। साथ ही, मामले की जांच की प्रगति और उपलब्ध साक्ष्यों के संबंध में भी जानकारी ली। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि शाहदरा के स्कूल में 17 वर्षीय छात्रा की मृत्यु की यह हृदयविदारक घटना अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। इस घटना से हम सभी व्यथित हैं। दिल्ली पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। स्कूल प्रबंधन ने सभी उपलब्ध साक्ष्य पुलिस को सौंप दिए हैं।

आत्महत्या की निष्पक्ष जांच कराए सरकार : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर स्थित सरकारी स्कूल में एक छात्रा की कथित आत्महत्या की दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत पीड़ादायक और पूरे समाज को झकझोर देने वाली घटना बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि एक मासूम बच्ची का इस प्रकार असमय दुनिया से चले जाना शिक्षा व्यवस्था और बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करता है। कांग्रेस पार्टी इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने दिल्ली सरकार से मांग की कि घटना की तत्काल निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और उन सभी परिस्थितियों एवं कारणों का पता लगाया जाए जिनके चलते यह दुखद घटना हुई। जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यादव ने कहा कि स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के साथ-साथ उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य की जिम्मेदारी भी दिल्ली सरकार की है। उन्होंने मांग की कि दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों में प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिकों द्वारा नियमित काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएं, ताकि बच्चे तनाव, भय, अवसाद और अपनी व्यक्तिगत परेशानियों को बिना किसी संकोच के साझा कर सकें।

गृह मंत्री अमित शाह कानून-व्यवस्था की समीक्षा के लिए पहुंचे पुलिस मुख्यालय

हरिभूमि न्यूज ⏭| नई दिल्ली

- मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी रही साथ

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के लिए शनिवार दोपहर दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शाह की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के हालिया विरोध प्रदर्शनों, मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई, विदेश से गिरोह चलाने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

सूत्रों ने बताया कि शाह दोपहर करीब तीन बजे जय सिंह रोड स्थित पुलिस मुख्यालय पहुंचे, जहां वरिष्ठ अधिकारी उन्हें पुलिस बल के कामकाज, संगीन मामलों की जारी जांच और कानून लागू करने से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब जुलाई में सीजेपी के 'संसद चलो' मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग करने के आरोपों को लेकर दिल्ली पुलिस को आलोचना का सामना करना पड़ा है। सूत्रों ने बताया कि बैठक में विरोध प्रदर्शन से जुड़ी परिस्थितियों, पुलिस की कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई है। शाह का यह दौरा चार साल से अधिक समय बाद हुआ। शाह ने इससे पहले 30 अगस्त 2022 को पुलिस मुख्यालय का दौरा किया था। इस दौरान गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ की अमेरिका में गिरफ्तारी को लेकर भी चर्चा की गई। दिल्ली पुलिस ने भाऊ के भारत लाये जाने की प्रक्रिया से गृह मंत्री को अवगत करवाया और उठाये जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी।

जामिया में इमरान मसूद-प्रतापगढ़ी के जबरन घुसने को लेकर एफआईआर की तैयारी

नई दिल्ली। जामिया मिलिया इस्लामिया में सांसद इमरान मसूद-प्रतापगढ़ी के जबरन घुसने को लेकर एफआईआर की तैयारी की जा रही है। दोनों पर जबरन घुसकर धरना दे रहे छात्रों को भड़काने का आरोप है। विश्वविद्यालय के सूत्रों ने दोनों नेताओं पर एफआईआर दर्ज कराये जाने की बात कहीं है। वहीं, इस पूरे मामले की रिपोर्ट गृह मंत्रालय को भी भेजी गई है। मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस सांसद इमरान मसूद शुक्रवार को बाउंड्री से सीढ़ी लगाकर जामिया में घुसे। वहीं, सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ऑटो से पहुंचे और समर्थकों के साथ पीछे का गेट तोड़कर धरनास्थल पहुंचे। बता दें कि जामिया मिलिया इस्लामिया में छात्र संघ चुनाव कराने और अनुशासनात्मक कार्रवाई के खिलाफ जारी छात्रों का विरोध-प्रदर्शन और भूख हड़ताल विश्वविद्यालय प्रशासन के आश्वासन के बाद शनिवार को समाप्त हो गया। विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों ने भी परिसर के माहौल को लेकर चिंता व्यक्त की है और बाहरी तत्वों के प्रवेश की निंदा की। विश्वविद्यालय की दीवार पर शुक्रवार को लिखे गए 'फ्री कश्मीर' के नारे पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसकी कड़े शब्दों में निंदा की है। उनका कहना है कि ऐसे किसी भी असामाजिक कृत्य का समर्थन नहीं किया जाएगा।

स्कूल को बम की धमकी देने वाला दबोचा

नई दिल्ली। दक्षिण जिले की साइबर पुलिस ने लोधी रोड स्थित एयर फोर्स बाल भारती स्कूल को बम की धमकी वाला ईमेल भेजने वाले आरोपी को पकड़ लिया है। ईमेल भेजने वाली एक नाबालिग लड़की निकली, जो उसी स्कूल की छात्रा है। इस झूठे बम की धमकी वाले ईमेल को भेजने का मकसद स्कूल को उस दिन के लिए बंद करवाना था। डीसीपी अनंत मित्तल के अनुसार 23 अक्टूबर को लोधी रोड स्थित एयर फोर्स बाल भारती स्कूल को एक धमकी भरा ईमेल मिला था, जिसका विषय था आपकी इमारत में बम रखे गए हैं। दिल्ली के स्कूलों को निशाना बनाकर हाल ही में मिल रही बम की धमकियों को देखते हुए साइबर पुलिस स्टेशन ने ईमेल भेजने वाले की पहचान करने और उसका पता लगाने के लिए तुरंत एक विस्तृत तकनीकी जांच शुरू की। डिजिटल कड़ियों की जांच के माध्यम से पुलिस ने ईमेल भेजने वाले की पहचान कर उसे पकड़ा। जुवेनाइल जस्टिस एक्ट (किशोर न्याय अधिनियम) के प्रावधानों के अनुसार उक्त छात्रा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।

महिला सिपाही से 24 लाख की ठगी का आरोपी किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭| नई दिल्ली



मध्य जिले की साइबर पुलिस ने दिल्ली पुलिस की महिला कांस्टेबल से 24 लाख की ठगी करने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। इस सिलसिले में विक्रांत कुमार उर्फ विक्की तोमर (26) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी युवक उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के वाजिदपुर गांव का रहने वाला है।

डीसीपी रोहित राजबीर सिंह के अनुसार यह मामला दिल्ली पुलिस की कांस्टेबल शिवानी की शिकायत पर दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि आरोपी ने सबसे पहले उनसे इंस्टाग्राम पर संपर्क किया और कहा कि उसे स्पोर्ट्स कोटे के तहत दिल्ली पुलिस में भर्ती होने के लिए मार्गदर्शन चाहिए। बाद में बातचीत व्हाट्सएप पर आ गई, जहां आरोपी ने उनसे जान-पहचान बढ़ाई और खुद को क्रिकेट जगत की एक जानी-मानी हस्ती के रूप में पेश किया। इसके बाद उसने निवेश पर भारी रिटर्न का झांसा देकर उन्हें ठगा। आरोपी के बहकावे में आकर शिकायतकर्ता ने अपने एक्सिस बैंक खाते से अपनी बचत की रकम ट्रांसफर कर दी। इसके अलावा उन्होंने 12 लाख रुपये का पर्सनल बैंक लोन लेने के साथ साथ जान पहचान वालों से भी पैसे उधार लिए। महिला सिपाही को कुल मिलाकर 24 लाख का चूना लगाया गया था। इसमें से करीब 8 लाख रुपये आरोपी के कहने पर उन बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए, जो '1x.com' सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़े थे। आमने-सामने हुई एक मुलाकात के दौरान विक्की ने शिकायतकर्ता की कमर को गलत तरीके से छूकर उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश भी की और उनके साथ मारपीट की गई। आरोपी के अन्य संभावित पीड़ितों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कपड़ा व्यापारियों और मेडिकल उपकरण कंपनी से लाखों की ठगी में तीन अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭| नई दिल्ली

- ओखला औद्योगिक क्षेत्र पुलिस की कार्रवाई

ओखला औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने थोक कपड़ा कारोबारी और मेडिकल उपकरण की आपूर्ति करने वाली कंपनी से कथित तौर पर 62.68 लाख रुपये की धोखाधड़ी के दो अलग-अलग मामलों में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार इनमें दो आरोपियों ने कपड़ा व्यापारियों से लगभग 45 लाख रुपये के कपड़े लिए और उनका भुगतान नहीं किया जबकि तीसरे आरोपी ने बैंक में रुपये जमा करने के फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाकर 17.68 लाख रुपये के उपकरण हासिल कर एक मेडिकल कंपनी से ठगी की थी।

कपड़ा व्यापारियों से ठगी को लेकर ओखला औद्योगिक क्षेत्र थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार आरोपियों ने एक ऑनलाइन मंच के जरिए व्यापारियों से संपर्क किया। ऑर्डर दिए और कपड़े हासिल किए। भुगतान के एवज में जारी किए गए चेक बाउंस हो गए और अन्य माध्यमों से भुगतान भी नहीं हो पाया। पुलिस के अनुसार आपूर्तिकर्ताओं द्वारा बार-बार कॉल और मैसेज भेजे जाने के बावजूद आरोपियों ने बकाए का भुगतान नहीं किया और बाद में संपर्क खत्म कर दिया। जब जांच की गई तो उनके कार्यालय और कारखाने बंद पाए गए तथा उनके मोबाइल फोन भी बंद थे। पुलिस ने बताया कि दो गिरफ्तार आरोपियों के नाम सराय काले खां निवासी मुशीर खान और मौजपुर निवासी शाहरुख उर्फ मोहम्मद इशहाक है। दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दूसरे मामले में पुलिस ने ओखला स्थित एक मेडिकल उपकरण आपूर्ति करने वाली कंपनी से 17.68 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में राजस्थान के अलवर निवासी असलम (28) को गिरफ्तार किया है। यह मामला 19 जनवरी को मिली एक शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि बैंक में रुपये जमा करने के फर्जी स्क्रीनशॉट का इस्तेमाल कर 'कृष्णा एंटरप्राइजेज' से लगभग 17.68 लाख रुपये के मेडिकल उपकरण हासिल किए गए थे।

66 किलो पटाखों के साथ एक व्यक्ति पकड़ा

नई दिल्ली। विजय विहार इलाके में बिना वैध लाइसेंस के पटाखे रखने और उनका परिवहन करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गये शख्स के तिपहिया वाहन से 66 किलोग्राम पटाखे बरामद हुये। आरोपी शख्स का नाम रामपुरा निवासी विजेंद्र कुमार (33) बताया गया है। इसे रात में एक पार्क के पास गश्त कर रही पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार टीम ने सड़क किनारे खड़ा एक तिपहिया वाहन देखा, जिसमें चालक बैठा था। जब उससे वहां खड़े होने और वाहन में रखे सामान के बारे में पूछा गया, तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। वाहन की तलाशी लेने पर उसके अंदर अलग-अलग प्रकार के 66 किलो पटाखे मिले। कुमार ने पुलिस को बताया कि वह वैध लाइसेंस के बिना ही पटाखे बेचने के लिए लाया था। पुलिस ने पटाखों और तिपहिया वाहन को जब्त कर लिया।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि.अभि./क.वि., डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदाएँ आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम व स्थान	दिल्ली डिवीजन में वेसाइट मॉनिटरिंग सिस्टम (HABD और HAHW) के लिए AT पावर सप्लाई की व्यवस्था के तहत 5 KVA/240 V ऑक्सिलरी ट्रांसफॉर्मर लगाने का कार्य।
अनुमानित लागत	रु. 70,18,705.54
बयाना राशि	रु. 1,40,400/-
ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	02.11.2026 (00:00 बजे) से 16.11.2026 (15:00 बजे तक)
ई–निविदा समाप्त होने तथा निविदा खुलने की तारीख व समय	16.11.2026 (15:00 बजे)
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

निविदा संख्या: 25A–क.वि. – नई दिल्ली – 2026–27, दिनांक: 22.10.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3694/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मुख्तियार अंसारी पुत्रः अमीरूद्दीन अंसारी पताः खसरा नं. 16/17, मकान नं. 339 गली नं. 13, बी–ब्लॉक, शिव कुंज, संत नगर, बुराड़ी, दिल्ली और गाँव हसनपुर, थाना पिपरा, ईस्ट चम्पारण, बिहार** ने case **FIR No. 200/2019 U/s 325/452/323/34 IPC, थानाः वजीराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुख्तियार अंसारी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुख्तियार अंसारी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपनेआप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 200/2019 U/s 325/452/323/34 IPC, थानाः वजीराबाद, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मुख्तियार अंसारी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 30.11.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री आकाश मोहन सिंह
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी – 12 (केन्द्रीय)
रूम नं. 264, दूसरी मंजिल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/15323/N/2026 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गौरव मित्तू, पुत्रः श्री सुभाष मित्तू, पताः फ्लैट नं. 248, पॉकेट–सी, सेक्टर–8, रोहिणी, दिल्ली** ने **FIR No. 377/2017, U/s 420/120 B IPC, पुलिस थाना कंझावला, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **गौरव मित्तू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **गौरव मित्तू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 377/2017, U/s 420/120 B IPC, पुलिस थाना कंझावला, दिल्ली** के अभियुक्त **गौरव मित्तू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो। **आदेशानुसार – सुश्री अपूर्व भारद्वाज**
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–02, उत्तर–पश्चिम
कमरा नं. 113, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/15200/RD/2026

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 10 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करवाये

नई दिल्ली। यातायात पुलिस ने पश्चिमी दिल्ली में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए 10 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित कराए हैं। इसके अलावा पुलिस ने कार्रवाई के लिए अदालतों और परिवहन प्राधिकरणों को 556 प्रस्ताव भेजे हैं। इस अभियान में शराब पीकर वाहन चलाने, खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने और बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। यातायात अधिकारियों का कहना है कि इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार करना और मोटर वाहन अधिनियम, 1988 का पालन सुनिश्चित करना है। पुलिस के अनुसार, शराब पीकर वाहन चलाने के मामलों में अधिनियम की धारा 185 के तहत 112 प्रस्ताव अदालतों को भेजे गए हैं। इनमें लागू होने की स्थिति में धारा 20(2) के तहत ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने या अयोग्य घोषित करने का अनुरोध किया गया है। इन मामलों में अदालतों ने पांच लाइसेंस निलंबित करने के आदेश दिए हैं। पुलिस ने बताया कि लाल बत्ती पार करने और सड़क की गलत दिशा में वाहन चलाने समेत खतरनाक ड्राइविंग के मामलों में संबंधित चालान के साथ 374 प्रस्ताव अदालतों को भेजे गए हैं। इन मामलों में अधिनियम की धारा 20(1) के तहत लाइसेंस निलंबित करने का अनुरोध किया गया है। पुलिस द्वारा बताया कि बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों की पहचान उनके यातायात उल्लंघन रिकॉर्ड के आधार पर की गई है।

प्रत्यर्पण के बजाय डिपोर्ट किये जाने की ज्यादा आशंका

कुख्यात गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ को जल्द लाया जाएगा भारत

निर्देश तोमर ⏭| नई दिल्ली



- दिल्ली और हरियाणा में कई दर्जन वारदातों से रहा है भाऊ का नाता
- आया नगर में जिम मालिक और राजौरी गार्डन के बर्गर किंग आउटलेट में अमन जून की हत्या की ले चुका है जिम्मेदारी

मोस्ट वांटेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ की अमेरिका के लास वेगाम में एफबीआई द्वारा गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां अब उसे जल्द से जल्द भारत वापस लाने की कवायद में जुट गई है। उसके प्रत्यर्पण में समय ज्यादा लग सकता है इसलिये कयास लगाये जा रहे हैं इस लंबी प्रक्रिया के बजाय उसे डिपोर्ट करवाया जा सकता है। इसमें कुछ ही दिनों का समय लगता है। भाऊ फर्जी दस्तावेजों और पासपोर्ट के सहारे अवैध रूप से अमेरिका में रह रहा था, इसलिये उसके डिपोर्ट किये जाने की ज्यादा आशंका है। उसके खिलाफ अगस्त 2023 में इंटरपोल द्वारा रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। भाऊ के भारत आने पर दिल्ली पुलिस भी उसका रिमांड लेने की कोशिश करेगी, क्योंकि दिल्ली के भी कई हाई प्रोफाइल केस में उसका नाम सामने आ चुका है।

मात्र 24 साल की उम्र में जुर्म की दुनिया का बड़ा नाम बने हिमांशु पर हत्या, जबरन वसूली, धोखाधड़ी और आर्म्स एक्ट के कई दर्जन मामले दर्ज हैं। लॉरेंस गैंग का धुर विरोधी बताये जाने वाले भाऊ का दिल्ली के भी कई संगीन जुर्म में नाम सामने आ चुका है। इनमें आया नगर में जिम मालिक की हत्या, राजौरी गार्डन के बर्गर किंग आउटलेट में युवक की हत्या में इसका नाम खासा उछला था। सोशल मीडिया मंच के माध्यम से इन दोनों वारदातों की जिम्मेदारी भाऊ गैंग ने ली थी।

हरियाणा के रोहतक जिले के रिटौली गांव का रहने वाला हिमांशु उर्फ भाऊ रिटोलिया 17 साल की उम्र में ही अपराध की दुनिया में उतर गया था। उसने रोहतक की सब्जी मंडी से जबरन वसूली और हत्या के प्रयास जैसी वारदातों को अंजाम दिया। एक हत्या के मामले में पकड़े जाने के बाद 2020 में वह हिसार के बाल सुधार गृह से करीब 20 साथियों के साथ फरार हो गया था। इसके बाद वह फर्जी दस्तावेजों के सहारे देश छोड़कर पहले दुबई, पुर्तगाल और फिर गैर-कानूनी रास्ते से अमेरिका भाग गया। विदेश में बैठकर हिमांशु सोशल मीडिया और वर्चुअल नंबरों के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पंजाब में अपना सिंडिकेट चला रहा है। 2022 में उसने हरियाणा में महज 24 घंटे के भीतर तीन बड़ी हत्याओं को अंजाम देकर सुरक्षा एजेंसियों को चुनौती दी थी। राजौरी गार्डर के बर्गर किंग शूटआउट में भी इसका नाम सामने आया था। जून 2024 में आउटलेट में अमन जून की सरेआम गोलियां बरसाकर हत्या की गई थी। भाऊ ने सोशल मीडिया पर इस हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया था कि अमन 2020 में उसके एक सहयोगी की हत्या में शामिल था।

बिश्नोई का विरोधी और नीरज बवाना-बंबीहा गैंग का है करीबी

हिमांशु भाऊ को कुख्यात नीरज बवाना और बंबीहा गैंग का करीबी माना जाता है, जबकि लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ गैंग से उसकी पुरानी और कट्टर दुश्मनी बताई जाती है। अगस्त 2023 में उसके खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। भारतीय जांच एजेंसियों ने उस पर भारी इनाम घोषित कर रखा था, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से 2.5 लाख रुपये और दिल्ली पुलिस की ओर से 1 लाख रुपये का इनाम शामिल था। 2025 में यूट्यूबर एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर के बाहर फायरिंग और हाल ही में दिल्ली के आया नगर में कार शोरूम व जिम ट्रेनर की हत्या में भी उसका हाथ सामने आया है। विजय कुमार की दिनदहाड़े हुई इस हत्या की सोशल मीडिया पर भाऊ गैंग ने जिम्मेदारी ली थी। विजय को 14 सितंबर को झांसा देकर बाहर बुलाया गया और मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थी।

मेट्रो में विवादित पोस्टर लगाने पर एफआईआर

नई दिल्ली। मेट्रो में अवैध रूप से पोस्टर लगाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दोनों पोस्टरों को जब्त कर लिया है। इस मामले में स्पेशल सेल भी जांच कर रही है। दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर एक ट्रेन के अंदर सरकार के काम पर सवाल उठाने वाले दो पोस्टर मिलने से पुलिस हरकत में आई। दिल्ली पुलिस के अनुसार फिलहाल अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार एफआईआर दिल्ली प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट, 2007 और मेट्रो रेलवे (ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस) एक्ट, 2002 के तहत दर्ज की गई है।

मेट्रो स्टेशन पर बम की सूचना से अफरा तफरी

रोहिणी सेक्टर-18/19 मेट्रो स्टेशन पर शनिवार दोपहर बम रखे होने की सूचना से अफरा-तफरी मच गई। दोपहर 1 बजकर आठ मिनट पर पीसीआर को फोन कर एक व्यक्ति ने मेट्रो स्टेशन पर बम रखे होने की सूचना दी। पुलिस तुरंत सतर्क हो गई और मामले की जांच शुरू की गई। मौके पर बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया गया। पुलिस के अनुसार फोन करने वाले की पहचान रोहिणी सेक्टर-18 स्थित मिलेनियम अपार्टमेंट निवासी अमित जैन (45) के रूप में हुई है।

खबर संक्षेप

शिक्षा विभाग की प्रगति को बाधित करना चाहते हैं आप नेता : सूद



नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) और उसके नेता दिल्ली शिक्षा विभाग की प्रगति को बाधित करने के लिए निराधार आरोपों और तथाकथित 'हूट एंड शूट' राजनीति का सहारा ले रही है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को आप पर तीखा पलटवार करते हुए यह आरोप लगाए। शिक्षा मंत्री ने आप नेताओं द्वारा पाठ्यपुस्तकों की खरीद में घोटाले के आरोपों को खारिज करते हुए प्रेस वार्ता में पत्रकारों के सामने पाठ्यपुस्तकों की वास्तविक प्रतियां, टेंडर से संबंधित कार्यादेश और मापने के लिए स्केल प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर इन आरोपों की सच्चाई को परखा जा सकता है।

स्कूलों में बांटी गईं पुस्तक एनसीईआरटी की पुस्तकों से छोटी : सौरभ



नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सरकारी स्कूलों में बांटी गई किताबों की प्रिंटिंग में कमीशनखोरी को लेकर शिक्षा मंत्री आशीष सूद के आए जवाब पर पलटवार करते हुए कहा कि आखिरकार शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने स्वीकार कर लिया और बताया कि सरकारी स्कूलों में बांटी गईं पुस्तकें एनसीईआरटी की पुस्तकों के मुकाबले आकार में छोटी हैं। उन्हें वेंडर पर लाए गए पेनाल्टी प्रस्ताव की फाइल को सार्वजनिक करना चाहिए।

डीयू की युवा संगम टीम तमिलनाडु के लिए रवाना

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध युवा संगम फेज -7 टीम शनिवार को गाँधी भवन के प्रांगण में एकत्रित हुई। यहाँ से एक 56 सदस्यीय टीम को केंद्रीय विश्वविद्यालय तमिलनाडु के लिए मुख्य अतिथि दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी व शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डीयू युवा संगम फेज -7 के मुख्य संरक्षक कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह एवं कुलसचिव संरक्षक डॉ. विकास गुप्ता ने भी इस सुरक्षित व सुखद यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी।

सुनी जाएगी प्रभावित लोगों की बात, महिला प्रदर्शनकारियों के उत्पीड़न से जुड़े सबूत किए जाएंगे दर्ज

जंतर-मंतर हिंसा : न्यायालय की समिति पैलेट गन के इस्तेमाल से जुड़े सबूतों पर करेगी गौर

समिति की कार्यवाही 11 बजे से शिक्षा सदन, 17 राउज एवेन्यू इंस्टीट्यूशनल एरिया स्थित उसके कार्यालय में शुरू

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर हुई हिंसा की जांच कर रही उच्चतम न्यायालय की ओर से गठित उच्चाधिकार प्राप्त जांच समिति (एचपीईसी) 29 अक्टूबर को यहां बैठक करेगी। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस दौरान प्रभावित लोगों की बात सुनी जाएगी और पैलेट गन के कथित इस्तेमाल तथा महिला प्रदर्शनकारियों के उत्पीड़न से जुड़े सबूत दर्ज किए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि समिति की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे से शिक्षा सदन, 17 राउज एवेन्यू इंस्टीट्यूशनल एरिया स्थित उसके कार्यालय में शुरू होगी।



पहचान का वैध दस्तावेज होना जरूरी

हिंसा से प्रभावित लोग और आम लोग 29 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न तीन बजे के बीच वहां जाकर अपनी शिकायतें या आवेदन दे सकते हैं और सबूत पेश कर सकते हैं। इसके लिए उनके पास पहचान का वैध दस्तावेज होना जरूरी है। अधिकारियों ने बताया कि समिति विशेष रूप से पैलेट गन के कथित इस्तेमाल, चुनिंदा लोगों को निशाना बनाकर की गई हिंसा और महिला प्रदर्शनकारियों के उत्पीड़न की जांच करेगी। इसके अलावा, दोनों पक्षों की ओर से जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं की भी जांच की

दो दिनों तक चलेगी सुनवाई

अधिकारियों ने कहा था कि सुनवाई 29 और 30 अक्टूबर को दो दिन तक चलेगी, लेकिन बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि यह 29 अक्टूबर को एक दिन के लिए होगी। उच्चतम न्यायालय ने कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था। इन याचिकाओं में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की ज्यादती के आरोप लगाए गए थे। वहीं, पुलिसकर्मियों के खिलाफ हिंसा के आरोप भी लगाए गए थे। समिति में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रवि शंकर झा, दिल्ली उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश शालिंदर कौर, सीबीआई के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व पुलिस महानिदेशक एल. आर. बिश्नोई भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने मुनक नहर क्षेत्र में छठ घाटों का किया निरीक्षण

'विकास कार्यों में औपचारिकता नहीं गुणवत्ता, सुंदरता पर हो विशेष ध्यान'

अधिकारियों को दिए निर्देश, सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर किए जाएं पूरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में हो रहे विकास कार्यों में केवल औपचारिकता पूरी करने के बजाय उनकी गुणवत्ता, उपयोगिता और सुंदरता पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। छठ महापर्व के मद्देनजर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सिंगलपुर स्थित प्रेमबाड़ी पुल के मुनक नहर क्षेत्र में चल रहे विकास, सौंदर्यीकरण और छठ घाटों के निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान संबंधित विभाग अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।

साथ ही रेखा गुप्ता ने कहा कि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी गंदगी और अव्यवस्थाओं के लिए पहचाने जाने वाले मुनक नहर क्षेत्र को अब स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित स्वरूप दिया जा रहा है। दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि छठ महापर्व से पहले घाटों के निर्माण एवं संबंधित विकास कार्यों को पूरा कर लिया जाए, जिससे श्रद्धालु स्वच्छ वातावरण में पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ पूजा-अर्चना कर सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए और जहां भी कोई कमी दिखाई दे, उसे तत्काल दूर किया जाए।

छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े



सौंदर्यीकरण के लिए बेहतर प्लानिंग की तैयारी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान हरित क्षेत्र के विकास और पौधरोपण के कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पौधरोपण बिना किसी सुविचारित योजना के न किया जाए, बल्कि पूरे क्षेत्र के सौंदर्य और उपलब्ध स्थान को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थित लैंडस्केपिंग की जाए। उन्होंने पौधों की उचित व्यवस्था, आकर्षक डिजाइन, हरित पट्टियों के विकास और क्षेत्र को सुंदर स्वरूप देने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को बेहतर डिजाइन तैयार कर उसके अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए ताकि मुनक नहर क्षेत्र में सुव्यवस्थित और सुंदर हरित वातावरण विकसित किया जा सके।

किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने ने छठ घाटों के निर्माण और उनके आसपास की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि घाटों की दीवारों, आसपास के रास्तों और संबंधित स्थलों की फिनिशिंग समय पर पूरी की जाए। उन्होंने दीवारों की पेंटिंग, साफ-सफाई, अतिरिक्त निर्माण सामग्री और मलबे को हटाने तथा आवश्यक स्थानों पर लाइट व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। छठ महापर्व के अवसर पर घाटों के आसपास आकर्षक लाइटिंग और झालरों की व्यवस्था की जाए।

फुटपाथ और आसपास के क्षेत्र का भी हो व्यवस्थित विकास

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सड़क, फुटपाथ, पुल के आसपास के हिस्सों और यातायात व्यवस्था से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क और फुटपाथ का निर्माण स्थानीय जरूरतों तथा उपलब्ध स्थान के अनुरूप किया जाए। अनावश्यक निर्माण से बचते हुए ट्रैफिक के सुचारू संचालन और पैदल यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों के दौरान सामने आने वाली तकनीकी चुनौतियों का उचित समाधान निकालने और सभी कार्यों को समन्वय के साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क, हरित क्षेत्र, पुल और घाटों का विकास एक समग्र योजना के तहत होना चाहिए।

निजामपुर में पशु आश्रय के आरोप पर एमसीडी का एक्शन



दीवारें और कॉलम तोड़े, वायरल वीडियो के बाद हरकत में आया भवन विभाग

जेई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के बाहरी उत्तर जोन के निजामपुर गांव में कथित तौर पर पशु आश्रय स्थल बनाए जाने को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद नगर निगम का भवन विभाग हरकत में आया है। एमसीडी की ओर से शनिवार को जारी स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, 23 अक्टूबर को अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ईंटों की दीवारें, चारदीवारी और निर्माणाधीन कॉलम तोड़े गए।

विभाग को मौके पर करीब एक एकड़ के भूखंड पर बिना आवश्यक स्वीकृति के चारदीवारी और कॉलम का निर्माण होता मिला। हालांकि, निगम का दावा है कि स्थल निरीक्षण के दौरान पशु आश्रय स्थल बनाए जाने के आरोप की पुष्टि करने वाला कोई साक्ष्य नहीं मिला। वहीं, इस मामले में वायरल वीडियों में अन्य आरोपों को लेकर संबंधित कनिष्ठ अभियंता (भवन) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विभाग के अनुसार, जेई का जवाब मिलने के बाद उसकी जांच की जाएगी और आवश्यक होने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई होगी।

इसके अलावा 28 अक्टूबर को वार्ड संख्या 32 में अनधिकृत निर्माण के खिलाफ एक और तोड़फोड़ अभियान निर्धारित किया गया है। यह कार्रवाई आवश्यक सहायता उपलब्ध होने और कानून के अनुरूप की जाएगी।

भवन में हर बदलाव के लिए बिल्डिंग परमिट की जरूरत नहीं : एनडीएमसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भवन में हर बदलाव के लिए बिल्डिंग परमिट की जरूरत नहीं है। इस बात की जानकारी नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ने अधिसूचित बिल्डिंग बॉयलॉज दिल्ली- 2016 के अंतर्गत एक पब्लिक नोटिस जारी कर दी है। इस नोटिस में कहा गया है कि नागरिकों और सरकारी एजेंसियों को कई प्रकार के छोटे निर्माण, आंतरिक फेरबदल और सार्वजनिक उपयोग की संरचनाओं के लिए पूर्व भवन अनुमति (बिल्डिंग परमिट) लेने की आवश्यकता से छूट दी गई है। एनडीएमसी के मुख्य वास्तुकार द्वारा 22 अक्टूबर 2026 को जारी इस आदेश के अनुसार, ऐसे छोटे-मोटे बदलाव जो भवन के कुल निर्मित क्षेत्र या क्यूबिक क्षमता में कोई बढ़ोतरी नहीं करते हैं और संरचनात्मक स्थिरता तथा अग्नि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन नहीं करते हैं, उन्हें इस दायरे में रखा गया है।

इसके तहत प्लास्टर, क्लैडिंग, पैच मरम्मत, री-रूफिंग, फर्श की री-फ्लोरिंग, अपने भूखंड के भीतर खिड़कियों, वेंटिलेटर और दरवाजों को खोलना या बंद करना, तथा क्षतिग्रस्त ईंटों, पत्थरों, खंभों और बीमों की मरम्मत बिना अनुमति की जा सकती है। इसके अलावा, 75 सेंटीमीटर तक के सन शेड, पैरापिट, सीमा दीवारों का निर्माण, सफेदी, पेंटिंग, अनुमत ऊंचाई पर फाल्स सीलिंग, प्राकृतिक आपदाओं से क्षतिग्रस्त हिस्सों का मूल योजना के अनुसार पुनर्निर्माण, आंतरिक विभाजन, और कम ऊंचाई वाले रिहायशी परिसरों में लिफ्ट लगाना भी इसी छूट में शामिल है। लैंडस्केपिंग, पब्लिक आर्ट, 3 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले प्लॉटों में 9 वर्ग मीटर तक के पब्लिक वॉशरूम, सुरक्षा कक्ष या एटीएम, और 4.5 वर्ग मीटर तक के पोर्टो केबिन की स्थापना भी इसके अंतर्गत बिना अनुमति की जा सकती है।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में जलबोर्ड से जुड़ी जनसमस्याएं सुनी

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा सहयोग सैल द्वारा दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों से जुड़ी जनसमस्याओं को लेकर दिल्ली भाजपा कार्यालय में मार्च 2025 से पाक्षिक जनसमस्या निवारण कैम्प का आयोजन शुरू किया हुआ है। इसी कड़ी में शनिवार को दिल्ली भाजपा कार्यालय में आयोजित कैम्प में दिल्ली जलबोर्ड उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने जलबोर्ड से जुड़ी दिल्ली भर की लगभग 57 जनसमस्याएं सुनी जिनमें से 23 का सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश देकर तुरंत निवारण करवाया और शेष को सिफारिश पत्र जारी किए। सहयोग सैल अध्यक्ष गुलशन विरमानी ने कैम्प का संयोजन किया।

'एमसीडी मिनी फुटबॉल लीग 2026' का आयोजन 1200 से ज्यादा नन्हे फुटबॉलर ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम द्वारा एसआईटीडीएस के सहयोग से प्राथमिक विद्यालय स्तर के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक, पहले 'एमसीडी मिनी फुटबॉल लीग 2026' का औपचारिक शुभारंभ शनिवार को दिल्ली गेट स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में किया गया। पहले एमसीडी दिल्ली मिनी लीग का शुभारंभ करते हुए महापौर प्रवेश वाही ने स्टेडियम में उपस्थित सभी लोगों को बताया कि प्रधानमंत्री के 'खेलो इंडिया' विजन और 'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति' के अनुरूप तथा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में शुरू की गई है। इस ऐतिहासिक फुटबॉल लीग में अंडर-9 और अंडर-11 आयु वर्ग के बालक और बालिकाओं की लगभग 120 पंजीकृत टीमों के करीब 1200 नन्हे खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। शुभारंभ के बाद निगम विद्यालय के छात्रों से भरे स्टेडियम का दृश्य देखते ही बनता था। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने बताया कि मेरे लिए यह गौरव का पल है क्योंकि मैं भी निगम विद्यालय का छात्र रहा हूं। दिल्ली नगर निगम सिर्फ स्वच्छता और नवीन तकनीक पर आधारित बायो गैस प्लांट ही नहीं बना रहा है। महापौर ने कहा कि हमारे निगम विद्यालयों और अस्पतालों में आइए और वहां मिलने वाली बेहतरीन सुविधाओं का लाभ उठाइए।



शिक्षा की निरंतरता बनाए रखने में मिलेगी मदद : रविन्द्र इन्द्राज

'प्रह्लादपुर स्थित राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय में छात्राओं को बांटी साइकिल'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

साइकिल वितरण से छात्राओं के लिए विद्यालय तक पहुंचना सुगम होगा और इसके साथ ही शिक्षा की निरंतरता बनाए रखने में मदद मिलेगी। समाज कल्याण मंत्री एवं बवाना विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने प्रह्लादपुर स्थित राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय में आयोजित वार्षिक खेल दिवस 2026 एवं 'विद्या वाहिनी योजना' के अंतर्गत साइकिल वितरण समारोह के दौरान यह संबोधन दिया। 'विद्या वाहिनी योजना' को लेकर मंत्री रविन्द्र ने कहा कि बेटियों की शिक्षा में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। साइकिल मिलने से छात्राओं का विद्यालय आना-जाना अधिक सुगम होगा। इससे न केवल उनका समय बचेगा, बल्कि शिक्षा के प्रति उनका उत्साह भी बढ़ेगा। यह पहल बेटियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करेगी। रविन्द्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा के नेतृत्व में दिल्ली की डबल इंजन सरकार बेटियों के उज्ज्वल भविष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में निगम पार्षद अंजू अमन, मंडल अध्यक्ष निम्मी शर्मा, जिला उप शिक्षा निदेशक वेद प्रकाश सिंह, मुकेश चौधरी तथा विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

'बेटियों को अपनी प्रतिभा को निखारने का मिले अवसर'

इन्द्राज सिंह ने कहा कि 'शिक्षित बेटियां-सशक्त दिल्ली' केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक ऐसे समाज के निर्माण का संकल्प है, जहां प्रत्येक बेटी को शिक्षा, समान अवसर और अपनी प्रतिभा को निखारने का पूरा अवसर मिले। शिक्षित बेटियां परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इसलिए बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण में निवेश करना दिल्ली के उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करना है।



विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह

वार्षिक खेल दिवस के दौरान छात्राओं ने 100 मीटर दौड़, रस्साकशी सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ भाग लिया। खेलकूद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, शारीरिक स्वास्थ्य, अनुशासन और टीम भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर सभी प्रतिभागी छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

सरकार कौन बनायेगा, इसका फैसला केवल जनता करेगी : विजेंद्र गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सरकार कौन बनायेगा, इसका फैसला केवल जनता करेगी। किसी और को यह अधिकार नहीं है। यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष एवं रोहिणी के विधायक विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को रोहिणी के सेक्टर 8 और 13 में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के महापौर प्रवेश वाही भी उपस्थित थे। उनके ये विचार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देशभर में चल रहे विवाद और चुनावी प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों के बीच सामने आए।

जनता के जनादेश को सर्वोपरि बताते हुए गुप्ता ने कहा कि भारत में राजनीतिक सत्ता केवल लोकतांत्रिक चुनावों के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती है। किसी व्यक्ति, राजनीतिक दल या परिवार का सत्ता पर कोई विशेष अधिकार नहीं है। गुप्ता ने कहा कि वोट नहीं चुराए गए हैं, लोगों के दिल जीते गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनाव में सफलता जनता की सेवा, ईमानदारी और निरंतर समर्पण से अर्जित विश्वास का परिणाम होती है। उन्होंने कहा कि भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस बात का प्रमाण है कि मतदाता अपनी पसंद से सरकार चुनते हैं, उसके कामकाज का मूल्यांकन करते हैं और मतदान के माध्यम से सत्ता में बदलाव भी लाते हैं। गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र के सही ढंग से काम करने के लिए चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं में जनता का विश्वास बनाए रखना बेहद जरूरी है। गुप्ता ने कहा कि संसद और राज्य विधानसभाएं लोकतांत्रिक चर्चा, विचार-विमर्श और जवाबदेही के महत्वपूर्ण मंच हैं।



■ गुप्ता ने रोहिणी में तीन सड़कों का शिलान्यास किया और चार बूम बैरियर का उद्घाटन किया

खबर संक्षेप

ठगी करने के मामले में दो खाताधारक धराए

फरीदाबाद। व्यक्ति के फोन पर लिंक भेजकर फोन हैक कर 20000 रुपए की ठगी करने के



मामले में साइबर थाना एनआईटी की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पहचान शेखर निवासी फाजिलपुर गुरुग्राम व जतिन निवासी गुरुग्राम के रुप में हुई है। पुलिस के अनुसार एनआईटी में दी अपनी शिकायत में बताया कि 14 अक्टूबर को उसके व्हॉट्सएप पर एक लिंक आया जिस पर क्लिक करते ही उसका फोन हैक हो गया।

धोखाधड़ी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने क्रेडिट कार्ड



रिवॉर्ड पॉइंट रिडीम कराने के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में महिला कॉलर सहित 2 को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान निखिल पुनिया गाजियाबाद उत्तर प्रदेश व महिला कॉलर के रुप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि एनआईटी फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में शिकायत दी थी।

आंगनवाड़ी वर्कर्स और हैल्पर यूनियन की बैठक

फरीदाबाद। आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर यूनियन की गांव और शहरी कमेटी की बैठक आज लोक



निर्माण विश्रामगृह, बल्लभगढ़ में हुई। इसकी अध्यक्षता जिला प्रधान मालवती ने की। इसका संचालन जिला सचिव देवेंद्री शर्मा ने किया। बैठक में आगामी 13 दिसंबर तक सीटू के आह्वान पर दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाले महापड़ाव में भाग लेने का प्रस्ताव पास किया गया। इस संसद कूच में फरीदाबाद से सभी संगठनों के हजारों वर्कर भाग लेंगे। बैठक को सीटू के जिला सचिव वीरेंद्र सिंह डंगवाल, बढ़ती हुई महंगाई में मजदूरों और कर्मचारियों के लिए अपने परिवारों का भरण पोषण करना बहुत मुश्किल हो गया है।

शिविर का आयोजन भाटिया सेवक समाज अस्पताल के सहयोग से लगाया गया

भारती चैरिटेबल ट्रस्ट ने लगाया रक्तदान एवं नेत्र जांच शिविर, 38 ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

भारती चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 14 वां रक्तदान व आंखों की जांच के शिविर का आयोजन प्याली चौक स्थित जाट धर्मशाला परिसर में आयोजित किया गया। यह शिविर रेडक्रास फरीदाबाद, संत भगत सिंह चैरिटेबल ब्लड बैंक व नेत्र जांच शिविर भाटिया सेवक समाज अस्पताल के सहयोग से लगाया गया।

इस मौके पर भारती चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष डा. धर्मेन्द्र सिंह नांदल, धारा सिंह नांदल, मामचंद भड़ाना, देवेन्द्र शर्मा, मदनपाल रावत ने आए हुए सभी अतिथियों का पटका पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर मंच का संचालन समाजसेवी संजीव कुशवाहा ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप जाट संस्था के प्रधान डा. जितेन्द्र मोर, अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली, सचिन तंवर, गजेन्द्र भड़ाना, डा. डीके शर्मा, अवधेश ओझा उपस्थित थे। इस अवसर पर लगभग 38 रक्तवीरों ने रक्तदान किया, वहीं 150 लोगों ने

- उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना
- रक्तदान महादान है, रक्तदान करके हम किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया



नेत्र जांच करवाई तथा 30 लोगों को निशुल्क चश्में भेंट किए। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जाट संस्था के प्रधान डा. जितेन्द्र मोर ने कहा कि रक्तदान महादान है और रक्तदान करके हम किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने में योगदान कर सकते हैं। समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है, ताकि जरूरत के समय किसी भी मरीज को रक्त की कमी के कारण परेशानी का सामना न करना पड़े।

जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्मः सुरेन्द्र शर्मा

अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। रक्तदान और नेत्र जांच शिविर जैसे आयोजन समाज में सेवाए सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। आंखें हमारे जीवन का अनमोल उपहार हैए इसलिए समय-समय पर नेत्रों की जांच करवाना आवश्यक है। भारती चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष डा. धर्मेन्द्र सिंह नांदल ने कहा कि ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य समाजसेवा के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सहायता करना और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है। रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। वहीं, समय पर आंखों की जांच और उचित उपचार से आंखों की समस्याओं की पहचान की जा सकती है। उन्होंने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले रेडक्रॉस फरीदाबाद, संत भगत सिंह चैरिटेबल ब्लड बैंक, भाटिया सेवक समाज अस्पताल व सभी अतिथियों, रक्तदाताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर चमन लाल, इतवारी लाल, विनोद भाटी, सत्यपाल गुप्ता, सुनील कुशवाहा, सतपाल आदि।

देसी अंदाज और हरियाणवी सुरों का संगम, ढुल की गायकी ने जीता दिल

हरियाणवी गायक अमित ढुल ने सूरजकुंड दिवाली मेले में बांधा समां, हरियाणवी गीतों पर झूमे दर्शक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

> मेले की मुख्य चौपाल पर आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में उन्होंने एक के बाद एक लोकप्रिय हरियाणवी गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को संगीतमय बना दिया।

सूरजकुंड दिवाली मेले में शनिवार दोपहर हरियाणवी गायक अमित ढुल ने अपनी शानदार गायकी से दर्शकों का मन मोह लिया। मेले की मुख्य चौपाल पर आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में उन्होंने एक के बाद एक लोकप्रिय हरियाणवी गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को संगीतमय बना दिया। उनके गीतों की धुन पर दर्शक झूमते नजर आए और पूरे परिसर में हरियाणवी संस्कृति एवं संगीत का रंग छा गया।

अमित ढुल ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत से ही दर्शकों में उत्साह भर दिया। उन्होंने रांझा रांझा करदी, रह गए मिलना रांझा छेल, यार तेरा चेतक चलावे, तुझे चस्का लेन फरारी दा, मेरा बालम धारेदार चलावे जिप्सी, सामने हो, यार ते नचना पैंदा है, मेरी मां ने बड़ा जमाई प्यारा लागे से और मेरा जी लग्या से बाप्या में जैसे लोकप्रिय



हरियाणवी गीतों की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। अमित ढुल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि सूरजकुंड दिवाली मेले जैसे आयोजन प्रदेश की कला, संस्कृति और लोक संगीत को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजनों से हरियाणवी कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच मिलता है और प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को नई मजबूती मिलती है। उन्होंने मेले के आयोजन और कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

चौपाल में उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा

उनकी गायकी में हरियाणवी लोकजीवन, देसी अंदाज और क्षेत्रीय संस्कृति की झलक देखने को मिली। गीतों की आकर्षक धुनों और ऊर्जावान प्रस्तुति ने मेले में मौजूद लोगों को खूब आनंदित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चौपाल में उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। सूरजकुंड दिवाली मेला हस्तशिल्प, लोककला, पारंपरिक खानपान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की विविध सांस्कृतिक विरासत को मंच प्रदान कर रहा है। मेले में आयोजित ऐसे संगीत कार्यक्रम दर्शकों को हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति और संगीत परंपरा से जोड़ने के साथ-साथ मनोरंजन का भरपूर अवसर भी प्रदान कर रहे हैं।

कंवर ग्रेवाल की आवाज का जादू, तालियों और सुरों से गूंज उठी मुख्य चौपाल

सूरजकुंड दिवाली मेलाः कंवर ग्रेवाल की शानदार प्रस्तुति ने सूरजकुंड दिवाली मेले की शाम को बनाया यादगार

हरियाणा पर्यटन विभाग द्वारा आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी मेला की थीम पर आधारित तृतीय सूरजकुंड दिवाली मेले की मुख्य चौपाल पर देर सांय प्रसिद्ध सूफी गायक कंवर ग्रेवाल ने अपनी शानदार गायकी से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनकी दमदार आवाज, सूफियाना अंदाज और पंजाबी संगीत की शानदार प्रस्तुति ने पूरे माहौल को संगीतमय बना दिया। जैसे ही उन्होंने अपनी गायकी का जादू बिखेरना शुरू किया, मुख्य चौपाल पर मौजूद दर्शक तालियों और उत्साह के साथ उनके गीतों का आनंद लेने लगे। सूफी गायक कंवर ग्रेवाल ने अपनी गायकी के माध्यम से पंजाबी लोक संगीत और सूफी



परंपरा की खूबसूरती को प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति में प्रेम, आध्यात्मिकता, मानवीय संवेदनाओं और पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। उनके लोकप्रिय गीतों सामने होवे यार तो नाचना पैंदा है।

पर्यटन मंत्री शर्मा का आभार व्यक्त किया

सूफी गायक कंवर ग्रेवाल ने अपनी शानदार गायकी और दर्शकों के साथ आत्मीय जुड़ाव से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सूरजकुंड दिवाली मेले जैसे सांस्कृतिक आयोजन कलाकारों को अपनी कला और प्रतिभा प्रस्तुत करने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजन भारतीय लोक संस्कृति, संगीत और समृद्ध परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सूरजकुण्ड दिवाली मेला हस्तशिल्प, लोककला, पारंपरिक खानपान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ देश के प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियों का प्रमुख मंच बन रहा है। मेले में आयोजित ऐसे संगीत कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों की लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता को लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हरियाणा एसटीएफ, एनआईए और दिल्ली पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में था शामिल

अमेरिका में पकड़ा गया गैंगस्टर हिमांशु भाऊ, गुरुग्राम में एल्विश यादव के घर फायरिंग से जुड़ा नाम

गुरुग्राम ⏭ धर्मेंद्र कौशिक

गुरुग्राम में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव के घर के बाहर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी लेने वाले गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। वर्ष 2025 में एल्विश यादव के घर के बाहर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी भाऊ गैंग ने सोशल मीडिया पर ली थी। हालांकि, इस मामले में हिमांशु की व्यक्तिगत भूमिका की पुष्टि आधिकारिक जांच से ही होगी। उसकी गिरफ्तारी के बाद भारतीय एजेंसियां उसे भारत लाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में जुटी हैं। लास वेगास में मिली लोकेशन लगातार बड़ी वारदातों में नाम आने के कारण हिमांशु भाऊ हरियाणा एसटीएफ, राष्ट्रीय जांच एजेंसी और दिल्ली पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल था। लेकिन बाद में उसकी लोकेशन अमेरिका के लास वेगास में मिली। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए ने तकनीकी निगरानी और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ उसकी लोकेशन साझा की।

17 साल की उम्र में अपराध की दुनिया में कदम

रोहतक जिले के रिटौली गांव का रहने वाला 24 वर्षीय हिमांशु भाऊ वर्ष 2019 में जबरन वसूली के लिए रोहतक की सब्जी मंडी में फायरिंग के मामले में पकड़ा गया था। नाबालिग होने के कारण उसे हिसार के बाल सुधार गृह भेजा गया, जहां से वह करीब 20 अन्य लड़कों के साथ फरार हो गया। बाद में उसका संपर्क दिल्ली के गैंगस्टर नीरज बवाना से हुआ और उसने अपना गिरोह खड़ा किया। उस पर &0 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल होने के आरोप हैं। हरियाणा पुलिस ने उस पर 2.5 लाख और दिल्ली पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

जाली पासपोर्ट से विदेश भागने का आरोप

जांच एजेंसियों के मुताबिक, हिमांशु वर्ष 2022 में कथित तौर पर जाली पासपोर्ट से पुर्तगाल भागा और बाद में अमेरिका पहुंच गया। वर्ष 202& में उसके खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने की जानकारी भी सामने आई थी। भी गिरोह के जरिए वारदातों की साजिश रचने के आरोप उस पर लगते रहे हैं।

पंजीकृत बसों को प्रतिबंध से छूट प्रदान किए जाने का उल्लेख

दिल्ली में 1 नवंबर से लागू होने वाले वाहन प्रवेश प्रतिबंधों के प्रति परिवहन व्यवसायियों व वाहन स्वामियों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शीतकाल के दौरान वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं वायु गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से दिल्ली में विभिन्न श्रेणियों के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू किए जा रहे हैं। इस संबंध में परिवहन विभाग ने समस्त परिवहन व्यवसायियों, ट्रांसपोर्ट यूनियनों तथा वाहन स्वामियों को निर्धारित प्रतिबंधों एवं उनकी प्रभावी तिथियों की जानकारी दी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन, अशोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशों के क्रम में 01 नवम्बर 2026 से बीएस-व्हीआई सीएनजी एवं इलेक्ट्रिक श्रेणी के अतिरिक्त अन्य बसों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। इस प्रतिबंध में ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट एवं अन्य सेवा व्यवस्थाओं



के अंतर्गत संचालित बसें भी सम्मिलित हैं। हालांकि, दिल्ली में पंजीकृत बसों को प्रतिबंध से छूट प्रदान किए जाने का उल्लेख है।

इसी प्रकार, दिल्ली में पंजीकृत वाहनों को छोड़कर अन्य राज्यों में पंजीकृत बीएस व्हीआई उत्सर्जन मानकों से निम्न श्रेणी के वाहनों के दिल्ली में संचालन पर 01 नवम्बर से 31 जनवरी तक प्रतिबंध संबंधी प्रावधान लागू होंगे। इस संबंध में संबंधित अधिसूचना में निर्धारित अपवाद एवं छूट के प्रावधान यथावत लागू रहेंगे। इसके अतिरिक्त, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देश संख्या-88 के अंतर्गत 01 नवम्बर 2025 से एवं इलेक्ट्रिक वाहनों को छोड़कर अन्य व्यावसायिक मालवाहक वाहनों, जिनमें हल्के मालवाहक वाहन मध्यम मालवाहक वाहन एवं भारी मालवाहक वाहन शामिल हैं, के दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध संबंधी व्यवस्था लागू है। श्रेणी के व्यावसायिक मालवाहक वाहनों के लिए 31 अक्टूबर 2026 तक सीमित अवधि की अनुमति का उल्लेख किया गया है। श्रीवास्तव के बताया कि परिवहन यूनियनों एवं वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे दिल्ली में प्रवेश करने से पूर्व अपने वाहनों की उत्सर्जन श्रेणी एवं लागू प्रतिबंधों की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि प्रतिबंधित वाहनों के संचालन के कारण होने वाली असुविधा एवं संभावित दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके।

46 हजार नगदी व स्कूटी बरामद

गाजियाबाद में दो टप्पेबाज देर रात पुलिस मुठभेड़ में घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

थाना सिहानी गेट पुलिस शुक्रवार की देर रात में मुठभेड़ के दौरान दो टप्पेबाजो को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस को ओर से चलाई गोली से दोनों टप्पेबाज घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके कब्जे से 4600 रुपये, घटना में प्रयुक्त 01 स्कूटी मय 02 तमंचे .315 बोर मय 02 जिंदा कारतूस .315 बोर व 02 अदद खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं। एसीपी जियाऊद्दीन ने बताया कि कुलदीप निवासी मूलचंद एनक्लेव नंदग्राम ने थाना सिहानी गेट पर तहरीर दी थी कि 12 अक्टूबर को वह समय करीब 01.00 बजे अपने ऑफिस छोटा घर से नवयुग मार्केट एचडीएफसी बैंक में चैक जमा कराने गये थे । जहाँ से वह अपनी बाईक से मालीवाडा



चौक पर विमल फार्मा से पैमेंट लेने के लिए जा रहे थे तो रास्ते मे स्कूटी सवार दो अज्ञात व्यक्ति पीछे से टक्कर हो जाने की बात कहकर मुकदमा वादी से उलझने लगे और उन्हे अपनी बातों में उलझाकर उनके पैसे लेकर चले गए। जिसके संबंध में थाना सिहानीगेट पुलिस ने कार्यवाही करते हुए मुकदमा पंजीकृत कर घटना का सफल अनावरण किए जाने हेतु टीम का गठन किया। थाना सिहानी गेट पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज, लोकल इनपुट व मुखबिर की सूचना के आधार पर टप्पेबाजी करने वाले 02 शातिर अभियुक्तगण गौरव उर्फ गोलू व विवेक को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया।

जीपीएल ने छमाही में बनाया रिकॉर्ड

गुरुग्राम। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) ने पहली छमाही में रिकॉर्ड बुकिंग दर्ज की है। वहीं वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में 15,000 करोड़ रुपए का कलेक्शन और 7,000 करोड़ रुपए का ऑपरेटिंग कैश फ्लो हासिल होने की उम्मीद है। कंपनी के चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि दूसरी तिमाही में कंपनी का कामकाज मजबूत रहा है। कंपनी की नई परियोजनाओं की लॉन्च पाइपलाइन भी पहले से अधिक मजबूत हुई है। पिरोजशा गोदरेज के मुताबिक, कंपनी को भरोसा है कि वह पूरे वित्त वर्ष के लिए तय लक्ष्य से प्रमुख परिचालन मानकों पर बेहतर प्रदर्शन करेगी। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में कंपनी ने 16,659 करोड़ रुपए की बुकिंग दर्ज की, जो कंपनी के इतिहास में किसी भी पहली छमाही का सबसे बड़ा आंकड़ा है। दूसरी तिमाही में बुकिंग 8,008 करोड़ रुपए रही।

57 करोड़ 60 लाख के ट्रांजैक्शन में 77 लाख कम, जांच शुरू

एटीएम मशीन के रखरखाव व कैश लेंडिंग में 77 लाख का घोटाला

कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

दिल्ली से गाजियाबाद में एटीएम मशीन में कम पैसा जमा करने का घोटाला प्रकाश में आया है। इसमें 57 करोड़ 60 लाख 80 हजार रुपए की ट्रांजैक्शन में 77 लाख 28 हजार रुपए कम जमा किए जाने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में कोर्ट के आदेश पर थाना नंदग्राम में हिताची पेमेंट सर्विसेज के प्रतिनिधि घनश्याम में रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसीपी जियाउद्दीन ने बताया कि हिताची पेमेंट सर्विसेज नामक कंपनी एटीएम मशीनों में काश लैंडिंग व रखरखाव का काम करती है। गाजियाबाद में कल 31 एटीएम मशीन में यह काम करती है। जिसका टेंडर हिताची कंपनी की ओर से जीडी सर्विसेज फॉर्म को दिया गया है। इस फॉर्म का संचालन गौरव वर्मा निवासी सेवा नगर है उन्होंने बताया कि इस मामले में अदालत के आदेश पर मुकदमा कायम किया गया है।

अंधेरे के कारण दिखाई नहीं दिया, मथुरा से लौटते समय हादसा

खड़े ट्राले से टकराया ऑटो, 2 की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

देर रात नेशनल हाईवे पर सड़क किनारे खड़े ट्राले से टकराने के कारण ऑटो ड्राइवर समेत दो लोगों की मौत हो गई। हादसा सेक्टर-58 के पास हुआ। ऑटो में सवार दोनों लोग दिल्ली के मायापुरी इलाके के रहने वाले थे। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलने पर सेक्टर-58 थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ऑटो से ड्राइवर हरिंदर और उसमें सवार साथी दर्जीलाल को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी केवल सिंह के अनुसार पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। परिजनों ने बताया कि दर्जीलाल मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के हसनपुरा गांव का रहने वाला था। वह मशीन फिटर का काम करता था और काम के लिए अलग-अलग जिलों व राज्यों में जाता था। आने-जाने के लिए वह अक्सर हरिंदर का ऑटो किराए पर लेता था।

पुलिस ने 32 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे बरामद किए

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अवैध रूप से पटाखों की बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम ने एनआईटी-1 में सचिन भाटिया के घर से 32 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखों से भरे कट्टे बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से सचिन निवासी एनआईटी 1 कोतवाली फरीदाबाद को काबू किया है। पुलिस के अनुसार अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एनआईटी-1 में सचिन अवैध रूप से पटाखे बेचने का काम करता है तथा उसने बिक्री के लिए अपने घर में पटाखों से भरे प्लास्टिक कट्टे रखे हुए हैं। उन्होंने आगे बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर सचिन को काबू किया। कट्टों की जांच करने पर उनमें रॉकेट बम, सुतली बम, मुर्गा पटाखे, आकाश में छोड़ी जाने वाली आतिशबाजी, अनार, फुलझड़ी, फिरकी सहित विभिन्न प्रकार के 32 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे मिले। पटाखों को रखने एवं बेचने के संबंध में आरोपी से लाइसेंस व परमिट मांगा गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **अभिषेक गोयल प्रोप हर्षिता स्टील पताः** प्लॉट नं. 870 दुकान नंबर 4 नंबरदार मार्केट फिरनी रोड पूठ खुर्द के सामने औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर–3 बवाना; दिल्ली **Case FIR No: 1754/2023, 1755/2023, 1703/2023, 1702/2023, U/s: 138 NI Act, पुलिस थानाः शालीमार बाग, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अभिषेक गोयल,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अभिषेक गोयल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **अभिषेक गोयल, Case FIR No: 1754/2023, 1755/2023, 1703/2023, 1702/2023, U/s: 138 NI Act, पुलिस थानाः शालीमार बाग, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.11.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
आकांक्षा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
उत्तर–पश्चिम, कोर्ट नंबर 107, पहली मंजिल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/15385/NW/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **वरुण उर्फ दीपक पुत्रः विनोद पताः मकान नंबर डी–3, सुल्तानपुरी दिल्ली, इसके अलावाः डी–7/56, सुल्तानपुरी दिल्ली इसके अलावाः मकान नंबर 13/14, पूठ कलां सुल्तानपुरी दिल्ली e-FIR No. 80024391/26, U/s 305/317 (2) BNS थानाः राज पार्क, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **वरुण एर्फ दीपक** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गए है कि उक्त अभियुक्त **वरुण एर्फ दीपक** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **e-FIR No. 80024391/26, U/s 305/317 (2) BNS थानाः राज पार्क, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **वरुण एर्फ दीपक** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आकांक्षा
जेएमएफसी–03, कमरा नंबर 107
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/15288/OD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सूरज प्रकाश पुत्रः गौरी शंकर, पताः ए–2/28, मेन रोड, सरकारी स्कूल के पास, नन्द नगरी, दिल्ली** ने **case CC No. 929/2022 U/s 138 NI Act, थानाः गोकुलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सूरज प्रकाश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सूरज प्रकाश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **case CC No. 929/2022 U/s 138 NI Act, थानाः गोकुलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सूरज प्रकाश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकदमा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 28.11.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री संजना कसाना
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी(एनआइ एक्ट)–01
रूम नं. 409, चौथी मंजिल, उत्तर पूर्व जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15099/NE/2026 (Court Matter)

खबर संक्षेप

खाटू श्याम से लौट रहे 4 यूट्यूबरों की मौत

आगरा। जयपुर में खाटूश्याम दरबार का एकादशी लाइव प्रसारण के बाद घर लौटते आगरा के चार



यूट्यूबरों की सड़क हादसे में मौत हो गई। शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे-148 पर रायसर के पास उनकी कार का टायर फट गया। इससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरी। सूचना मिलते ही रायसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

अनंत सिंह को जेडीयू ने पार्टी से निकाला

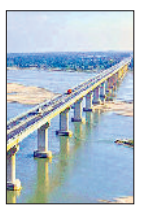
पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव में बागी तेवर वाले विधायक अनंत सिंह को जेडीयू से निकाल



दिया गया है। जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने अनंत सिंह को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया। उनकी पत्नी एवं पूर्व विधायक नीलम देवी को भी जेडीयू से बाहर किया गया है। साथ ही अनंत सिंह की विधानसभा सदस्यता खत्म करने के लिए पार्टी ने स्पीकर को भी पत्र लिखा है।

बोकारो में दामोदर नदी पर बनेगा 337 मी. लंबा पुल

धनबाद। झारखंड में बोकारो में दामोदर नदी पर 337 मीटर लंबे



हाईलेवल पुल बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। दांटू से कथारा जाने वाली सड़क के 16वें किलोमीटर में दामोदर नदी पर पुल का निर्माण किया जाएगा।

दीपोत्सव में रंगों और रील के जरिए दुनिया देखेगी 'नव्य अयोध्या'

चित्रकला व रील मेकिंग प्रतियोगिताओं में देशभर के कलाकार दिखा सकेंगे हुनर

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ

योगी सरकार दीपोत्सव-2026 में अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक वैभव और बदलते स्वरूप को रंगों व रचनात्मकता के जरिए दुनिया के सामने लाने की तैयारी कर रही है। यूपी पर्यटन विभाग की ओर से चित्रकला, रील मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

इनके माध्यम से देशभर के कला प्रेमी व रचनात्मक प्रतिभाएं रामनगरी की परंपराओं, प्रमुख स्थलों, विकास कार्यों व दीपोत्सव की भव्यता को अपने अंदाज में प्रस्तुत कर सकेंगे। दोनों प्रतियोगिताओं में सभी आयु वर्ग के कलाकार हिस्सा ले सकेंगे। प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि दो नवंबर निर्धारित की गई है। विजेताओं को दीपोत्सव में सीएम योगी की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी के नेतृत्व में अयोध्या भारत की आस्था, संस्कृति व गौरवशाली विरासत के प्रतीक रूप में स्थापित हुआ है।

> यूपी पर्यटन विभाग की ओर से चित्रकला, रील मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनके माध्यम से देशभर के कला प्रेमी व रचनात्मक प्रतिभाएं रामनगरी की परंपराओं, प्रमुख स्थलों, विकास कार्यों, दीपोत्सव की भव्यता को अपने अंदाज में प्रस्तुत कर सकेंगे...



फाइल फोटो

कला दिखाने का सशक्त मंच होगा

दीपोत्सव-2026 के अंतर्गत चित्रकला और रील मेकिंग प्रतियोगिता युवाओं व रचनात्मक प्रतिभाओं को अयोध्या के बदलते स्वरूप, विकास की गाथा और सनातन संस्कृति की भव्यता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का सशक्त मंच प्रदान करेगी।

30 से 60 सेकंड की रील में दिखाएं नव्य अयोध्या

रील मेकिंग प्रतियोगिता की थीम 'नए रूप में अयोध्या' है। इसमें प्रतिभागियों को 30 से 60 सेकंड की मौलिक रील बनानी होगी। वीडियो में अयोध्या के विकास, उसकी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और दीपोत्सव-2026 के भव्य आयोजनों की झलक होनी चाहिए। रील आकर्षक, स्पष्ट और सार्वजनिक प्रदर्शन के योग्य होना अनिवार्य होगा।

कैनवास पर उकेरे अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान

चित्रकला प्रतियोगिता की थीम 'कला के माध्यम से अयोध्या का उत्सव' रखी गई है। इसमें प्रतिभागियों को जलरंग माध्यम से मौलिक पेंटिंग तैयार करनी होगी। कलाकृति में अयोध्या की विरासत, सांस्कृतिक परंपराओं, ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों, विकास की नई तस्वीर या दीपोत्सव की भव्यता को दर्शाया जा सकता है। चित्र स्वयं तैयार किया गया हो और सार्वजनिक प्रदर्शन के अनुकूल होना चाहिए।

पहले से प्रकाशित, नकल अथवा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार कलाकृतियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। विषय से असंबंधित, भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री वाली प्रविष्टियां भी प्रतियोगिता से बाहर रहेंगी।

पेज एक का शेष

नौसेना की डीजल...

जिसका उद्देश्य समुद्री बल के प्रोटोकॉल के तहत सिस्टम के ऊर्जा उत्पादन व अन्य परीक्षण व्यापक रूप से किए जाएंगे। यह कवायद एआईपी सिस्टम को मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड (एमडीएल) को सौंपने से पहले पूरी की जाएगी। एमडीएल अगले वर्ष 2027 की शुरुआत में एआईपी सिस्टम को कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों में लगाएगा।

विदेश मंत्री ने ...

जनता के साथ पूरी दृढ़ता से खड़ा है। साथ ही आतंकवाद के सभी रूपों, अभिव्यक्तियों के खिलाफ लड़ाई में अपने समर्थन को लेकर प्रतिबद्धता की एक बार फिर से पुष्टि करता है।

आतंकी हमले में ...

35 अन्य घायल हो गए। स्थानीय सुरक्षा एजेंसियां फिलहाल मामले की जांच के जरिए घटना से जुड़े वास्तविक कारणों का पता लगाने में लगी हुई हैं। वहीं, यहां एक अहम बात यह भी है कि कराक में ईसाई लोग अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में रहते हैं। लेकिन जॉर्डन की एजेंसियों ने इस तथ्य की पुष्टि नहीं की है कि हमले में मारे गए लोग किस समुदाय के हैं या हमलावर का संबंध किससे है?

टाइगर श्रॉफ ...

एडीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक, मुंबई में हुई फायरिंग की घटना में संदिग्ध भूमिका को लेकर मुंबई क्राइम ब्रांच ने इंदौर पुलिस से संपर्क किया था। इनपुट के आधार पर इंदौर में उसकी मौजूदगी का पता लगाकर कार्रवाई की गई।

लॉरेंस गैंग से ...

करते हुए वारदात की जिम्मेदारी ली थी। हालांकि, प्रांजल ठाकरान के इस गैंग से जुड़े होने की अभी पुष्टि नहीं हुई है। जांच एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि उसने अन्य आरोपियों को किसी तरह की मदद दी थी या नहीं।

रक्षा सचिव को...

आदेश के मुताबिक, समिति ने वर्ष 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी राजेश कुमार सिंह को बतौर रक्षा सचिव के रूप में एक वर्ष के कार्य विस्तार को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। जिसके तहत अब वह अगले वर्ष 31 अक्टूबर को या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो सेवा देंगे। वर्तमान में उनकी कार्य अवधि 31 अक्टूबर 2026 को समाप्त होने वाली थी।

1 नवंबर 2024 को संभाला कार्यभार: गौरतलब है कि रक्षा सचिव ने पहले 1 नवंबर 2024 को रक्षा मंत्रालय में रक्षा सचिव के रूप में अपना कार्यभार संभाला था। इसके पूर्व में 20 अगस्त 2024 को उन्होंने मंत्रालय में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाली थी। 24 अप्रैल 2023 से 20 अगस्त 2024 तक सिंह केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग-आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव का कार्यभार संभाल रहे थे। जबकि इससे पहले उन्होंने केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी विभाग में भी सचिव के पद पर कार्य किया। इसके अलावा केंद्र, राज्यों के स्तर पर भी उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं।

सिंह के पास डीआरडीओ का अतिरिक्त प्रभार: यहां एक जरूरी तथ्य यह भी है कि वर्तमान में राजेश कुमार सिंह रक्षा सचिव के अलावा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष की अतिरिक्त जिम्मेदार भी संभाल रहे हैं। जो उन्हें 31 मई 2026 को सेवानिवृत्त हुए संगठन के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ.समीर वी कामत की जगह पर सौंपी गई थी। जिन्हें सरकार ने 2022 में हुई नियुक्ति के बाद से दो बार एक-एक वर्ष का कार्य विस्तार दिया था। एसीसी ने अपने आदेश में हालांकि इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है।

वायु गुणवत्ता...

के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की गई। साथ ही, पराली जलाने की घटनाओं को और अधिक नियंत्रित करने और पूरी तरह खत्म करने पर भी जोर दिया गया। सीएक्यूएम के अध्यक्ष राजेश वर्मा के नेतृत्व में यह बैठक हुई। टीम ने दोनों जिलों में धान की पराली के यथास्थान (खेत में ही) और स्थान के बाहर (खेत के बाहर) प्रबंधन, तथा इसके लिए उपलब्ध सुविधाओं और अवसंरचना की समीक्षा की। आग लगने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए दोनों जिलों द्वारा की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। टीम ने आग लगने की घटनाओं में हुई बढ़ोतरी पर चिंता जताई और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे भविष्य में इन घटनाओं को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करें।

पराली का ईंधन के रूप में अधिकतम उपयोग पर जोर: आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि ताप विद्युत संयंत्र, ईंट-भट्ठों और ऐसे उद्योगों में, जहां ईंधन के रूप में धान की पराली का इस्तेमाल संभव है, वहां इसका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। आयोग ने आगे निर्देश दिया कि अलग-अलग क्षेत्रों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं। इन अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वे संबंधित क्षेत्रों/उद्योगों में धान की पराली का वास्तविक उपयोग सुनिश्चित करें, और नियमित रूप से इसकी निगरानी करके अनुपालन रिपोर्ट दें।

किसानों को करें जागरूक: आयोग ने जमीनी स्तर पर समय रहते हस्तक्षेप करने के महत्व पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे गांवों और किसानों के पास नियमित रूप से जाएं। उन्हें न केवल पराली प्रबंधन सुविधाओं की उपलब्धता के बारे में बताएं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करें कि जरूरी मशीनरी और सुविधाएं किसानों तक समय पर पहुंच रही हैं। जिला प्रशासन से कहा गया है कि वे किसानों, किराये पर उपकरण लेने के केंद्र (सीएचसी), मशीनरी उपलब्ध कराने वालों और अन्य संबंधित पक्षों के बीच तालमेल को मजबूत करें, ताकि किसान बिना किसी देरी के अवशेष प्रबंधन के समाधानों का लाभ उठा सकें।

सुविधाओं का किया निरीक्षण: इस दौरे के दौरान, उच्च-स्तरीय टीम ने अमृतसर में उन सुविधाओं का भी निरीक्षण किया, जहां धान की पराली का इस्तेमाल ईंधन के रूप में किया जा रहा है। टीम ने अमृतसर के एक औद्योगिक परिसर में लगे औद्योगिक भट्ठी (इंडस्ट्रियल बॉयलर) का दौरा किया, जहां धान की पराली से बने छर्रों (पैलेट्स) का इस्तेमाल ईंधन के तौर पर किया जा रहा है। इस दौरे से धान के अवशेषों के व्यावहारिक उपयोग और ऐसे उपयोगी मॉडलों को बड़े पैमाने पर लागू करने की संभावनाओं को समझने का मौका मिला।

श्री महाकालेश्वर ...

मार्गदर्शन में यह पूरा विकास कार्य उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए महाकाल मंदिर के शिखर पर मचान भी बना दिया गया है। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार इस पूरे जीर्णोद्धार कार्य को आगामी महाशिवरात्रि से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सीबीआरआई की विशेषज्ञ टीम हर महीने में दो बार इस कार्य की मॉनिटरिंग करने के लिए उज्जैन आएगी।

हरियाणा : स्टैडिंग...

कुरुक्षेत्र क्लस्टर के प्रोजेक्ट को भी मंजूरी दी।

हरियाणा के 12 क्लस्टरों के लिए 2,892 करोड़ रूपये का अनुमानित खाका: हरियाणा राज्य में इस योजना के अंतर्गत लगभग 60 सरकारी आईटीआई को कवर करने वाले 12 क्लस्टर तैयार करने की योजना है। इस पर कुल अनुमानित खर्च 2,892 करोड़ रूपये होगा, जिसमें राज्य सरकार की हिस्सेदारी लगभग 954 करोड़ रूपये निर्धारित की गई है। वर्तमान में राज्य के 7 क्लस्टरों की पहचान हो चुकी है। कुरुक्षेत्र क्लस्टर की रणनीतिक निवेश योजना को राष्ट्रीय संचालन समिति द्वारा मंजूरी मिल चुकी है, जबकि कलायत क्लस्टर की योजना जनवरी 2027 के बाद होगी। इसके अतिरिक्त पलवल, सोनीपत और छारा क्लस्टरों के लिए आरएफपी जारी कर दी गई है, वहीं पानीपत और रेवाड़ी के लिए दिसंबर में आरएफपी जारी की जाएगी। शेष क्लस्टरों की अंतिम स्वीकृति के बाद उनके लिए अलग से बजट प्रावधान किया जाएगा।

हब-एंड-स्पोक ...

एसपीवी के बोर्ड में उद्योग, केंद्र सरकार, राज्य सरकार और आईटीआई नेतृत्व के प्रतिनिधि शामिल होंगे, जिसकी अध्यक्षता उद्योग प्रतिनिधि करेंगे।

जुलाई से आ ...

किया था, जिसके वीडियो को बाद में हालांकि हटा लिया गया था। उधर, जुलाई के दौरान केंद्र सरकार ने मामले पर त्वरित आधार पर प्रतिक्रिया देते हुए दोनों सेनाओं के बीच ऐसी कोई झड़प या तनाव की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया था। घटना के लगभग दो महीने के बाद सितंबर में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत की अध्यक्षता में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेने के लिए नई दिल्ली की यात्रा की थी। जो कि दोनों देशों के बीच एलएसी पर हालात के सामान्य होने की गवाही देने के लिए पर्याप्त थी।

2020 के विवाद ...

के दो दर्जन से अधिक सैनिक मारे गए थे। जवाब में भारत, चीन ने इलाके में एलएसी के दोनों तरफ भारी भरकम हथियारों के साथ सैन्य तैनाती काफी बढ़ा दी थी। समस्या का समाधान निकालने के लिए हालांकि दोनों ओर सैन्य, कूटनीतिक और राजनीतिक स्तर की बैठकें जारी रहीं। लेकिन 2024 में रूस के कजान शहर में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक के बाद यह विवाद पूरी तरह से समाप्त हुआ। वर्तमान में दोनों सेनाएं एलएसी पर सैन्य गश्त को एक बार फिर से अप्रैल 2020 की स्थिति में लाने के लिए जरूरी रूपरेखा तैयार करने में लगी हुई हैं।

हरियाणा सरकार

हर किसान की जिम्मेदारी
पराली को खेत में
आग न लगायें इस बारे में
दूसरे किसानों को भी जागरूक करें

प्रदूषण हटाओ
जीवन बचाओ

आप क्या चाहेंगे?
अच्छा स्वास्थ्य या रोगी जीवन?
निर्णय आपका!



आओ! हम एक संकल्प लें
अपना फर्ज निभायें
पर्यावरण बचायें
खुद को और
नई पीढ़ी को
सुरक्षित व
स्वस्थ बनायें

वायु प्रदूषण से सांस, फेफड़ों से सम्बंधित बीमारियां तो होती ही हैं, सामान्य स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है जीवन प्रत्याशा में कमी व असमय मृत्यु भी हो सकती है

खेतों में आग लगाने से हवा में प्रदूषण के छोटे-छोटे कणों से पी.एम. 2.5 का स्तर अत्यधिक बढ़ जाता है। इससे सिरदर्द एवं सांस लेने में तकलीफ होती है। अस्थमा और कैंसर जैसी बीमारियां भी हो रही हैं।

प्रभाव
- पराली को जलाने से वायु प्रदूषण होता है
- मिट्टी की जैविक गुणवत्ता प्रभावित होती है
- मिट्टी में मौजूद कई उपयोगी बैक्टीरिया व कीट नष्ट हो जाते हैं

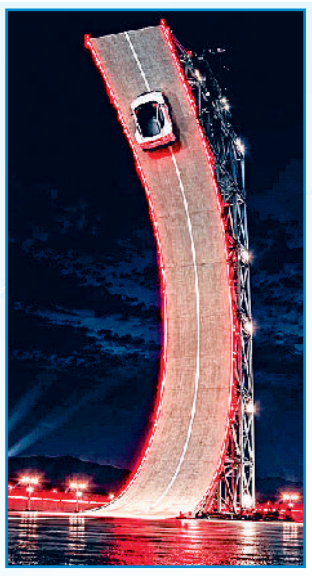
उपाय
- राष्ट्रीय कृषि नीति का पालन करें
- पराली को जलाने के बजाए इससे जैविक खाद बनायें
- इसका उपयोग बायोमास एनर्जी, छप्पर बनाने तथा मशरूम की खेती आदि करने में करें
- बेल्स बनाकर उद्योगों और पैलेट / ब्रिकेट्स बनाने वाली कंपनियों को बेचें

सावधान! यदि कोई किसान / व्यक्ति खेतों में पराली जलाता है, तो उसके खिलाफ कानूनन उचित कार्रवाई की जाएगी

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,
सी-11, सैक्टर-6, पंचकूला,
हरियाणा 134109

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 25 अक्टूबर 2026

इन दिनों हर तरफ एलन मस्क की टेस्ला रोडस्टर कार को लेकर रॉकेट तकनीक और उड़ने की क्षमताओं से जुड़ी चर्चाएं हो रही हैं। रोडस्टर की प्रस्तावित उत्पादन समय सीमा 2028 बताई गई है। उड़ती हुई कारें निश्चित रूप से भविष्य के परिवहन का एक हिस्सा बन सकती हैं। लेकिन अभी इसे हकीकत बनने में कई सवालों और चुनौतियों का सामना करना होगा।





क्या सच होने वाला है उड़ती कार का सपना !

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

उड़ती हुई कारों का सपना अब केवल विज्ञान कथाओं, हॉलीवुड फिल्मों और भविष्य की कल्पनाओं तक सीमित नहीं है। गुजरे 15 अक्टूबर 2026 को टेक्सास में टेस्ला की ऐसी ही उड़न कार नई रोडस्टर के प्रदर्शन ने इस अनुमान को और मजबूत किया है। एलन मस्क की टेस्ला के अलावा भी दुनिया की कई कंपनियां ऐसी कारों के विकास में काफी हद तक सफल हो चुकी हैं या इसके नजदीक पहुंच चुकी हैं, जो सड़क पर कार की तरह चलने के बजाय हवा में उड़ सकेंगी। कहीं इन्हें फ्लाइंग कार कहा जा रहा है, कहीं इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग यानी ईवीटीओएल और कहीं एयर टैक्सी। लेकिन एक बुनियादी सवाल अब भी रह-रहकर जेहन में आ रहा है कि क्या हम सचमुच उड़ती हुई कारों के युग की दहलीज पर खड़े हैं या तकनीक की चमक ने भविष्य की तस्वीर को वास्तविकता से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है? इस बात को समझना होगा कि सड़क पर चलने वाली कार, रॉकेट से जुड़ा प्रदर्शन और यात्रियों को लेकर उड़ने वाला प्रमाणित विमान- तीनों अलग-अलग चीजें हैं। भविष्य की परिवहन क्रांति को समझने के लिए इस अंतर को ध्यान में रखना जरूरी है।



कई देशों में बन रही ईवीटीओएल



नीदरलैंड में निर्मित पाल-वी लिबर्टी कार

आसान नहीं सपने का सच होना

बीते 15 अक्टूबर 2026 को एलन मस्क ने स्पेसएक्स की तकनीक से जुड़े थ्रस्टरों की मदद से अमेरिका के टेक्सास में अपनी बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित टेस्ला की नई रोडस्टर कार को एक घुमावदार रैंप से हवा में उछलते, पलटते और जमीन पर उतरते दिखाया और अपनी सपनीली उड़न कार को लेकर असाधारण दावे भी किए हैं। इसके बाद से उड़न कार की चर्चाएं एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। लेकिन उड़ान के जानकारों के मुताबिक इस प्रदर्शन को सामान्य अर्थों में उड़ने वाली कार का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कुछ क्षण हवा में उछलना और नियंत्रित उड़ान भरकर यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना बिल्कुल अलग बात है। हालांकि इस घटना का महत्व फिर भी कम नहीं है। इसने एक बार फिर दिखाया कि सड़क परिवहन और एयरोस्पेस तकनीक के बीच की दूरी घटाने की महत्वाकांक्षा कितनी बड़ी हो चुकी है। मगर भविष्य की असली परीक्षा रोमांचक प्रदर्शन नहीं बल्कि सुरक्षा, उपयोगिता, लागत और नियामकीय मंजूरी होगी। साथ ही इसकी जोर-शोर से हो रही तैयारियों के बीच यह सवाल भी वाजिब है कि क्या हर कार को उड़ने की जरूरत होगी?

वास्तविकता को समझना होगा

फ्लाइंग कार से जुड़े सवालों का जवाब समझने के लिए पहले इसकी दो अलग अवधारणाओं को समझना होगा। पहली यह कि ऐसी कार, जो सड़क पर भी चल सके और जरूरत पड़ने पर उड़ भी सके। दूसरी है इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी, जो सड़क पर चलने वाली कार नहीं बल्कि छोटी उड़ने वाली कार या मशीन है। इसे ही आमतौर पर ईवीटीओएल कहा जाता है यानी टैक्सी के रूप में एक विमान, जो बिजली से उड़ता हो और हेलीकॉप्टर की तरह सीधे ऊपर उठ सके और नीचे उतर सकता हो।

यह दूसरी अवधारणा फिलहाल ज्यादा व्यावहारिक दिखाई देती है। शहरों के बीच हर व्यक्ति की निजी उड़ने वाली कार की तुलना में हवाई अड्डे से शहर के केंद्र तक तेज परिवहन, महानगरों में सीमित दूरी की हवाई टैक्सी और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले उपयोगी साबित हो सकती हैं। इससे जमीन पर मौजूद सड़क नेटवर्क को हटाने के बजाय उसके ऊपर एक नया परिवहन विकल्प तैयार होगा। हमें यह समझना होगा कि महानगरों में यातायात की समस्या केवल सड़कों की कमी नहीं है। आबादी का घनत्व, गलत शहरी नियोजन, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन की अपर्याप्तता और यात्रा की बढ़ती मांग भी इसके कारण हैं। ऐसे में उड़ती हुई कारों को हर समस्या का समाधान मानना जल्दबाजी होगी। कल्पना करें दिल्ली, मुंबई या बंगलुरु में हजारों निजी उड़ने वाली कारें एक साथ आसमान में उतर आएं, तब सवाल होगा कि उन्हें उड़ने की अनुमति कौन देगा, उनके लिए हवाई गलियारे कैसे निर्धारित होंगे, दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी और वे कहां उतरेंगी? यदि हर इमारत की छत पर लैंडिंग की व्यवस्था करनी पड़े, तो शहरी ढांचे को पूरी तरह बदलना होगा। इसके अलावा, बैटरी की क्षमता, उड़ान की दूरी, मौसम का प्रभाव, शोर, रखरखाव और यात्रियों की सुरक्षा भी बड़ी चुनौतियां हैं। कम दूरी की इलेक्ट्रिक उड़ान संभव बनाने वाली तकनीक अपने आप में यह गारंटी नहीं देती कि वह हर मौसम में सुरक्षित और किफायती सेवा दे सकेगी।



अमरिका में बनी जॉबी एविएशन का एस4

खत्म नहीं होंगे पारंपरिक वाहन

उड़न कारों के बारे में सोचते हुए एक यह सवाल भी जेहन में आता है कि क्या उड़ने वाली कारों के आने के बाद रेल, मेट्रो, बसें और सामान्य कारें अप्रासंगिक हो जाएंगी? इसकी संभावना बिल्कुल नहीं है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि परिवहन के इतिहास में नए साधन पुराने साधनों को पूरी तरह समाप्त नहीं करते बल्कि उनकी भूमिका बदलते हैं। विमान आने के बाद रेल खत्म नहीं हुई, मेट्रो के विस्तार से बसों की जरूरत समाप्त नहीं हुई। उसी तरह उड़ने वाली कारें भी पहले उन यात्राओं में जगह बना सकती हैं, जहां समय की कीमत अधिक है और यात्रियों की संख्या सीमित है। मेट्रो और रेल बड़ी संख्या में यात्रियों को कम ऊर्जा और कम जगह में ले जाने में सक्षम हैं। बसें स्थानीय संपर्क प्रदान करती हैं, जबकि निजी कारें घर से गंतव्य तक लचीली यात्रा का विकल्प देती हैं।

भविष्य में ऐसा हो सकता है

एक यात्री घर से इलेक्ट्रिक कार में मेट्रो स्टेशन तक पहुंचे, लंबी दूरी ट्रेन से तय करें और अंतिम चरण में हवाई टैक्सी का इस्तेमाल करे, ऐसी एकीकृत व्यवस्था अधिक यथार्थवादी है। इस तरह उड़ती हुई कारों का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होगा कि कोई वाहन हवा में उठ सकता है या नहीं। असली प्रश्न यह होगा कि क्या वह आम आदमी की जरूरतों के अनुकूल सुरक्षित, विश्वसनीय, किफायती और पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर विकल्प बन सकता है। हालांकि, उस भविष्य में सबसे महत्वपूर्ण वाहन शायद वह नहीं होगा जो सबसे ऊंचा उड़ता है बल्कि वह होगा जो लोगों को सबसे सुरक्षित, सुलभ और कम खर्च में उनकी मंजिल तक पहुंचाता है। *



कई देशों में हो रहे प्रयास

भले आज अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन और नीदरलैंड सहित कई देशों में अलग-अलग तरह के उड़ने वाले वाहन विकसित हो रहे हों। अमेरिका में जॉबी एविएशन का एस4 और आर्चर एविएशन का मिडनाइट जैसे विमान हवाई टैक्सी के लिए तैयार किए जा रहे हैं। चीन की ईहैंग अपने ईएच216-एस जैसे बिना पायलट वाले यात्री विमान के कारण उल्लेखनीय बढ़त रखती है। जापान की स्काईड्राइव और चीन की एक्सपेंग एरॉएचटी सड़क और आसमान के बीच संबंध बनाने वाली अलग अवधारणाओं पर काम कर रही हैं। मगर यहां एक महत्वपूर्ण अंतर है। तकनीकी प्रोटोटाइप उड़ाना, विमान का नियामकीय प्रमाणन प्राप्त करना और नियमित व्यावसायिक यात्री सेवा शुरू करना तीन अलग-अलग पड़ाव हैं। चीन का ईएच216-एस प्रमाणन और सीमित सेवाओं के मामले में आगे है, जबकि अमेरिका में जॉबी जैसे खिलाड़ी पायलट वाले विमानों के प्रमाणन की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए किसी एक देश को सभी तरह की उड़ने वाली कारों का निर्विवाद विजेता कहना अभी सही नहीं होगा।

अब रोबोट करेंगे सर्जरी !

अभी तक इंसानी डॉक्टर की मदद से रोबोटिक सर्जरी हुआ करती थी। लेकिन अब इंसानी डॉक्टर से दूर रहकर रोबोटिक सर्जरी को अंजाम देने की दिशा में कदम आगे बढ़ गए हैं। यह देखना दिलचस्प होगा, आने वाले समय में मेडिकल साइंस में रोबोट की भूमिका और कितनी बढ़ती है?



{ टेक्नोट्रीटमेंट / वीरेंद्र बहादुर सिंह }

मेडिकल क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। आज भारत में भी घुटने और कूल्हे के जॉइंट रिप्लेसमेंट से लेकर कई तरह की छोटी-बड़ी सर्जरी रोबोटिक तकनीक की मदद से की जाने लगी हैं। हालांकि इन ऑपरेशनों में रोबोट अपने आप सर्जरी नहीं करता। अनुभवी और कुशल डॉक्टर ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रहते हैं और रोबोटिक उपकरणों की मदद से पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। लेकिन अमेरिका में हाल ही में हुए एक प्रयोग ने भविष्य की मेडिकल सर्जरी की संभावनाओं को एक कदम और आगे बढ़ा दिया है।

दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने की सर्जरी: अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एक ऐसा प्रयोग किया गया, जिसमें दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने एक जीवित मरीज पर सर्जरी की। इस दौरान गॉल-ब्लैडर यानी पित्ताशय को शरीर से अलग किया गया। ऑपरेशन में चीरा लगाना, लिवर से पित्ताशय को अलग करना और अंत में टांके लगाने जैसी प्रक्रियाएं रोबोट ने पूरी कीं।

यह दावा सुनने में बेहद रोमांचक है कि रोबोट ने स्वयं ऑपरेशन कर दिया, लेकिन इस प्रयोग की वास्तविकता को समझना जरूरी है। पहली बात यह कि मरीज इंसान नहीं, बल्कि एक पशु था। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि प्रशिक्षित मानव डॉक्टर पूरी प्रक्रिया के दौरान मौजूद थे। वे ऑपरेशन थिएटर से दूर बैठकर टेली ऑपरेशन तकनीक के माध्यम से रोबोट को नियंत्रित कर रहे थे। फिर भी मेडिकल साइंस के लिए यह प्रयोग बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या भविष्य में ह्यूमनॉइड रोबोट डॉक्टर की प्रत्यक्ष मौजूदगी के बिना भी जटिल सर्जरी कर सकते हैं?

नॉर्मल रोबोट ने किया ऑपरेशन: इस प्रयोग की एक और खासियत थी। इसके लिए कोई विशेष सर्जिकल रोबोट तैयार नहीं किया गया था। इसके बजाय दो नॉर्मल ह्यूमनॉइड रोबोट का इस्तेमाल किया गया। इन रोबोट में कई तरह के जोड़ थे और उनके हाथों में अंगूठे तथा अंगुलियों जैसी कार्यक्षमता थी। इसलिए वे अपने हाथों में अलग-अलग सर्जिकल उपकरण पकड़कर उनका इस्तेमाल कर सकते थे। इनमें श्रीडी लाइडार और डेप्थ कैमरा जैसी तकनीक भी लगी थी। इससे रोबोट अपने सामने मौजूद वस्तुओं की स्थिति और गहराई को समझ सकते थे। यही क्षमता सर्जरी जैसे अत्यंत संवेदनशील काम में महत्वपूर्ण हो जाती है। यह प्रयोग इस बात का संकेत है कि भविष्य की सर्जरी में केवल रोबोटिक मशीनें ही नहीं, बल्कि एआई, कंप्यूटर विजन और रोबोटिक्स का संयुक्त इस्तेमाल निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

भारत में हो चुका है ऐसा प्रयोग: रोबोटिक सर्जरी की यह कहानी भारत के लिए पूरी तरह नई नहीं है। करीब आठ वर्ष पहले गुजरात में ऐसा प्रयोग हो चुका है, जिसमें डॉक्टर ने मरीज से कई किलोमीटर दूर बैठकर टेलीरोबोटिक तकनीक से सफलतापूर्वक हृदय की सर्जिकल प्रक्रिया की थी।

पद्मश्री से सम्मानित हृदय रोग विशेषज्ञ डा. तेजस पटेल ने 2018 में अहमदाबाद स्थित अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज के हृदय की प्रक्रिया को दूर बैठकर नियंत्रित किया था। उस समय डॉक्टर स्वयं अस्पताल से लगभग 30-32 किलोमीटर दूर गांधीनगर में थे। मरीज को कुछ दिन पहले ही हृदयाघात हुआ था। इसके बावजूद उसने दुनिया में इस तरह की पहली प्रक्रियाओं में से एक के लिए सहमति दी। यह प्रयोग इसलिए ऐतिहासिक था क्योंकि डॉक्टर और मरीज के बीच कई किलोमीटर की दूरी होने के बावजूद रोबोटिक सिस्टम और हाईस्पीड इंटरनेट की मदद से डॉक्टर मरीज की प्रक्रिया को नियंत्रित कर सके।



कैसे होती है टेलीरोबोटिक सर्जरी: इस तरह की रोबोटिक प्रणाली मुख्य रूप से तीन हिस्सों में काम करती है। पहला हिस्सा अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रोबोटिक आर्म होता है, जो कैथलैब जैसी व्यवस्था के साथ जुड़ा रहता है और मरीज के शरीर में वास्तविक प्रक्रिया करता है। दूसरे हिस्से में एक बदली जा सकने वाली कैसेट होती है। इसमें प्रक्रिया के लिए जरूरी क्लिनिकल सामग्री और उपकरण व्यवस्थित रहते हैं। तीसरा हिस्सा डॉक्टर के लिए बनी कॉकपिट जैसी व्यवस्था होती है। डॉक्टर इसमें बैठकर गेमिंग के जॉयस्टिक जैसे नियंत्रण उपकरणों की मदद से रोबोटिक आर्म को संचालित करता है।

सबसे खास बात यह है कि यह कॉकपिट, ऑपरेशन थिएटर से काफी दूर भी हो सकती है।

सवाल भी है बरकरार: रोबोटिक सर्जरी को लेकर अकसर यह सवाल उठता है कि क्या भविष्य में रोबोट, डॉक्टरों की जगह ले लेंगे? फिलहाल ऐसा कहना जल्दबाजी होगी। सर्जरी केवल हाथों की सटीक गतिविधियों का नाम नहीं है। मरीज की स्थिति को समझना, अचानक पैदा होने वाली जटिलताओं का आकलन करना, निर्णय लेना और किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में तुरंत रणनीति बदलना, इन सबमें मानवीय विशेषज्ञता महत्वपूर्ण है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही दिलचस्प है। अगर एआई रोबोट को देखने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता में लगातार बेहतर बनाता है और रोबोटिक तकनीक हाथों की अत्यंत सूक्ष्म गतिविधियों को अधिक सटीक बनाती है, तो डॉक्टर और रोबोट का यह गठजोड़ चिकित्सा क्षेत्र को पूरी तरह बदल सकता है। *



{ दोहे / केदार शर्मा }

पूर्ण चंद्रमा शरद का

दीप्त रजत-सी ओढ़नी, उजली पाखी रात।
पूर्ण चंद्र से शरद ऋतु, हंस-हंस करती बात।।
चटक चमक चक चांदनी, चंचल चित चकोर।
होले-होले हवा हंस, हुलराती हर ओर।।
षोडस अंशों युक्त है, मादकमय मुस्कान।
सम्मोहनमय मौन में, डूबा सकल जहान।।
कानन उपवन दमकते, नहा चांदनी संग।
नदी सरोवर बदलते, धवल वसन सम रंग।।
क्षीरसिंधु सुत क्षीर-सा, शीतलता सब ओर।
मंद-मंद मुस्कान में, मिला मधुर मन-मोर।।
पूर्ण चंद्रमा शरद का, बदले सब हालात।
कुदरत जैसे बांटती, कोई नई सौगात।।
पर्वों की आहट हुई, सर्दी की पदचाप।
उधर गुलाबी ठंड भी, बदन रही है नाप।।
बदली-बदली सी फिजां, बदल रहे हालात।
दिन की घड़ियां भी घटीं, और फैलती रात।।



{ पुस्तक अंश / सूर्यबाला }

कई प्रतिष्ठित सम्मानों से विभूषित वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यबाला की आत्मकथात्मक संस्मरणों की पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' हाल में प्रकाशित होकर आई है। अपनी स्मृति की वीथियों से गुजरते हुए उन्होंने बहुत साधारण सी लगने वाली घटनाओं में व्याप्त असाधारण सौंदर्य और विमर्श को व्यक्त किया है। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रस्तुत है, इसी पुस्तक का एक संपादित अंश।

युवती वधुओं से एक गुहार

मनोविज्ञान कभी मेरा विषय नहीं रहा लेकिन मेरी 'मेरा विद्रोह', 'सुनंदा छोकरी की डायरी', 'सांझवाती' और 'निर्वासित' जैसी कहानियां पढ़कर लोग अकसर प्रश्न करते हैं, 'आप बच्चों और बूढ़ों के मनों को कैसे इतनी बारीकी से पढ़ पाती हैं?...तो मैं ही नहीं शायद हर रचनाकार जन्मजात मनोविज्ञानी होता है। यह मनोविज्ञान लेखन ही नहीं, जीवन में भी आई परिस्थितियों और चरित्रों से निर्वाह कर ले जाने की तरकीबें निकाल सकता है। मैंने इसी की मदद से श्वसुरालय के ग्राम्यांचल से जुड़े लोगों की मन, प्रकृति और समझ बांच ली थी। ये बेशक पुरानी और रीति-रिवाजों की लकीर पीटने वाले गलत परंपराओं, अंधविश्वासों को भी सही समझने वाले लोग हैं लेकिन मन के कुटिल नहीं। ये ऊपर से अड़ियल हैं, रूढ़ परंपराओं से अलग होने का उनमें भय व्यापता हैं, और वे असुरक्षित महसूस करते हैं लेकिन अंदर से सीधे, भोले और अपनेपन की अकूत मिल्कियत के मालिक हैं। उन्होंने जीवन में सदा अपना-पराया, तेरा-मेरा अलगा-गुजारी और थोड़ी-थोड़ी चीजों पर लड़ना, अड़ना ही देखा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ अपने पतियों को भड़काती स्त्रियां, प्रायः हर विवाहित पुत्र, रात-दिन मां से पत्नी के विरुद्ध और पत्नी से उसकी मां के खिलाफ शिकायतों की अनवरत और अंधाधुंध कलह कोलाहल भरी शिकायतें सुनते-सुनते खब्त हो गया होता है। मुझे लेकर भी इस मां की, इस परिवार की कुछ वैसी ही रूढ़ धारणाएं बनी होंगी उसे संभालने में, उनकी धारणा बदलने में समय तो लगना ही था।

विश्व की प्रकृति प्रदत्त दुर्भाग्यपूर्ण विडंबनाओं में एक है, सास-बहू की परस्पर तनातनी वास्तव में यह एक ही 'पुरुष' पर



कहां हो पाता है। न हमारी युवती वधुओं में! न परिपक्ववय वाली मां में ही प्रायः खलनायिकत्व अपनाने से बाज न आती वधुरानी को भी सीधे-सीधे, संपूर्ण प्रभुत्व, पर्याप्त स्पेस और स्वछंद स्वतंत्रता चाहिए होती है। तो लुटी-पिटी, हारी-खिसियानी हजार पूर्वाग्रहों से ग्रस्त, मां जो तमाम गलत धारणाओं की शिकार पहले से ही होती हैं, उनकी धारणा का रंग पक्का होता जाता है। मैंने इन्हीं दो गहरी खाइयों के बीच सेतुबंध का एक प्रयोग सा किया था जो सफल रहा और पूरे कुटुंब में तीन पीढ़ियों तक जीवन और संबंधों की समरसता कायम रही। सच तो यह है कि परिवार और रिश्तों से जुड़ी स्थितियों को सिर्फ 'घरेलू' मानकर न मुंह बिचकाया जा सकता है, न उन्हें टरकाया जा सकता है। थोड़े-बहुत उलटफेर के साथ कॉर्पोरेट और कारोबारी संस्थानों में जटिल रिलेशनशिप को साधने में काम आने वाली तरकीबों और फॉर्मूलों से ही इस मसले को भी हल किया जा सकता है। शर्त सिर्फ एक, इसे घरेलू समझ कर हल्के से न लिया जाए। *

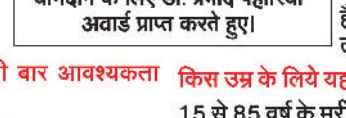
(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' से साभार)

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-



केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

स्टेनोसिस, स्पॉन्डि-लाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है ?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के बाद पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लाट फैलियर जैसे कॉम्पिलकेशन इसमें नही है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC©

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466

मरने वालों में भाजपा पार्षद, क्लीनिक संचालक शामिल

शराब सेवन के बाद दो लोगों की मौत जहरीला पदार्थ मिले होने आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ में शराब सेवन के बाद दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतकों की पहचान भाजपा पार्षद रामखिलावन जांगड़े और निजी क्लिनिक संचालक जोहितराम खरे के रूप में हुई है। दोनों की शराब पीने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें उपचार के लिए बिलासपुर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शराब में जहरीले पदार्थ की मौजूदगी की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत की वास्तविक वजह जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी।



अचानक तबीयत बिगड़ी, सांस लेने में हुई तकलीफ

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर शाम भाजपा पार्षद रामखिलावन जांगड़े अपने तीन साथियों के साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान रामखिलावन जांगड़े और जोहितराम खरे की तबीयत अचानक बिगड़ गई।

सिम्स और अपोलो अस्पताल में कराया थी भर्ती

दोनों को सांस लेने में परेशानी होने लगी, जिसके बाद उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पामगढ़ ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बिलासपुर रेफर कर दिया गया। रामखिलावन जांगड़े को बिलासपुर के सिम्स अस्पताल और जोहितराम खरे को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा सुरक्षित रखकर जांच कराए जाने की जानकारी सामने आई है।

शराब पीते वक्त मौजूद साथियों की पुलिस को तलाश

पुलिस के अनुसार, दोनों मृतकों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ देशी शराब का सेवन किया था। शराब पीने के बाद घर पहुंचने पर दोनों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। शराब सेवन के दौरान मौजूद दोनों अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। उनसे पूछताछ के जरिए घटना से जुड़ी जानकारी जुटाने का प्रयास किया जाएगा।

बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज का वार्षिकोत्सव

मां रणेश्वर रामचंडी के दर्शन करने पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, की पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद



छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महासमुंद जिले के बसना विकासखंड पहुंचे। वे ग्राम गढ़फुलझर में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल हुए। यह कार्यक्रम बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज द्वारा आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं बंधु मिलन था।

सीएम ने गढ़फुलझर स्थित रामचंडी मंदिर का दौरा किया। वे मां रणेश्वर रामचंडी के दर्शन करने पहुंचे। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रदेश की निरंतर प्रगति के लिए भी विशेष प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के मंगलमय जीवन की कामना करते हुए आशीर्वाद मांगा। कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति इस अवसर पर कई प्रमुख नेता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मप्र सेमीकंडक्टर समिट-2026 : सेमीकंडक्टर समिट से मप्र को मिली बड़ी सौगात

5,800 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त 10 हजार से अधिक रोजगार होंगे सृजित

- सीएम ने किया दो दिनी मप्र सेमीकंडक्टर समिट 2026 का शुभारंभ
- मुख्यमंत्री ने 12 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ की वन-टू-वन बैठक
- मप्र को देश का प्रमुख सेमीकंडक्टर एवं तकनीकी केंद्र बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध
- ढाई वर्ष में 25 से अधिक नीतियां बनाकर निवेश और औद्योगिक विकास की नई संभावनाओं के खोले द्वार
- जीआईएस के 30 प्रतिशत से अधिक निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र सेमीकंडक्टर समिट-2026 के माध्यम से प्रदेश में लगभग 5 हजार 800 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनसे 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

समिट में एक हजार से अधिक प्रतिनिधियों और जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान एवं स्वीडन के प्रतिनिधिमंडलों की सहभागिता प्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक रुचि को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मप्र सेमीकंडक्टर समिट-2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दो दिवसीय समिट में 8 पैनल चर्चाएं, 5 राउंडटेबल और 6 की-नोट उद्बोधन आयोजित किए जा रहे हैं। समिट में मप्र सेमीकंडक्टर नीति-2026 पर हितधारक चर्चा और एमपी सेमीकॉन स्टार्टअप चैलेंज भी आयोजित किया जा रहा है।



मप्र सेमीकंडक्टर समिट-2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

निवेश एवं औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग प्रतिनिधियों को आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में सहभागिता के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि मप्र में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश एवं औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने निवेशकों से प्रदेश के साथ साझेदारी को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि उद्योग जगत और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से मप्र के औद्योगिक एवं तकनीकी विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने की प्रमुख घोषणाएं

- सेमीकंडक्टर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना- प्रदेश में सेमीकंडक्टर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। इसके माध्यम से चिप डिजाइन, वीएलएसआई, नवाचार, अनुसंधान एवं विकास, प्रोटोटाइपिंग तथा कौशल विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।
- फोटोनिक्स एवं क्वांटम टेक्नोलॉजीज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस- प्रदेश में फोटोनिक्स एवं क्वांटम टेक्नोलॉजीज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। इससे क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन, फोटोनिक्स, एडवांस्ड मटेरियल्स और डीप-टेक अनुसंधान के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित होंगी।
- इंदौर- उज्जैन इकोनॉमिक कॉरिडोर में हाई-टेक उद्योगों को प्राथमिकता- कॉरिडोर के विकास में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, एडवांस्ड पैकेजिंग, चिप डिजाइन एवं हाई-टेक उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी।

25 से अधिक नीतियां बनाकर विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र सरकार ने ढाई वर्ष में 25 से अधिक नीतियां बनाकर निवेश और औद्योगिक विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। पारदर्शी, सरल और स्पष्ट नीतियों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सहित विभिन्न प्रयासों से प्रदेश में लगभग 34 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से 30 प्रतिशत से अधिक निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे हैं। प्रदेश सरकार निवेश प्रस्तावों को वास्तविक परियोजनाओं में बदलने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

राज्यों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण उपलब्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कभी असंभव लगने वाले विषय आज वास्तविकता बन रहे हैं। सभी क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ने के लिए राज्यों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण उपलब्ध है। मप्र देश के साथ कदम मिलाकर तेजी से आगे बढ़ रहा है। कोविड काल में सेमीकंडक्टर चिप की कमी से वैश्विक स्तर पर विकास गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। इससे इस क्षेत्र की आर्थिक और सामरिक महत्ता स्पष्ट हुई है।

नीतियों और त्वरित निर्णय प्रक्रिया से उद्योग जगत का विश्वास बढ़ा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र निवेशकों का स्वागत करने और उन्हें साथ लेकर चलने वाला राज्य है। निवेश अनुकूल नीतियों और त्वरित निर्णय प्रक्रिया से उद्योग जगत का विश्वास बढ़ा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि निवेश संबंधी प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब न हो और समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से किया जाए। राज्य सरकार की कार्यप्रणाली में फाइलों के स्थान पर फैसलों, संभावनाओं के स्थान पर परियोजनाओं और समस्याओं के स्थान पर समाधानों को प्राथमिकता दी जा रही है। एक बार जो मप्र आता है, वह हमेशा के लिए मप्र का हो जाता है।

फार्मा, टैक्सटाइल, रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश में महत्वपूर्ण प्रगति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र कृषि के साथ उद्योग, तकनीक और विनिर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ग्वालियर में टेलीकॉम विनिर्माण क्षेत्र को विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। फार्मा, टेक्सटाइल और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी प्रदेश महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता लगभग 5 हजार मेगावाट से बढ़कर 32 हजार मेगावाट हो गई है। नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी मप्र ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

निवेशकों एवं उद्यमियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समिट में चिप डिजाइन, एडवांस्ड पैकेजिंग, टेस्टिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेशकों एवं उद्यमियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई है। प्रदेश में प्रतिभाशाली मानव संसाधन और मजबूत जनसांख्यिकीय क्षमता उपलब्ध है। सरकार उद्योग जगत के साथ साझेदारी कर इन संभावनाओं को वास्तविक परियोजनाओं में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

अनूपपुर में जिला बैठक को किया संबोधित

कांग्रेस की नीतियों और राजनीति को जनता के सामने उजागर करेंगे कार्यकर्ता : चंद्रशेखर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने शुक्रवार को अनूपपुर जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित जिला बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होने कहा कि कहा कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक तौर-तरीकों से देश को नुकसान पहुंचाया है और आज आंदोलनों की आड़ लेकर देश में अराजकता की नींव रखने का प्रयास कर रही है। लोकतंत्र बचाने के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़े करना और देश के माहौल को खराब करना कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष की राजनीति का हिस्सा बन गया है। भाजपा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के माध्यम से कांग्रेस की नीतियों और उसकी अराजक राजनीति को जनता के सामने उजागर करेगी।

कांग्रेस की राजनीति से देश को हुआ नुकसान

प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि कांग्रेस ने प्रारंभ से ही जिस राजनीतिक मॉडल पर काम किया, उससे देश को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। कांग्रेस की नीतियों ने समाज में विभिन्न प्रकार के भेदभाव को बढ़ावा दिया, जबकि भाजपा ने समय-समय पर आंदोलनों और जनजागरण के माध्यम से बेहतर व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास किया। आज कांग्रेस चुनावी पराजय के बाद ईवीएम पर सवाल उठाती है और लोकतंत्र बचाने के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रहार करती है। की राजनीति का हिस्सा बन गया है। भाजपा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के माध्यम से कांग्रेस की नीतियों और उसकी अराजक राजनीति को जनता के सामने उजागर करेगी।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष ने की जन्मदिन पर पेन-किताबें लाने की अपील

भोपाल। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विशाल सिंह बघेल ने अपने जन्मदिन पर नई पहल करते हुए फूल-मालाओं के बजाय पेन-किताबें लाने की अपील की है। 25 अक्टूबर को जन्मदिन पर मिलने वाली शैक्षणिक सामग्री जरूरतमंद बच्चों को वितरित की जाएगी। डॉ. बघेल ने मित्रों और शुभचिंतकों से फ्लेक्स-होर्डिंग व अनावश्यक खर्च से बचकर बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सच्ची सेवा है।

■ जरूरतमंद बच्चों को बांटी जाएगी शैक्षणिक सामग्री

संवैधानिक संस्थाओं पर अराजक हमलों के विरोध में अभाविप का प्रदर्शन आज

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) भोपाल महानगर द्वारा देश की संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहे अराजक हमलों के विरोध में 24 अक्टूबर को अराजकता रोको, लोकतंत्र अपनाओ के आह्वान के साथ व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन में अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। अभाविप द्वारा आयोजित इस प्रदर्शन का उद्देश्य संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों और मर्यादाओं की रक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। अभाविप का मानना है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है।

उमड़ पड़ा लोगों का हुजूम, दोनों सुरक्षित

स्कूटी में अचानक लगी भीषण आग, गाड़ी पर सवार भाई-बहन ने कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के भिलाईबाजार क्षेत्र में एक चलती इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई। स्कूटी पर सवार कटकीडबरी निवासी पीयूष कंवर और उनकी बहन ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। यह हादसा भिलाईबाजार तालाब के पास उस समय हुआ जब दोनों कुसमुंडा से वापस अपने घर लौट रहे थे। सही समय पर वाहन से नीचे कूद जाने के कारण दोनों हादसे में सुरक्षित बच गए और एक बड़ी अनहोनी टल गई। घटना का वीडियो वायरल



जानकारी के अनुसार, कुसमुंडा से घर लौटते समय भिलाईबाजार तालाब के पास पहुंचते ही स्कूटी से अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते धुआं बढ़ा और वाहन में आग भड़क उठी। स्कूटी में आग लगते ही उस पर सवार भाई-बहन घबरा गए। उन्होंने तुरंत वाहन रोकने की कोशिश की और किसी तरह उससे नीचे कूद गए। दोनों के सुरक्षित हटते ही आग ने पूरी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन देखते ही देखते वाहन जलकर पूरी तरह खाक हो गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पहले भी हो चुकीं ऐसी घटनाएं

कोरबा जिले में इलेक्ट्रिक स्कूटी में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। कुछ दिन पहले कटघोरा कॉलेज के पास भी एक इलेक्ट्रिक स्कूटी में आग लगने का मामला सामने आया था। उस दौरान भी स्कूटी पर सवार पूरा परिवार बाल-बाल बचा था। भिलाईबाजार की घटना में आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

'राष्ट्रहित सर्वोपरि, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ हिंदू राष्ट्र की स्थापना हमारा संकल्प'

नई दिल्ली। देश की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय मूल्यों और राष्ट्रवादी विचारधारा को केंद्र में रखकर नवगठित देश प्रथम पार्टी ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से अपनी राजनीतिक विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया है। बुधवार को दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अधिवक्ता राजेश कालिया ने पार्टी के उद्देश्यों, वैचारिक दृष्टिकोण और भावी राजनीतिक दिशा को सामने रखा। राजेश कालिया ने कहा कि पार्टी का मूल मंत्र राष्ट्रहित सर्वोपरि है और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ हिंदू राष्ट्र की स्थापना करना उसका वैचारिक संकल्प है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत का मुसलमान भी इस देश का अभिन्न अंग है। कालिया ने कहा कि देश प्रथम पार्टी का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक पहचान, प्राचीन सभ्यता, परंपराओं और राष्ट्रीय मूल्यों को सशक्त बनाना है। राजेश कालिया ने कहा कि कई राजनीतिक दल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों और उनकी राष्ट्रवादी विचारधारा का उल्लेख करते हैं।

मृतक के सीने पर चोट, जूटमिल थाना क्षेत्र की घटना

ट्रांसपोर्ट नगर बस स्टैंड के पास अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

रायगढ़ में ट्रांसपोर्ट नगर बस स्टैंड के पास एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के सीने पर चोट के निशान हैं। घटना जूटमिल थाना क्षेत्र की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह ट्रांसपोर्ट नगर बस स्टैंड के पास लोगों ने एक युवक का शव पड़ा देखा। मृतक के सीने पर चोट के निशान नजर आने के बाद घटना को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जाने लगीं। कुछ लोगों ने लूटपाट के इरादे से हत्या किए जाने, तो कुछ ने किसी अज्ञात भारी वाहन की टक्कर से मौत होने की आशंका जताई है। हालांकि, मौत की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं है। घटना की जानकारी मिलने पर जूटमिल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।



6976 शिविरों में 3 लाख 3 हजार 400 शिकायतों का मौके पर निराकरण

भोपाल। बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का उनके घर के नजदीक त्वरित समाधान उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की ओर से संचालित संपर्क अभियान 2026 को उल्लेखनीय सफलता मिली है। 14 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के तहत भोपाल एवं ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में अब तक 6,976 विशेष शिविरआयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 3लाख 3 हजार400 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया।

पन्ना तक रेल पहुंचना बुंदेलखंड के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

पन्ना तक रेल पहुंचने पर सांसद शर्मा ने जताया आभार

कटनी में लॉजिस्टिक हब और पिट निर्माण की मांग पन्ना-खजुराहो को रेलमार्ग से जोड़ने पर भी की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

खजुराहो सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संकुल प्रकोष्ठ के संयोजक विष्णु दत्त शर्मा ने दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर संसदीय क्षेत्र में रेलवे सुविधाओं के विस्तार और विभिन्न रेल परियोजनाओं को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पन्ना जिले तक रेल पहुंचने को बुंदेलखंड के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए कई महत्वपूर्ण मांगें भी रखीं। सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि 24 अक्टूबर को पन्ना जिले तक रेल पहुंचने जा रही है। आजाद भारत के इतिहास में पहली बार पन्ना को रेल सुविधा मिलने जा रही है, जो जिले के साथ पूरे बुंदेलखंड के लिए ऐतिहासिक अवसर है। इस सौगात के लिए उन्होंने क्षेत्र की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद पत्र सौंपा।



केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर पन्ना तक रेल पहुंचने पर आभार व्यक्त करते हुए सांसद विष्णु दत्त शर्मा।

कटनी में लॉजिस्टिक हब और पिट निर्माण की मांग

मुलाकात के दौरान सांसद ने कटनी में लॉजिस्टिक हब और पिट निर्माण कराने का आग्रह किया। उन्होंने पन्ना और खजुराहो को जल्द से जल्द रेलमार्ग से जोड़ने तथा संसदीय क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार से जुड़े विषयों पर भी रेल मंत्री से चर्चा की। उनका कहना था कि बेहतर रेल संपर्क से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और आम नागरिकों को आवागमन की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

वंदे भारत एक्सप्रेस के समय में बदलाव का आग्रह

सांसद ने पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण खजुराहो-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस के समय में बदलाव की मांग भी रेल मंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने पत्र सौंपकर आग्रह किया कि ट्रेन खजुराहो से सुबह रवाना होकर दोपहर में वाराणसी पहुंचे और वाराणसी से दोपहर में प्रस्थान कर रात तक खजुराहो लौटे।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPc/84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रजनीश उर्फ सनी** पुत्र **राकेश** निवासी के–15, शर्मा कॉलोनी, बुध विहार फेज 2, दिल्ली ने **FIR No. 173/2013 U/S 25/54/59 Arms Act,** अन्तर्गत थाना **विजय विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रजनीश उर्फ सनी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रजनीश उर्फ सनी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोशणा की जाती है कि **FIR No. 173/2013 U/S 25/54/59 Arms Act,** अन्तर्गत थाना **विजय विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रजनीश उर्फ सनी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री दिव्याश्री रैना
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी
उत्तर पश्चिम, कमरा नं. 109
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/15378/RD/2026(Court Matter)

फ्रांस में अंजाम दी गई बेरोक-टोक अग्निकांडों और लूटपाट की वारदातों से समूची दुनिया स्तब्ध होकर रह गई है। आखिरकार इस विनाशकारी हिंसक आंदोलन की बुनियाद में कौन से प्रमुख कारण विद्यमान रहे हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इसके पीछे अल्ट्रा लेफ्ट ताक़तों को जिम्मेदार मानते हैं। इस हिंसक विरोध आंदोलन की कड़ियां भारत तक जुड़ गई हैं। इसमें विदेशी संगठनों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल सरकारों की नीतियों का विरोध करना है या चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करना भी है? इन सवालों ने हाल ही में अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज की एक खोजी रिपोर्ट के बाद चर्चा का रूप ले लिया है। यूरोप के हिंसक प्रदर्शनों से भारत को सबसे बड़ा सबक यह मिलता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक मजबूती नागरिकों के भरोसे, संस्थाओं की निष्पक्षता, शांतिपूर्ण असहमति की स्वतंत्रता और कानून के समान अनुपालन में निहित है। भारत ने जिस तरह से हालिया प्रदर्शनों को नियंत्रित किया है, उस पर टिप्पणी को लेकर मानवाधिकार संगठनों का छद्म छलावा प्रदर्शित होता है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

फ्रांस से उठा यूरोप में फैला हिंसक तूफान



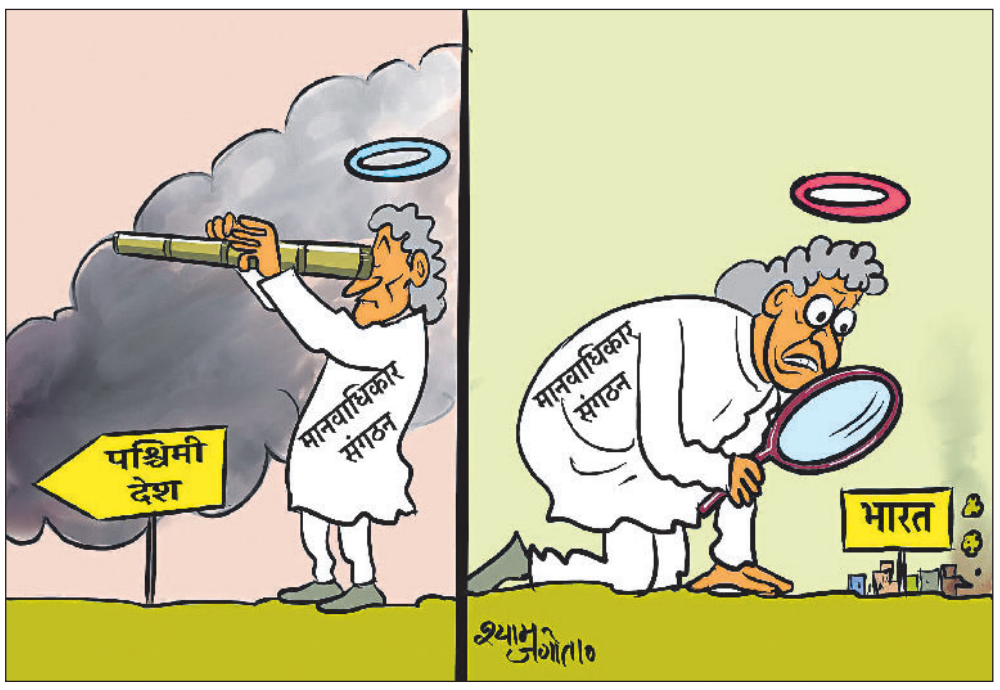
विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेश मामलों के जानकार

संपूर्ण दुनिया स्तब्ध होकर रह गई है, जबकि फ्रांस की राजधानी पेरिस और आसपास के नगरों की सार्वजनिक इमारतों से उठती हुई विनाशकारी अग्नि ज्वालाओं का दुनिया ने दीदार किया। फ्रांस में अंजाम दी गई बेरोक-टोक अग्निकांडों और लूटपाटों ने फ्रांस का ही नहीं, वरन् समूची दुनिया के दिल को हिला कर रख दिया है। इंतहा तो तब हो गई, जब पेरिस से उठा हिंसककारी आंदोलन अल्बानिया, इटली, स्पेन, सर्बिया आदि यूरोप के अनेक देशों में भी फैल गया है। आखिरकार इस विनाशकारी हिंसक आंदोलन की बुनियाद में कौन से प्रमुख कारण विद्यमान रहे हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फ्रांस में अंजाम दी गई हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। ट्रंप ने अपने मतदाताओं को खबरदार करते हुए फरमाया कि बस आप फ्रांस को देख लीजिए। ट्रंप ने यह भी कहा कि फ्रांस का पेरिस नगर बहुत जल्दी एक मुस्लिम बहुल नगर बन जाएगा।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने डोनाल्ड ट्रंप के बयान को बेहूदा और एकदम गलत बताया। यह कहना कि फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों की भारी भीड़ ने फ्रांस पर हमला किया है, डोनाल्ड ट्रंप की यह बात पूरी तरह से बेबुनियाद और सरासर झूठ है। मैक्रों ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अपने चुनाव अभियान के लिए हमारे देश के विद्यार्थी आंदोलन के विषय में एकदम झूठ बोल रहे हैं। फ्रांस में हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस की अल्ट्रा लेफ्ट ताक़तें जिम्मेदार हैं। 16 सितंबर 2026 का दिन था। पेरिस से तकरीबन 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है गांव का एक हाई स्कूल, जहां से फ्रांस में विद्यार्थियों के वर्तमान आंदोलन की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों की दीर्घ काल से सरकार से मांग रही है कि उनके स्कूल में पर्याप्त संख्या में टीचर्स नहीं हैं और स्कूल की हालत बहुत जर्जर है। आखिरकार विद्यार्थियों द्वारा अपने स्कूल के दरवाजे बंद कर दिए गए। एक स्कूल से शुरू हुआ विद्यार्थी आंदोलन आसपास के स्कूलों में तेजी के साथ फैल गया, क्योंकि तकरीबन सभी स्कूलों के हालात बहुत ही खराब रहे हैं।



16 सितंबर 2026 का दिन था। पेरिस से तकरीबन 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है गांव का एक हाई स्कूल, जहां से फ्रांस में विद्यार्थियों के वर्तमान आंदोलन की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों की दीर्घ काल से सरकार से मांग रही है कि उनके स्कूल में पर्याप्त संख्या में टीचर्स नहीं हैं और स्कूल की हालत बहुत जर्जर है। आखिरकार विद्यार्थियों द्वारा अपने स्कूल के दरवाजे बंद कर दिए गए। एक स्कूल से शुरू हुआ विद्यार्थी आंदोलन आसपास के स्कूलों में तेजी के साथ फैल गया, क्योंकि तकरीबन सभी स्कूलों के हालात बहुत ही खराब रहे हैं। इन स्कूलों के अध्यापक भी विद्यार्थियों के आंदोलन में शामिल हो गए और उनके मेहनतकश मां-बाप भी धीमे-धीमे इसमें शामिल होने लगे। कुछ ही दिनों में आंदोलन तेजी से फ्रांस में विस्तारित हो गया।

फ्रांस में आपातकाल घोषित होने के आसार

वामपंथी शक्तियां बेहद खराब शिक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी और कमरतोड़ महंगाई को इस अत्यंत हिंसक आंदोलन के लिए जिम्मेदार ठहरा रही हैं। 17 अक्टूबर को फ्रांस की राजधानी पेरिस के प्रदर्शन स्थल प्लाजा द ला रिपब्लिक पर तकरीबन आठ लाख लोग वस्तुतः बढ़ती हुई महंगाई और अच्छी सरकारी शिक्षा के लिए शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने के लिए एकत्रित हुए थे। किंतु काले कपड़ों में कुछ नकाबपोश एक्टिविस्टों के एक गिरोह के आने के बाद शांतिपूर्ण प्रदर्शन अत्यंत हिंसक हो उठा। अभी तक तकरीबन पांच हजार उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है। फ्रांस के प्रधानमंत्री लेकोर्नो द्वारा भयानक हिंसा के लिए अल्ट्रा लेफ्ट के एक्टिविस्टों को दोषी करार दिया गया है। भयानक हिंसा के तांडव तत्पश्चात राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा बयान जारी किया गया कि फ्रांस में आपातकाल नाफिज किया जा सकता है। फ्रांस के गृहमंत्री लारा न्युनेज ने कहा है कि पेरिस के अनेक नगरों में हिंसक विरोधी प्रदर्शन के बाद हालात दंगा नियंत्रक पुलिस के नियंत्रण से बाहर निकल गए। गृहमंत्री द्वारा भी हिंसक दंगों के लिए अल्ट्रा लेफ्ट के एक्टिविस्टों को दोषी करार दिया गया है। फ्रांस में प्रदर्शनों का दौर जारी है। राष्ट्रपति मैक्रों की सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए तैयार है।

6 माह बाद फ्रांस में होंगे चुनाव

ये सभी मेहनतकश किसानों और मजदूरों के बच्चों के सरकारी स्कूल हैं। इन स्कूलों के अध्यापक भी विद्यार्थियों के आंदोलन में शामिल हो गए और उनके मेहनतकश मां-बाप भी धीमे-धीमे इसमें शामिल होने लगे। उल्लेखनीय है कि कुछ ही दिनों में हाई स्कूल के विद्यार्थियों का आंदोलन बहुत तेजी के साथ संपूर्ण फ्रांस में विस्तारित हो गया। हाई स्कूल के विद्यार्थियों के आंदोलन में फ्रांस की यूनिवर्सिटियों के विद्यार्थी भी शामिल होने लगे और अमीरों के स्कूलों के विद्यार्थी भी इस आंदोलन को अपना समर्थन प्रदान करने के लिए सड़कों पर आ गए। फ्रांस के मजदूरों की ट्रेड यूनियन्स भी आंदोलन में शामिल हो गई। विद्यार्थी आंदोलन का मुकाबला करने के लिए दंगा नियंत्रक पुलिस फोर्स भेजी गई। क्योंकि ये कहीं-कहीं आंदोलन हिंसक होने लगा था। उल्लेखनीय है कि अगले वर्ष 6 महीनों के बाद फ्रांस में राष्ट्रपति के चुनाव आयोजित होने वाले हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मुख्य मुकाबला वामपंथी और दक्षिणपंथी उम्मीदवारों के बीच होना है। राष्ट्रपति पद की प्रबल दावेदार हैं प्रवासी विरोधी अति राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी मरीन ले पेन और पूंजीवाद के घोर विरोधी वामपंथी उम्मीदवार जीन ल्यूक मेलेचोन।

राजनीतिक दल भी शामिल

फ्रांस के राजनीतिक दल भी इस हिंसक बन चुके आंदोलन में शामिल होकर अपने-अपने लिए सुर्खियां बटोरने की होड़ में जुटे हुए हैं। इस वक्त फ्रांस में हिंसक तांडव अत्यंत तीव्रता के साथ बढ़ रहा है। फ्रांस के आंदोलन में जारी भयानक आगजनी और हिंसक तांडव फ्रांस के वर्तमान इतिहास में सबसे खराब घटनाओं में से एक रहा है। फ्रांस में हिंसक तनाव राजनीति के गलियारों से लेकर सड़कों तक तांडव करता नजर आ रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के मुख्यालय एलिसी पैलेस के अनुसार देश के गृहमंत्री लॉरेंट न्युनेज ने अपना त्यागपत्र देने की पेशकश की थी, जिसे राष्ट्रपति ने अस्वीकार कर दिया और फरमाया कि फ्रांस की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए और भयानक हिंसा के दोषी अपराधियों को इंसाफ के कठघरे में लाने के लिए सख्त तौर तरीके अख्तियार किए जाएं। फ्रांस की हुकूमत के मुताबिक तकरीबन दो हजार दुकानों और व्यवसायों में आगजनी और लूटपाट अंजाम दी गई है। दंगा नियंत्रक पुलिस द्वारा हिंसक भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागे गए। वाटर कैनन की बौछारें की गईं। जगह-जगह पर पुलिस को उपद्रवी भीड़ को लाठियां से पीटते हुए देखा गया।

मैक्रों की नीतियों की आलोचना

कहीं भी फ्रांस की दंगा नियंत्रक पुलिस द्वारा हिंसक उपद्रवियों पर गोलियां नहीं दागी गईं। सिर्फ एक व्यक्ति के हताहत होने का समाचार है। फ्रांस के गृहमंत्रालय के अनुसार 17 अक्टूबर को लगभग एक हजार पुलिसकर्मी बुरी तरह से घायल हुए। जिसमें सात की हालत बहुत गंभीर है। विश्व पटल पर प्रख्यात पर्यटक सिटी ऑफ़ लाइट पेरिस में आजकल दुर्भाग्यवश अंधकार छाया हुआ है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा पेरिस के कुछ हिस्सों में और कुछ अन्य शहरों में कर्फ्यू नाफीज कर दिया गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रों ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय एकता और शांति बनाए रखने का आह्वान किया। राष्ट्रपति द्वारा फ्रांसीसी जनता को आश्वासन देने का प्रयास किया गया कि हिंसा के दोषियों को कानून द्वारा कठोरतापूर्वक दंडित किया जाएगा। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की नीतियों की जमकर आलोचना भी की जा रही है। कहा जा रहा है कि उनके शासनकाल के दौरान फ्रांस के हालात बद से बदतर होते गए हैं। फ्रांस की दक्षिणपंथी शक्तियां मध्यमार्गी राष्ट्रपति मैक्रों की फ्रांसीसी हुकूमत को उसकी विनाशकारी प्रवासी नीतियों के लिए जिम्मेदार ठहरा रही हैं

एकांगी दृष्टिकोण के असर में मानवाधिकार संगठन



दिखावा

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक समीक्षक

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब भारतीय सुरक्षा बलों और सरकार पर उसकी कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने सवाल उठाया हो। कश्मीर घाटी में आतंकी खून बहाते रहे, तब मानवाधिकार संगठनों ने कोई सवाल नहीं उठाया, लेकिन जब भी इन आतंकियों के खिलाफ भारतीय बलों ने कड़ी कार्रवाई की, उनके समर्थकों को सीखचों के पीछे डालना शुरू किया, मानवाधिकार संगठनों को उनके मानवाधिकार की चिंता होने लगी। ऐसे में हालिया आंदोलनों के दौरान भारत सरकार की कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठन सवाल नहीं उठाते तो ही हैरत होती। नीट परीक्षा के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद मार्च के दौरान जो हिंसा हुई, उसके खिलाफ अगर सुरक्षा बल, ताकत का इस्तेमाल नहीं करते तो बाद में वे ही सवालों के घेरे में होते। संसद से महज दो सौ मीटर की दूरी पर जिस तरह आंदोलन में शामिल असामाजिक और अराजक तत्व उकसाऊ कार्रवाई कर रहे थे, उसमें पुलिस और प्रशासन के पास बल प्रयोग के अलावा कोई दूसरा चारा भी नहीं था। सोचिए अगर, उस दिन उपद्रवी संसद में घुस जाते और भारतीय संसद के साथ कुछ वैसी ही अनहोनी होती, जैसा अभी हालिया प्रदर्शन के दौरान अल्बानिया में हुआ है तो क्या भारतीय लोकतांत्रिक समाज उसे स्वीकार कर पाता? भारत में हालिया आंदोलनों की शुरूआत नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में हुई। इसी दौरान अचानक से एक नई पार्टी 'कॉकरोच जनता पार्टी' बनी और उसके बैनर तले देशभर के युवाओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर डेरा डाल दिया। मर्यादित आंदोलनों के जरिए लोक अपना गुस्सा निकालकर शांत हो जाता है। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि लोक में अराजक तत्व भी होते हैं और वे आंदोलनों की ताक में रहते हैं। लोकतांत्रिक आंदोलनों में वे मौका पाते ही घुस जाते हैं और अराजकता को बढ़ावा देते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद में मार्च में ऐसा ही हुआ। कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में ऐसा ही हुआ। सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकने में जेनुइन छात्रों की संख्या कम, अराजक और असामाजिक तत्वों की संख्या ज्यादा रही। इस तथ्य को सुरक्षा बलों ने भी स्वीकार किया है। सुरक्षा बलों के नरम रूख के पीछे आंदोलन में शामिल युवा रहे। सुरक्षा बलों और प्रशासन को लगता था कि अगर युवाओं के खिलाफ कार्रवाई हुई तो मामला बिगड़ सकता है। लेकिन जैसे ही यह आंदोलन एसआईआर के खिलाफ और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की ओर बढ़ा, इसने राजनीतिक रंग ले लिया। निश्चित तौर पर इस पूरे आंदोलन में छात्र कहीं नेपथ्य में जाते हुए दिखे और मोर्चे पर कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दल दिखे। सुरक्षा बलों ने अपना संयम बनाए रखा। चुनाव आयोग पर प्रदर्शन के लिए संसद से निकले विपक्षी सांसदों और उनके समर्थकों को एहतियातन हिरासत में लिया गया। लोगों को जुटने से रोका गया। हो सकता है कि इस दौरान कुछ लोगों के साथ हाथापाई भी हुई हो, किसी को चोट लगी हो। आंदोलन में ऐसा होना स्वाभाविक भी है। दुनिया की कोई भी सरकार आंदोलनकारियों का फूलों से स्वागत नहीं करती। सरकार और सुरक्षा बलों ने जिस तरह संयम दिखाकर सिर्फ हिरासत में लेकर आंदोलन को हिंसक होने से रोकने में सफलता पाई, उसका समाज के एक बड़े हिस्से ने स्वागत भी किया है। आंदोलनकारियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता को आसानी से भाजपा का एजेंट कहा जा सकता है। लेकिन त्योहारी मौसम में कारोबारी नुकसान पहुंचा रहे कनॉट प्लेस के कारोबारियों का आंदोलन के विरोध में खड़ा होना मामूली बात नहीं है। इससे साफ हुआ कि जनता भी ऐसे आंदोलनों को पसंद नहीं कर रही। दुर्भाग्य यह है कि चाहे एमनेस्टी इंटरनेशनल हो या फिर ह्यूमनराइट वाच, या संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति, उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम, सुरक्षा बलों के संयम, प्रधानमंत्री को दी गई गालियों की ओर ध्यान नहीं दिया। एसआईआर और नीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ हुए आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई पर एमनेस्टी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति एवं विशेषज्ञों का चिंता जताना मामले का एक तरफा संज्ञान लेना है। ह्यूमन राइट्स वॉच और संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति यानी यूएनसीईआरडी ने अपनी रिपोर्टों में, देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाने और उनके खिलाफ नफरती भाषण आदि का आरोप लगाया है। ये संगठन विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम यानी एफसीआरए और कड़े आतंकवाद-विरोधी कानूनों, मसलन यूएपीएके दुरुपयोग का भी भारत पर आरोप लगाते रहे हैं। मानवाधिकार संगठन चाहे जो भी कहें, लेकिन विशेषकर राजधानी दिल्ली में जिस तरह सुरक्षा बलों ने खुद पर हुए हमलों के बावजूद जवाबी कार्रवाई में संयम दिखाया, उसकी तारीफ होनी चाहिए। पश्चिमी समाज और उसके कथित मानवाधिकार संगठनों का नजरिया विशेषकर तीसरी दुनिया के देशों के लिए एकतरफा ही रहा है। बेशक भारत आर्थिक रूप से दुनिया की चौथी बड़ी शक्ति बन चुका है, लेकिन अब भी भारत को लेकर उनकी सोच पुरानी ही है। जिसे अब देश की अधिसंख्य जनता समझने लगी है, इसीलिए अब ऐसे आरोपों और पर्यवेक्षणों से भारतीय मानस उस तरह प्रभावित नहीं होता, जैसा अतीत में होता रहा है।

ह्यूमन राइट्स वॉच व संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति यानी यूएनसीईआरडी ने अपनी रिपोर्टों में, देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाने और उनके खिलाफ नफरती भाषण आदि का आरोप लगाया है।

विरोध-प्रदर्शनों के पीछे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क



रिपोर्ट

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया के अलग-अलग देशों में होने वाले विरोध-प्रदर्शनों के बीच क्या कोई अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क भी काम कर रहा है? क्या कुछ विदेशी संगठन स्थानीय असंतोष को साझा राजनीतिक अभियान का रूप देने की कोशिश कर रहे हैं? और क्या इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल सरकारों की नीतियों का विरोध करना है या चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करना भी है? इन सवालों ने हाल ही में अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज की एक खोजी रिपोर्ट के बाद चर्चा का रूप ले लिया है।

रिपोर्ट में फ्रांस में छात्र आंदोलनों और भारत में हुए राजनीतिक विरोध-प्रदर्शनों के बीच कथित संबंधों का उल्लेख किया गया है। इसमें इंडियन एलायंस पेरिस (आईएपी) नामक संगठन का भी जिक्र है। हालांकि, रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों और स्वतंत्र रूप से प्रमाणित तथ्यों के बीच अंतर करना जरूरी है। फॉक्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विभिन्न देशों में सक्रिय 101 संगठन विरोध-प्रदर्शनों के आयोजन, उनके प्रचार या उनके संदेशों को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने में जुड़े हुए हैं। इस कथित नेटवर्क में वामपंथी और समाजवादी समूहों, छात्र संगठनों, श्रमिक संघों, मीडिया मंचों तथा राजनीतिक सक्रियता से जुड़े संगठनों की भूमिका है। इस दावे का आधार यह है कि अलग-अलग देशों में होने वाले आंदोलनों के बीच सोशल मीडिया संदेशों, सार्वजनिक बयानों, संगठनों के आपसी संपर्क और एकजुटता अभियानों के माध्यम से संबंध बनते दिखाई देते हैं। फ्रांस में छात्रों के आंदोलनों और भारत में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इस्तीफे की मांग से जुड़े विरोध-प्रदर्शनों का संदर्भ इसी सिलसिले में सामने आया है। यहां एक महत्वपूर्ण सवाल है। क्या विरोध-प्रदर्शनों के बीच वैचारिक समानता, साझा संदेश या अंतरराष्ट्रीय समर्थन अपने आप में किसी गुप्त साजिश का प्रमाण है? ऐसे संबंध किसी संगठित राजनीतिक अभियान की मौजूदगी का संकेत दे सकते हैं, लेकिन उनसे यह स्वतः सिद्ध नहीं होता कि संबंधित संगठन किसी चुनी हुई सरकार को गिराने या विरोध-प्रदर्शन शुरू कराने की योजना चला रहे हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में इंडियन एलायंस पेरिस को फ्रांस में सक्रिय भारतीय मूल के छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों से जुड़ा संगठन बताया गया है। इस संगठन ने फ्रांस प्रदर्शनों से संबंधित संदेशों को सोशल मीडिया पर साझा किया और भारत तथा फ्रांस में युवाओं के आंदोलनों के बीच समानताओं को रेखांकित किया। रिपोर्ट में न्यूयॉर्क स्थित पीपुल्स फोरम और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल का भी उल्लेख किया गया है। इन संगठनों और कुछ अन्य समूहों के बीच संपर्कों को आधार बनाकर यह सवाल उठाया गया है कि क्या अलग-अलग देशों के आंदोलनों को साझा राजनीतिक दिशा देने की कोशिश हो रही है। इंडियन एलायंस पेरिस का नाम सामने आने से भारत में भी इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हुई है। हालांकि, किसी संगठन का दूसरे संगठनों के साथ कार्यक्रम आयोजित करना, किसी आंदोलन का समर्थन करना या सोशल मीडिया पर संदेश साझा करना अपने आप में गैरकानूनी गतिविधि अथवा सरकार गिराने की साजिश का प्रमाण नहीं है। इसके लिए वित्तीय लेन-देन, निर्देशों, संगठनात्मक नियंत्रण और वास्तविक गतिविधियों से जुड़े ठोस साक्ष्यों की जरूरत होती है। इस पूरे विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू विदेशी वित्त पोषण है। रिपोर्ट में अमेरिकी कारोबारी नेविल रॉय सिंघम और उनसे जुड़े कुछ संगठनों का उल्लेख किया गया है। इस विषय पर विचार करते समय लोकतंत्र के दो बुनियादी सिद्धांतों को ध्यान में रखना होगा। पहला, चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने के लिए विदेशी धन, गुप्त निर्देशों या गैरकानूनी हस्तक्षेप का इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय हो सकता है। यदि ऐसे हस्तक्षेप के प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। आवश्यक है कि किसी भी रिपोर्ट में किए गए दावों की जांच दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्ड, प्रत्यक्ष साक्ष्यों और संबंधित संगठनों के जवाबों के आधार पर की जाए। यह भी देखना चाहिए कि संगठनों के बीच संबंध केवल वैचारिक समर्थन और प्रचार तक सीमित हैं या वास्तव में किसी देश की राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित करने के लिए निर्देशित गतिविधियां संचालित की गई हैं।



इंडियन एलायंस पेरिस का नाम सामने आने से भारत में भी इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हुई है। हालांकि, किसी संगठन का दूसरे संगठनों के साथ कार्यक्रम आयोजित करना, किसी आंदोलन का समर्थन करना अपने आप में गैरकानूनी गतिविधि अथवा सरकार गिराने की साजिश का प्रमाण नहीं है।

समय पर संवाद और समाधान जरूरी



मंथन

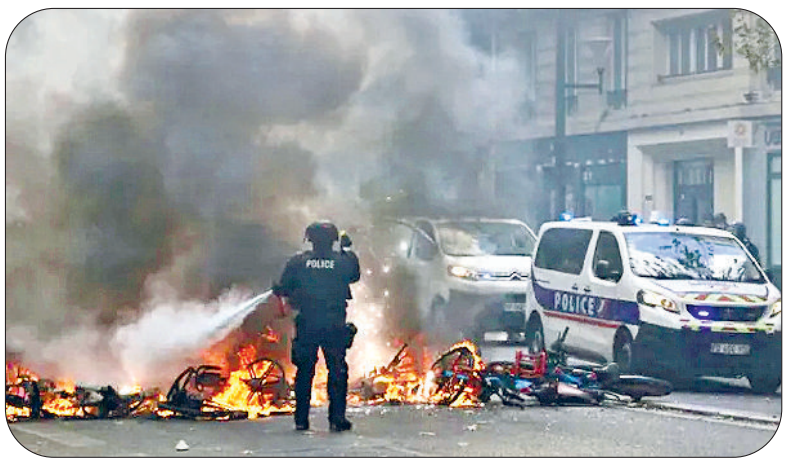
योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन जनता की आवाज बुलंद करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। जब सरकारें जनभावनाओं को अनसुना करती हैं, नीतियों से असंतोष बढ़ता है या लोगों को लगता है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा तब सड़कों पर उतरकर विरोध करना स्वाभाविक है। जब यही विरोध हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव का रूप ले लेता है, तो सवाल केवल प्रदर्शनकारियों के उद्देश्यों का नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक स्थिरता और कानून के शासन का भी बन जाता है। यूरोप के विभिन्न देशों में समय-समय पर हुए हिंसक प्रदर्शनों से भारत को भी कई महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं। हालांकि यूरोप एक समान राजनीतिक या सामाजिक इकाई नहीं है।

फ्रांस में पेंशन सुधारों के विरोध, किसानों के आंदोलन, ब्रिटेन में दंगों और अन्य देशों में आर्थिक असंतोष से जुड़े प्रदर्शनों की परिस्थितियां अलग-अलग रही हैं। इसलिए हर घटना को एक ही नजरिये से देखने के बजाय उसके कारणों और परिणामों को समझना आवश्यक है। हिंसक प्रदर्शनों का पहला सबक यह है कि जन-असंतोष को समय रहते समझना और उसका समाधान करना किसी भी सरकार की जिम्मेदारी है। महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, किसानों की समस्याएं, सामाजिक भेदभाव और भविष्य को लेकर असुरक्षा जैसे मुद्दे लोगों में नाराजगी पैदा कर सकते हैं। यदि नागरिकों को लगता है कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है, तो व्यवस्था के प्रति अविश्वास गहरा सकता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है। यहां भाषाई, धार्मिक, जातीय, क्षेत्रीय और आर्थिक विविधता के कारण अलग-अलग वर्गों की अपेक्षाएं भी अलग हैं। सरकारों को चाहिए कि वे नीतियों के निर्माण और क्रियान्वयन में जनसंवाद को प्राथमिकता दें। समय पर संवाद और शिकायतों का समाधान कई बार उस स्थिति को पैदा होने से रोक सकता है, जिसमें सामान्य विरोध उग्र हो जाता है। हालांकि यह भी समझना जरूरी है कि हर हिंसक घटना का कारण सरकारी नीतियों की विफलता ही नहीं होता। अफवाहें, संगठित उकसावे, आपराधिक तत्व और राजनीतिक ध्रुवीकरण भी परिस्थितियों को बिगाड़ सकते हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह है कि नागरिक सरकार की नीतियों से असहमति जता सकते हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन, धरना, जुलूस और सार्वजनिक बहस लोकतांत्रिक व्यवस्था के आवश्यक अंग हैं। लेकिन किसी नीति का विरोध करने का अधिकार सार्वजनिक संपत्ति जलाने, दुकानों को लूटने, वाहनों में आग लगाने या आम नागरिकों की सुरक्षा खतरे में डालने का अधिकार नहीं बन जाता। यूरोप की हिंसक घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि जब विरोध की सीमा टूटती है, तो सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं आम लोगों को उठाना पड़ता है जिनके हितों की रक्षा का दावा किया जाता है। कारोबार प्रभावित होता है, सार्वजनिक परिवहन बाधित होता है, छोटे दुकानदारों की आजीविका पर असर पड़ता है और भय का वातावरण बनता है। सोशल मीडिया जनसमस्याओं को सामने लाने, लोगों को संगठित करने और प्रशासन तक शिकायतें पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, पुराने वीडियो को नई घटना बताकर प्रसारित करने, नफरत फैलाने और भीड़ को उकसाने का जरिया भी बन सकता है। यूरोप और भारत, दोनों के संदर्भ में यह एक महत्वपूर्ण चुनौती है। तनावपूर्ण परिस्थितियों में बिना पुष्टि की गई खबरें आग में घी डालने का काम कर सकती हैं। नागरिकों को किसी भी संदेश या वीडियो को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचनी चाहिए।

यूरोप के हिंसक प्रदर्शनों से भारत को सबसे बड़ा सबक यह मिलता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक मजबूती नागरिकों के भरोसे, संस्थाओं की निष्पक्षता, शांतिपूर्ण असहमति की स्वतंत्रता और कानून के समान अनुपालन में निहित है। आखिरकार किसी भी आंदोलन का उद्देश्य व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए, उसे हिंसा और अराजकता के हवाले करना नहीं।



यूरोप की हिंसक घटनाएं याद दिलाती हैं कि जब विरोध की सीमा टूटती है, तो सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं आम लोगों को उठाना पड़ता है जिनके हितों की रक्षा का दावा किया जाता है। कारोबार प्रभावित होता है, सार्वजनिक परिवहन बाधित होता है, छोटे दुकानदारों की आजीविका पर असर पड़ता है।

पीएम मोदी ने मैसूर में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र का किया उद्घाटन

यह स्वामी विवेकानंद के विचारों, युवाओं के सशक्तिकरण और भारत की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक विरासत को बढ़वा देगा, युवाओं को मिलेगी प्रेरणा

एजेंसी ▶▶ मैसूरु

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कर्नाटक के मैसूरु स्थित श्री रामकृष्ण आश्रम में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र विवेक स्मारक का उद्घाटन किया। यह स्मारक स्वामी विवेकानंद के विचारों, युवाओं के सशक्तिकरण और भारत की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक विरासत को समर्पित एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में प्रेरणा देगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की अनादि सांस्कृतिक चेतना का केंद्र रहा है, यहां के मंदिर, परंपराएं और उत्सव, मैसूरू का दशहरा, भव्य महल, संगीत और साहित्य-भारत की समृद्ध विरासत इस शहर के कण-कण में रची-बसी है।



प्रधानमंत्री को स्मृति चिन्ह प्रदान करते संतजन

हम मिशन को विस्तार दे रहे पूजार्चन भी किया

पीएम मोदी ने कहा कि आज स्वामी विवेकानंद कल्चरल यूथ सेंटर, यानी 'विवेक स्मारक' के उद्घाटन के माध्यम से हम इस मिशन को नया विस्तार दे रहे हैं। मैं श्री रामकृष्ण आश्रम और इससे जुड़े सभी संतों, विद्वानों तथा कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने विवेकानंद स्मारक पर आधारित विशेष फिल्म देखी और रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा देवी तथा स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि दी। भगवान शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर समृद्ध आध्यात्मिक, सांस्कृतिक विरासत को नमन किया।

प्रधानमंत्री आज वाराणसी में देखेंगे एयर शो, इसके बाद जाएंगे ओडिशा

प्रधानमंत्री रविवार को उत्तर प्रदेश और ओडिशा के दौरे पर जाएंगे। वे वाराणसी में वायुसेना दिवस के मौके पर होने वाला हवाई प्रदर्शन देखेंगे और भुवनेश्वर में आरबीआई के डेटा सेंटर तथा साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी में अरविंद लिमिटेड की नई परिधान निर्माण इकाई का उद्घाटन करेंगे।

गृह मंत्री शाह ने की कानून व्यवस्था की समीक्षा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के लिए शनिवार दोपहर दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचे। शाह की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में कॉकरोच जनता पार्टी के हालिया विरोध प्रदर्शनों, मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई, विदेश से गिरोह चलाने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।



रांची पहुंचे नवीन ने राहुल को घेरा

सड़क से सदन तक देंगे जवाब देश में अराजकता की जगह नहीं



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रहे हैं। देश में अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है। सड़क से संसद तक जवाब देंगे।

संगठन की रणनीति पर होगी चर्चा

नवीन शनिवार को भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित किया। इसमें झारखंड की राजनीतिक स्थिति, पार्टी की प्राथमिकताओं और आगामी रणनीति पर चर्चा होगी। संगठन के मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

उत्तर प्रदेश फतह करने भाजपा का दौरा

नवीन 27 को तो 30 को शाह कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश

भाजपा अध्यक्ष नेता नितिन नवीन भी 27 अक्टूबर को आजमगढ़ में ओम प्रकाश राजभर के मंच पर मौजूद रहेंगे। इसके अलावा वे प्रदेश के संगठनात्मक क्षेत्रों का दौरा कर कार्यकर्ताओं में जोश भरने और सियासी हालात का जायजा लेने का काम करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह 30 और 31 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ का दौरा करेंगे। यहां वे प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेंगे और चुनावी रणनीति व संगठन की तैयारियों पर चर्चा करेंगे। वे बूथ स्तर की तैयारियों को मजबूत करने का मंत्र भी देंगे।

खबर संक्षेप

मोदी पर जादू-टोना... नींबू व सिंदूर मिले

मऊ। यूपी के मऊ जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। दोहरीघाट में श्मशान घाट के पास जमीन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर मिली है। तस्वीर के आसपास नारियल, नींबू, लाल धागा और सिंदूर भी रखा पाया गया। नींबू में बाकायदा सुई चुभाई गई है। इसका वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया।



शहीद एक्सप्रेस की स्लीपर बोगी में आग

लखनऊ। बिजनौर जिले में नगीना रेलवे स्टेशन के पास शहीद एक्सप्रेस की स्लीपर बोगी से अचानक धुआं उठने और मामूली आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। अमृतसर से जयनगर जा रही शहीद एक्सप्रेस नगीना रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी।



नोएडा सेक्टर-125 में आग, एक की मौत

नोएडा। नोएडा में सेक्टर-126 थाना क्षेत्र के सेक्टर-125 स्थित कृष्णा फूड पोइंट (होटल) में शनिवार दोपहर आग गई। एक व्यक्ति की मौत हो गई है। आग लगने के बाद आसपास धुएं का गुबार छा गया।आग बुझाने के बाद दुकानों के अंदर टीम ने जांच की। प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति जली अवस्था में मिला।



आंध्र प्रदेश में आग लगने से 7 की मौत

पिनाकोटा। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू में सड़क निर्माण स्थल पर शनिवार को पिकअप ट्रक में डीजल भरते समय आग लगने से 7 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया घटना अनंतगिरि मंडल के पिनाकोटा गांव में सड़क निर्माण स्थल पर हुई। श्रमिक वाहनों में ईंधन भरने के लिए आमतौर पर ड्रम में डीजल लेकर आते हैं।



सज्जन होंगे कश्मीर के नए मुख्य सचिव

जम्मू। एजीएमयूटी कैडर के आईएएस अधिकारी डॉ. सज्जन सिंह यादव एक नवंबर से जम्मू-कश्मीर के नए मुख्य सचिव के तौर पर पदभार संभालेंगे और अटल डुल्लू की जगह लेंगे। डॉ. सिंह यादव को दिल्ली से स्थानांतरित कर एक नवंबर 2026 से या उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से, जो भी बाद में हो, मुख्य सचिव के तौर पर तैनात किया जाता है।



भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस की रैली पर उठाए सवाल

राहुल और कांग्रेस नियमों की अनदेखी करते हैं कार्रवाई पर 'लोकतंत्र खतरे में' की बात कहते हैं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने कांग्रेस की 1 नवंबर को प्रस्तावित 'वोट बचाओ-देश बचाओ' रैली को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस की रैली पर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा कि राहुल गांधी 1 नवंबर को ही रैली करने पर क्यों अड़े हुए हैं और इसके पीछे उनकी क्या मंशा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस नियमों की अनदेखी करते हैं और बाद में कार्रवाई होने पर लोकतंत्र खतरे में होने की बात कहते हैं. भाजपा नेता ने यह भी दावा किया कि राहुल गांधी पर माओवादी और अराजकतावादी सोच का प्रभाव दिखाई देता है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि 1 नवंबर का दिन 1984 के सिख विरोधी दंगों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी को 1 नवंबर को ही रैली क्यों करनी है? इसी दिन की जिद क्यों है? आखिर उनका संदेश क्या है?' उन्होंने कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि 1984 की घटनाओं को बार-बार क्यों उठाया जाता है।

कांग्रेस की 1 नवंबर को प्रस्तावित 'वोट बचाओ-देश बचाओ' रैली पर बवाल



कांग्रेस सिख दंगों को लेकर संवेदनशील नहीं

भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस सिख दंगों को लेकर संवेदनशील नहीं रही है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी विदेशों में भी ऐसे बयान देते रहे हैं, जिनसे भारत की छवि पर सवाल उठते हैं। उन्होंने वर्जीनिया में राहुल गांधी के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें राहुल ने कथित तौर पर सिख समुदाय से जुड़े अधिकारों का मुद्दा उठाया था। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी की राजनीति में अब 'अराजकता और टकराव' का तत्व बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है और अदालतों जैसी संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ माहौल बना रही है। रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'आज तक भारत के इतिहास में किसी ने सुप्रीम कोर्ट या अदालतों का घेराव करने की बात नहीं की। आखिर राहुल गांधी 1 नवंबर को क्या करना चाहते हैं? अराजकता, तोड़फोड़ या कुछ और?

केंद्रीय मंत्री गिरिराज का भी बड़ा हमला

राहुल बैलेट से नहीं, बुलेट से सत्ता चाह रहे, वे विदेशी दौरों की फंडिंग बताएं?



केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर जुबानी हमला किया। उन्होंने राहुल की विदेश यात्राओं की फंडिंग, विश्वविद्यालयों में लगाए गए नारों और राजनीतिक गतिविधियों को लेकर सवाल उठाए। सिंह ने कहा कि राहुल लोकतांत्रिक चुनावों के जरिए सत्ता हासिल करने के बजाए अव्यवस्था के माध्यम से सत्ता तक पहुंचना चाहते हैं। उन्होंने राहुल से 12 सालों में विदेश दौरों के खर्च, टिकट की व्यवस्था और विदेश में हुई मुलाकातों का विवरण मांगा है।

अन्य देशों में विपक्ष के नेता 'जंगली बंदरों' की तरह बर्ताव नहीं कर रहे

गिरिराज ने कहा कि दुनिया के कई देशों में छात्रों के आंदोलन देखने को मिल रहे हैं, लेकिन वहां विपक्ष के नेता 'जंगली बंदरों' की तरह बर्ताव नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश में बढ़ती राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर व्याकुल हैं।

सीटीआई ने राहुल को लिखा पत्र

प्रदर्शन की तारीख बदलने की मांग उठाई वे भाई दूज के बाद करें आयोजन



दिल्ली के व्यापारी संगठन चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने भी राहुल गांधी को पत्र लिखकर रैली की तारीख बदलने की मांग की है। संगठन के चेयरमैन बृजेश गोयल ने आग्रह किया है कि रामलीला मैदान में होने वाली रैली 10 नवंबर यानी भाई दूज के बाद कराई जाए। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान बाजारों में सबसे ज्यादा खरीदारी होती है और ऐसे समय में रैली से कारोबार प्रभावित हो सकता है।

धनतेरस पर 25 हजार करोड़ के कारोबार का अनुमान

धनतेरस, दिवाली और भाई दूज दिल्ली के व्यापारियों के लिए अहम हैं। लोग सोना-चांदी, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन और दूसरे सामान की जमकर खरीदारी करते हैं। धनतेरस पर करीब 25,000 करोड़ का कारोबार होता है।

सीएम का खास फैसला बना कारण

अचानक थलपति विजय की तारीफ करने लगी केंद्र सरकार



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय की केंद्र सरकार ने तारीफ की है। इसे एक चौंकाने वाले कदम के रूप में देखा जा रहा है। केंद्र सरकार ने विजय की यह तारीफ उनके उस फैसले के लिए की है, जिसके तहत उन्होंने एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैट कम किया है। क्रूड ऑयल के बढ़ते दाम के बीच इस फैसले ने एयरलाइंस कंपनियों को राहत दी है। तमिलनाडु ने चेन्नई में दर को 29 फीसदी से घटाकर 16 फीसदी कर दिया। वहीं, प्रदेश के अन्य सभी हवाई अड्डों पर इसे 1 फीसदी कर दिया। इसी बात को लेकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने विजय की तारीफ की है।

केंद्रीय मंत्री नायडू ने की तारीफ

केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैट कम करने के लिए तमिलनाडु सरकार के निर्णय की सराहना करते हैं। यह एविएशन सेक्टर के लिए एक स्वागत योग्य कदम है। इस पहल के लिए धन्यवाद, मुख्यमंत्री विजय। नायडू ने जोर देकर कहा कि केंद्र और राज्यों के बीच इस तरह का समन्वय हवाई यात्रा को अधिक सस्ती बनाने में महत्वपूर्ण है। असल में यह सब एक एयरलाइन की ऑपरेशन कॉस्ट से जुड़ा मामला है। ईंधन का हिस्सा आमतौर पर ऑपरेशन कॉस्ट की लगभग 30-40 फीसदी होता है। अब यह करीब 55-60 फीसदी तक बढ़ गया है। अमेरिका-ईरान युद्ध फरवरी में शुरू होने के बाद से जेट ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

विजय अब 45 किलो चंदन की लड़की दान करेंगे

ऐतिहासिक रूप से 16वीं सदी में तंजावुर के हिंदू राजा अच्युतप्पा नायक ने सूफ़ी संत शाहुल हमीद द्वारा अपनी गंभीर बीमारी ठीक किए जाने पर उनके साथियों को 81 हेक्टेयर (लगभग 200 एकड़) भूमि दान में दी थी। इसी दान की गई भूमि के एक हिस्से पर प्रसिद्ध नागौर दरगाह बनी हुई है। इस ऐतिहासिक दरगाह पर आयोजित होने वाले प्रसिद्ध 'कंदूरी उत्सव' के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय (थलपति विजय) ने अक्टूबर में सरकारी खजाने से 45 किलो उत्तम दर्जे की चंदन की लकड़ी दान (उपलब्ध) कराने का आदेश दिया है।

10,000 रुपए का निजी मुचलका भरने का निर्देश

दिल्ली में प्रदर्शन का मामला

नेहा का शांति मुचलका भरने से इनकार अधिकार के हनन पर भी उठाए सवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा ने विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष शांति मुचलका भरने से शनिवार को इनकार कर दिया। इससे एक दिन पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने पुलिस के उस नोटिस को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्हें 10,000 का निजी मुचलका और इतनी ही राशि का एक जमानती प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। बोरा ने नोटिस पर सवाल उठाते हुए पूछा, मुझसे किसकी शांति बनाए रखने के लिए कहा जा रहा है? पुलिस नोटिस में बोरा को 19 अक्टूबर को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश होने और वजह स्पष्ट करने को कहा गया था कि 'जांच की अवधि के दौरान शांति रखने के लिए निजी मुचलका और एक जमानतदार देने के लिए क्यों न कहा जाए?



शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना एक लोकतांत्रिक अधिकार

बोरा ने कहा कि सड़कों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना एक लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार के खिलाफ अपनी चिंताएं जाहिर करने को शांति के लिए खतरा कैसे माना जा सकता है। सत्तासीन से सवाल पूछने और असहमति जताने का अधिकार लोकतंत्र का मूल आधार है। हम सरकार से कोई सवाल नहीं पूछेंगे, तो हम किसकी शांति बनाए रख रहे हैं?

टाइगर पर फायरिंग का मामला

तुम्हारे चेहरे टीवी पर आ गए, निकलो वहां से... हैंडलर्स दे रहे थे अपने शूटर्स को पूरी जानकारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

18 अक्टूबर की शाम अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग करने के बाद भागने वाले तीनों शूटर्स को उनके 'हैंडलर्स' से रियल-टाइम अपडेट मिल रहे थे। ये अपडेट उन्हें न्यूज चैनलों की खबरों को देखकर मिल रहे थे। जैसे ही उनके चेहरे न्यूज चैनल पर दिखे तो उनके हैंडलर्स ने उनसे कहा कि तुम्हारे चेहरे टीवी पर आ गए हैं, निकल जाओ वहां से। जैसे-जैसे मीडिया न्यूज अपडेट प्रसारित कर रहे थे, वैसे-वैसे हैंडलर्स एनक्रिप्टेड 'वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल' मैसेजिंग ऐप्स के जरिए सीधे शूटर्स तक जानकारी पहुंचा रहे थे।

मीडिया चैनलों से मिल रही थी पल-पल की अपडेट

'वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल' एप्स का कर रहे थे इस्तेमाल





न्यूज चैनलों पर हमले के फुटेज पर थी नजर

क्राइम ब्रांच के सूत्रों के अनुसार भागने के दौरान एक समय ऐसा आया जब न्यूज चैनलों पर हमले के फुटेज दिखाए गए। उस वक्त मुख्य संदिग्धों में से एक को अपने मोबाइल फोन पर एक जरूरी निर्देश मिला 'तुम्हारे चेहरे टीवी आ गए हैं, निकल जाओ वहां से।'

सिने एसोसिएशन चिंतित

शिफ्ट होगी फिल्म इंडस्ट्री! आगंतुकों की पहचान हो

टाइगरपर हुई गोलीबारी की घटना के बाद फेडरेशन ऑफ सिने एम्प्लॉइज के प्रतिनिधि बीएन तिवारी ने सितारों की सुरक्षा पर चिंता जताई है। शूटिंग के दौरान हर व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई बाहरी व्यक्ति भीड़ में शामिल होकर किसी कलाकार पर गोली चलाता है, तो इसकी जिम्मेदारी प्रोड्यूसर और उसे शूटिंग पर लाने वाली टीम की होगी।

जंतर-मंतर हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट से गठित समिति की कार्रवाई

महिला प्रदर्शनकारियों से दुर्व्यवहार, पैलेट गन पर करेगी जांच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर जुलाई में हुए हिंसक टकराव के दौरान क्या प्रदर्शनकारियों पर पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया था? क्या महिला प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहार हुआ था? इन गंभीर आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित उच्चस्तरीय जांच समिति 29 और 30 अक्टूबर को नई दिल्ली में प्रभावित लोगों की बात सुनेगी। समिति कथित पुलिस ज्यादती, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा और संपत्ति को हुए नुकसान से जुड़े मामलों की भी जांच करेगी। समिति का कार्यालय शिक्षा सदन, 17 राउज एवेन्यू इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली में है।



उच्चस्तरीय जांच समिति 29-30 को प्रभावित लोगों की बात सुनेगी



संपत्ति को नुकसान के आरोपों की जांच होगी

सुरक्षा बलों की ओर से जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किए जाने और दोनों पक्षों की तरफ से संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों की भी पड़ताल होगी। कुछ छात्रों को चोटें आई थीं। इन चोटों के पीछे पेलेट गन के संभावित इस्तेमाल की आशंका जताई गई थी।

ये जांच समिति में शामिल

5 सदस्यीय समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी कर रहे हैं। समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शालिंदर कौर, सीबीआई के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व डीजीपी एलआर बिश्नोई शामिल हैं।

ऑनलाइन शिकायत की भी सुविधा दी

प्रभावित लोगों, गवाहों और अन्य की भागीदारी आसान बनाने के लिए समिति ने hpec.nic.in नाम से ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया है। लोग बयान, शिकायतें और दस्तावेज जमा कर सकते हैं। समिति ने यह व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप बनाई है, ताकि ऐसे गवाह भी अपनी बात रख सकें जिन्हें सुरक्षा या पहचान उजागर होने का खतरा हो।

गोवा में विमान ईंधन पर वैट घटा

इंडिगो ने की अन्य राज्यों से भी इसी तरह की अपील

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गोवा सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले मूल्य वर्धित कर (वैट) को घटाकर 7फीसदी कर दिया है, जिसका इंडिगो सहित कई एयरलाइंस ने स्वागत किया है। यह निर्णय शनिवार से प्रभावी हो गया। इसका उद्देश्य हवाई संपर्क को मजबूत करना तथा राज्य के महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देना है। इंडिगो ने इस दूरदर्शी कदम के लिए सीएम प्रमोद सावंत का सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त किया है। एयरलाइन ने कहा कि ईंधन की लगातार उच्च लागत को देखते हुए ऐसी वैट कटौती अहम है। उनका मानना है कि इससे उड़ानें सस्ती होंगी और देशभर के यात्रियों के लिए हवाई यात्रा सुलभ होगी। इंडिगो ने विशेष रूप से अन्य राज्यों से भी एटीएफ पर इसी तरह की वैट कटौती पर विचार करने का आग्रह किया और विमानन पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव पर जोर दिया।



फिजिकल गोल्ड, ईटीएफ और म्यूचुअल फंड के फायदे और सीमाएं

सोने में निवेश का सही रास्ता चुनें चमक ही नहीं लागत को भी देखें

खरीद-बिक्री का खर्च, सुरक्षा, निवेश की सुविधा और लागत तय करेंगे वास्तविक मुनाफा

बदलते निवेश विकल्पों ने सोने में पैसा लगाने के कई रास्ते खोले, केवल सोने के भाव बढ़ने की संभावना देखकर निवेश करना पर्याप्त नहीं, क्षमता को जानें

बिजनेस डेस्क

सोना भारतीय परिवारों के लिए केवल आभूषण या परंपरा का प्रतीक नहीं, बल्कि मुश्किल वक्त का भरोसेमंद सहारा भी रहा है। महंगाई, आर्थिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोने को जगह देना पसंद करते हैं। हालांकि, अब सोने में निवेश का मतलब केवल गहने या सिक्के खरीदकर तिजोरी में रखना नहीं रह गया है। बदलते निवेश विकल्पों ने सोने में पैसा लगाने के कई रास्ते खोल दिए हैं। कोई फिजिकल गोल्ड खरीदता है, तो कोई गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) या गोल्ड म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश करता है। तीनों विकल्पों का उद्देश्य सोने की कीमत में होने वाली बढ़ोतरी से लाभ उठाना हो सकता है, लेकिन इनकी लागत, खरीदने-बेचने की प्रक्रिया, सुरक्षा और निवेश की सुविधा अलग-अलग है। इसलिए केवल सोने के भाव बढ़ने की संभावना देखकर निवेश करना पर्याप्त नहीं है। यह समझना भी जरूरी है कि कौन-सा विकल्प आपकी जरूरत, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुकूल है।



फिजिकल गोल्ड

फिजिकल गोल्ड में निवेश का सबसे पारंपरिक तरीका सोने के सिक्के, छड़ या आभूषण खरीदना है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक के पास सोना वास्तविक रूप में मौजूद रहता है। जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल उपहार देने, पारिवारिक आयोजनों या अन्य व्यक्तिगत जरूरतों के लिए भी किया जा सकता है। हालांकि, निवेश के नजरिये से आभूषण और सोने के सिक्के एक जैसे नहीं हैं। गहने खरीदते समय मेकिंग चार्ज और लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का खर्च जुड़ता है। दोबारा बेचने पर मेकिंग चार्ज सामान्यतः वापस नहीं मिलता। शुद्धता की जांच, दुकानदार की खरीद नीति और खरीद-बिक्री के भाव में अंतर के कारण भी वास्तविक मुनाफा घट सकता है। सिक्कों और छड़ों में आमतौर पर आभूषणों की तुलना में मेकिंग चार्ज कम होता है, फिर भी खरीद मूल्य और बिक्री मूल्य का अंतर ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, घर में सोना रखने पर चोरी या गुम होने का जोखिम रहता है। बैंक लॉकर में रखने पर अतिरिक्त खर्च हो सकता है। इसलिए जो लोग केवल निवेश के लिए सोना खरीदना चाहते हैं, उन्हें आभूषणों के बजाय कम अतिरिक्त लागत वाले विकल्पों पर विचार करना चाहिए।

गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ ऐसे निवेश फंड हैं, जिनकी इकाइयां शेयर बाजार में खरीदी और बेची जाती हैं। ये आमतौर पर भौतिक सोने में निवेश करते हैं और सोने की कीमत में होने वाले बदलाव के अनुरूप रिटर्न देने का लक्ष्य रखते हैं। इस तरह निवेशक को घर में सोना रखने, उसकी सुरक्षा करने या शुद्धता की जांच कराने की चिंता नहीं करनी पड़ती। गोल्ड ईटीएफ में निवेश के लिए सामान्यतः डीमैट और ट्रेडिंग खाते की जरूरत होती है। निवेशक बाजार खुलने के दौरान प्रचलित भाव पर यूनिट खरीद या बेच सकता है। हालांकि, वास्तविक लेनदेन मूल्य बाजार में मांग-आपूर्ति, खरीद-बिक्री के अंतर और फंड की शुद्ध परिसंपत्ति कीमत से प्रभावित हो सकता है। इस विकल्प में फंड का प्रबंधन खर्च, ब्रोकरेज और अन्य लागू शुल्क रिटर्न को प्रभावित कर सकते हैं। निवेश से पहले एक्सपेंस रेशियो, कारोबार की मात्रा और खरीद-बिक्री के भाव में अंतर की तुलना करनी चाहिए। केवल किसी ईटीएफ की एक यूनिट का भाव कम होने से यह निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि वह दूसरे फंड से सस्ता है। अलग-अलग फंड की एक यूनिट के पीछे सोने की मात्रा अलग हो सकती है।

गोल्ड म्यूचुअल फंड

जिन निवेशकों के पास डीमैट खाता नहीं है या जो हर महीने नियमित रकम निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए गोल्ड म्यूचुअल फंड सुविधाजनक विकल्प हो सकते हैं। ऐसे फंड आमतौर पर गोल्ड ईटीएफ की इकाइयों में निवेश करते हैं। निवेशक इनमें एकमुश्त रकम लगा सकता है या अपनी क्षमता के अनुसार व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के जरिए नियमित निवेश कर सकता है। इन फंडों में निवेश के लिए सामान्यतः डीमैट खाते की आवश्यकता नहीं होती। निवेशक संबंधित म्यूचुअल फंड की प्रक्रिया के अनुसार सीधे निवेश कर सकता है।

तीनों विकल्पों में कैसे करें तुलना?

- **कुल लागत:** फिजिकल गोल्ड में मेकिंग चार्ज, जीएसटी और खरीद-बिक्री का अंतर देखें। ईटीएफ व म्यूचुअल फंड में कुल खर्च की तुलना करें।
- **निवेश की सुविधा:** नियमित मासिक निवेश के लिए गोल्ड म्यूचुअल फंड सुविधाजनक हो सकता है, जबकि बाजार में खुद यूनिट खरीदने-बेचने के लिए ईटीएफ उपयोगी है।
- **सुरक्षा:** फिजिकल गोल्ड की सुरक्षा निवेशक की जिम्मेदारी है। डिजिटल निवेश विकल्पों में भौतिक भंडारण की चिंता नहीं होती, लेकिन बाजार और फंड से जुड़े जोखिम बने रहते हैं।
- **निकासी:** निवेश से पैसा निकालने की प्रक्रिया और उसमें लगने वाले समय को समझें। ईटीएफ की बिक्री बाजार के कारोबार पर निर्भर करती है, जबकि म्यूचुअल फंड में लागू निकासी नियम महत्वपूर्ण हैं।
- **कराधान:** कर नियम निवेश के प्रकार, खरीद की तारीख और लागू कानूनों के अनुसार अलग हो सकते हैं। इसलिए पुराने नियमों के आधार पर अनुमान लगाने के बजाय निवेश के समय मौजूदा कर प्रावधानों की पुष्टि करें।

पोर्टफोलियो में संतुलन जरूरी

सोने में निवेश का उद्देश्य केवल अधिकतम मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाना भी हो सकता है। हालांकि, सोने की कीमतें भी घटती-बढ़ती हैं और कोई भी विकल्प निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं देता। गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड में निवेश करने से सोने की कीमतों से जुड़ा जोखिम समाप्त नहीं होता। निवेशकों को अपनी पूरी बचत सोने में लगाने के बजाय उसे अन्य निवेश साधनों के साथ संतुलित रखने पर विचार करना चाहिए। आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त नकदी और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश योजना भी जरूरी है।

14 साल में 5 करोड़ जोड़ना लक्ष्य तो निवेश की रणनीति में करें बदलाव

बिजनेस डेस्क

नौकरी शुरू करने के बाद हर व्यक्ति चाहता है कि एक समय ऐसा आए, जब उसे रोजी-रोटी के लिए काम करने की मजबूरी न रहे। आर्थिक स्वतंत्रता का यही सपना युवाओं को जल्दी निवेश शुरू करने के लिए प्रेरित करता है, लेकिन यदि कोई 28 वर्ष की उम्र में 70 हजार रुपये मासिक वेतन पाता हो और 42 वर्ष की उम्र में नौकरी छोड़कर रिटायर होना चाहता हो, तो उसके सामने चुनौती बड़ी है।

खासकर तब, जब उसका लक्ष्य 5 करोड़ रुपये फंड तैयार करना हो। इसी सवाल को समझने के लिए एक वित्तीय प्रयोग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटजीपीटी से निवेश योजना तैयार कराई गई। इसमें 25 हजार की मासिक व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी), हर साल निवेश में 10% बढ़ोतरी और निवेश पर सालाना 15% प्रभावी प्रतिफल की धारणा रखी गई। अनुमान के मुताबिक, 14 साल तक नियमित निवेश करने के बाद भी 42 वर्ष की उम्र में करीब 2.10 करोड़ ही जुट पाएंगे। यानी 5 करोड़ के लक्ष्य से लगभग 2.90 करोड़ रुपये कम रह जाएंगे।



25 हजार की एसआईपी और हर साल 10% निवेश बढ़ाने पर 42 साल की उम्र तक जुटेंगे 2.10 करोड़

70000 की आय में कितनी गुंजाइश

निवेश योजना बनाने से पहले आय और खर्च का हिसाब समझना जरूरी है। इस उदाहरण में निवेशक नोएडा में रहता है और उसकी मासिक आय 70 हजार रुपये है। इसमें से 14 हजार मकान के किराये पर खर्च होते हैं। राशन और घरेलू जरूरतों पर 5 हजार, बिजली-पानी पर 2 हजार, इंटरनेट और मोबाइल पर 1,500 तथा परिवहन पर 2 हजार खर्च होते हैं। बाहर खाने और अन्य मनोरंजन पर 5 हजार, व्यक्तिगत खरीदारी पर 3 हजार, बीमा और चिकित्सा पर 2,500 तथा परिवार की मदद और दूसरे विविध खर्चों पर 10 हजार खर्च होते हैं। इस तरह कुल मासिक खर्च 45 हजार बैठता है और निवेश के लिए 25 हजार बचते हैं। यानी निवेशक अपनी आय का लगभग 35.7% निवेश कर सकता है। पूरी बची रकम एसआईपी में लगाने से पहले आपातकालीन जरूरतों, अनियमित खर्चों व पर्याप्त बीमा की व्यवस्था करना जरूरी है।

हर वर्ष बढ़ेगी एसआईपी फिर लक्ष्य अधूरा

योजना में माना गया कि निवेशक की सैलरी हर साल 10% बढ़ेगी और वह अपनी एसआईपी में भी उतनी ही बढ़ोतरी करेगा। शुरुआत में 25 हजार की मासिक एसआईपी से सालाना 3 लाख निवेश होंगे। दूसरे वर्ष मासिक निवेश बढ़कर 27,500 और तीसरे वर्ष 30,250 हो जाएगा। पांचवें वर्ष तक मासिक एसआईपी करीब 36,603 पहुंचने का अनुमान है। दसवें वर्ष में यह लगभग 58,949 और चौदहवें वर्ष में करीब 86,307 हो जाएगी। इस गणना के अनुसार, 14 वर्षों में निवेशक अपनी जेब से कुल लगभग 83.92 लाख लगाएगा। यदि निवेश पर 15% प्रभावी सालाना प्रतिफल मिलता है, तो कुल निवेश का मूल्य करीब 2.10 करोड़ हो सकता है। इसमें लगभग 1.26 करोड़ संभावित निवेश वृद्धि से आएंगे।

5 करोड़ जुटाने में लगेंगे 19 साल

यदि निवेशक इसी योजना पर चलता रहे, एसआईपी हर साल 10% बढ़ाता रहे और 15% प्रभावी सालाना प्रतिफल मिलता रहे, तो 5 करोड़ का लक्ष्य लगभग 18 साल 10 महीने में हासिल होने का अनुमान है। यानी 28 वर्ष की उम्र में निवेश शुरू करने वाला व्यक्ति करीब 47 वर्ष की उम्र में इस लक्ष्य तक पहुंच सकता है। यह उसकी निर्धारित रिटायरमेंट उम्र से लगभग पांच साल बाद है। इससे स्पष्ट है कि केवल नियमित एसआईपी और वेतन के साथ बढ़ते निवेश पर निर्भर रहकर 42 वर्ष में 5 करोड़ जुटाना इस योजना के तहत संभव नहीं दिखता। लक्ष्य हासिल करने के लिए निवेश की रकम बढ़ानी होगी, मौजूदा बचत का सहारा लेना होगा, अतिरिक्त आय के स्रोत तलाशने होंगे या रिटायरमेंट की समयसीमा में बदलाव करना होगा।

लक्ष्य पाने के लिए क्या बदलना होगा

सबसे पहले, वेतन बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। यदि हर साल वेतन में 10% की वृद्धि होती है, तो खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ाना जरूरी नहीं है। वेतन वृद्धि का एक अतिरिक्त हिस्सा निवेश में लगाने से लंबी अवधि में बड़ा अंतर आ सकता है। बोनस या दूसरी अतिरिक्त आय का कुछ हिस्सा भी वित्तीय लक्ष्यों के लिए रखा जा सकता है। दूसरा, निवेश में विविधता बनाए रखना जरूरी है। लंबी अवधि में इक्विटी म्यूचुअल फंड पूंजी बढ़ाने की संभावना दे सकते हैं, लेकिन इनमें बाजार का जोखिम भी रहता है। ऋण आधारित निवेश और दूसरे साधनों का चयन निवेशक की जोखिम क्षमता, निवेश अवधि और जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए। केवल जल्दी लक्ष्य हासिल करने के लिए अत्यधिक जोखिम लेना समझदारी नहीं है। तीसरा, महंगाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

आज के 5 करोड़ और 14 साल बाद के 5 करोड़ की क्रय शक्ति समान नहीं होगी। इसलिए रिटायरमेंट के समय के खर्च, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और भविष्य की महंगाई को ध्यान में रखकर लक्ष्य तय करना चाहिए। कर, निवेश शुल्क और रिटायरमेंट के बाद नियमित निकासी का असर भी गणना में शामिल होना चाहिए।

रिटायरमेंट का लक्ष्य बड़ी रकम नहीं

जल्दी रिटायर होने का अर्थ केवल निवेश खाते में बड़ी रकम जमा करना नहीं है। यह भी तय करना होगा कि रिटायरमेंट के बाद हर महीने कितना खर्च होगा, जमा पूंजी कितने वर्षों तक चलनी चाहिए और आपातकालीन जरूरतों के लिए कितनी रकम अलग रखनी होगी। यदि रिटायरमेंट के बाद कोई नियमित आय नहीं होगी, तो निवेश से निकासी की योजना और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।



स्मॉलकैप फंड में 25% तक रिटर्न, लेकिन निवेश से पहले जोखिम समझना भी जरूरी

बचत मंत्र

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में तेजी के दौरान स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड निवेशकों को आकर्षित करते हैं। छोटी कंपनियों में कारोबार बढ़ाने और तेजी से आगे निकलने की क्षमता होती है, इसलिए इनमें निवेश करने वाले फंड लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देने की संभावना रखते हैं। लेकिन यही निवेश बाजार में गिरावट आने पर बड़ा नुकसान भी करा सकता है। वर्ष 2025 की जनवरी-मार्च तिमाही में प्रमुख स्मॉलकैप फंडों को करीब 13 से 14 प्रतिशत तक नुकसान हुआ। वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भी इस श्रेणी के फंडों में लगभग 12 से 13 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद अप्रैल-जून 2026 में स्मॉलकैप फंडों में करीब 23 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। यह उतार-चढ़ाव बताता है कि इस श्रेणी में रिटर्न की संभावना के साथ जोखिम भी काफी अधिक है। इक्विटीमास्टर की 20 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, पांच साल के औसत रोलिंग रिटर्न के आधार पर क्वांट स्मॉलकैप, बंधन स्मॉलकैप, इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप, निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप और बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप प्रमुख फंडों में शामिल हैं। इनका औसत पांच साल का रोलिंग रिटर्न करीब 22.5 से 25 प्रतिशत के बीच रहा है।

क्वांट स्मॉलकैप फंड

पांच साल के औसत रोलिंग रिटर्न में क्वांट स्मॉलकैप फंड करीब 25.04 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न लगभग 17.84 प्रतिशत है। फंड के प्रमुख निवेश में एचएफसीएल, आरबीएल बैंक, अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पावर और एजिस लॉजिस्टिक्स शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी तीन साल की वार्षिकीकृत अस्थिरता 18.2 प्रतिशत रही।

बंधन स्मॉलकैप फंड

बंधन स्मॉलकैप फंड लगभग 24.4 प्रतिशत के औसत पांच साल के रोलिंग रिटर्न के साथ दूसरे स्थान पर है। रिपोर्ट में इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न करीब 19 प्रतिशत बताया गया है। इसकी खासियत बेहतर जोखिम-समायोजित प्रदर्शन है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख फंडों में इसका शार्प और सॉर्टिनो अनुपात बेहतर रहा है। ये अनुपात बताते हैं कि किसी फंड ने कितना जोखिम उठाकर कितना रिटर्न दिया। इस फंड का आकार तेजी से बढ़ा है। मार्च 2022 में इसकी प्रबंधनाधीन संपत्ति करीब 1,410 करोड़ रुपये थी, जो अगस्त 2026 में बढ़कर लगभग 34,180 करोड़ रुपये हो गई।

इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड

इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड करीब 24.05 प्रतिशत के औसत पांच साल के रोलिंग रिटर्न के साथ तीसरे स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न 18.49 प्रतिशत रहा, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 250 का रिटर्न 12.42 प्रतिशत था। तीन साल की अवधि में भी इस फंड का प्रदर्शन अपने बेंचमार्क से बेहतर रहा। फंड का निवेश विभिन्न कंपनियों में फैला है। इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में साई लाइफ साइंसेज, इटर्नल, एम्बर एंटरप्राइजेज, आदित्य इन्फोटेक और कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज शामिल हैं।

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड इस श्रेणी के बड़े फंडों में शामिल है। रिपोर्ट में इसकी प्रबंधनाधीन संपत्ति करीब 81,000 करोड़ है। इसका औसत पांच साल का रोलिंग रिटर्न लगभग 24 प्रतिशत और वर्तमान पांच साल का रिटर्न करीब 17.1 प्रतिशत रहा। फंड के पोर्टफोलियो में बड़ी संख्या में शेयर शामिल हैं और किसी एक कंपनी में निवेश का हिस्सा अपेक्षाकृत सीमित रखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी तीन साल की अस्थिरता शीर्ष पांच फंडों में सबसे कम, करीब 17.5 प्रतिशत रही।

बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप फंड

बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप फंड करीब 22.55 प्रतिशत के औसत पांच साल के रोलिंग रिटर्न के साथ पांचवें स्थान पर है। इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न लगभग 18.75 प्रतिशत रहा। इसके प्रत्यक्ष निवेश विकल्प का वार्षिक व्यय अनुपात 0.42 प्रतिशत बताया गया है। रिपोर्ट में इसकी तीन साल की वार्षिकीकृत अस्थिरता 20 प्रतिशत बताई गई है, शीर्ष पांच फंडों में सबसे अधिक है।

इन बातों का रखें ध्यान

स्मॉलकैप फंड में निवेश करने से पहले केवल एक, तीन या पांच साल का रिटर्न देखकर फैसला करना पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना चाहिए कि बाजार में गिरावट के दौरान फंड ने कैसा प्रदर्शन किया, उसका पोर्टफोलियो कितना विविध है।

रिटायरमेंट पर एनपीएस का पूरा पैसा निकालना जरूरी नहीं

60 साल की उम्र के बाद निकासी टालने और चरणबद्ध तरीके से पैसा लेने के विकल्प

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

नौकरी के दौरान नियमित बचत करके रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड तैयार करना जितना जरूरी है, उतना ही अहम यह तय करना भी है कि रिटायरमेंट के बाद उस पैसे का इस्तेमाल कैसे किया जाए।

■ सामान्य निकासी में फड की राशि और ग्राहक की श्रेणी के अनुसार तय होंगे नियम ■

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करने वाले कई लोगों को लगता है कि 60 साल की उम्र पूरी होते ही उन्हें पूरा पैसा निकालना होगा या फिर तुरंत पेंशन शुरू करनी पड़ेगी। लेकिन ऐसा हर स्थिति में जरूरी नहीं है। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के नियमों में निवेशकों को निकासी और पेंशन की योजना बनाने के लिए कई विकल्प दिए गए हैं। इनमें एकमुश्त रकम निकालने, निकासी को आगे टालने और निर्धारित अवधि में किस्तों के जरिए पैसा लेने जैसे विकल्प शामिल हैं। हालांकि, कौन-सा विकल्प उपलब्ध होगा और कितनी रकम निकाली जा सकेगी, यह एनपीएस खाते की श्रेणी, कुल जमा फंड और लागू नियमों पर निर्भर करता है। इसलिए रिटायरमेंट के करीब पहुंच रहे निवेशकों को पहले अपने खाते पर लागू प्रावधान समझने चाहिए।



60 साल बाद कितना पैसा निकाल सकते हैं?

एनपीएस से सामान्य निकासी के नियम सभी निवेशकों के लिए एक जैसे नहीं हैं। गैर-सरकारी क्षेत्र के सामान्य एनपीएस खातों में लागू नियमों के अनुसार, यदि जमा पेंशन फंड 8 लाख तक है, तो पूरी रकम एकमुश्त निकालने का विकल्प उपलब्ध हो सकता है। इससे अधिक राशि होने पर निकासी की सीमा और शेष रकम के इस्तेमाल के नियम लागू होते हैं। कुछ परिस्थितियों में 8 लाख से अधिक और 12 लाख तक के फंड के लिए भी अलग विकल्प दिए गए हैं। बड़े फंड के मामले में लागू नियमों के अनुसार एक हिस्सा एकमुश्त निकाला जा सकता है, जबकि शेष रकम का इस्तेमाल एन्युटी खरीदने या निर्धारित अवधि में चरणबद्ध निकासी के लिए किया जा सकता है। सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए अलग प्रावधान लागू हो सकते हैं। इसलिए यह मान लेना ठीक नहीं है कि हर एनपीएस खाताधारक को अनिवार्य रूप से केवल 60% रकम ही निकालने की अनुमति है।एनपीएस के पुराने नियमों में सामान्य निकासी के समय अधिकतम 60% रकम एकमुश्त निकालने और कम से कम 40% रकम से एन्युटी खरीदने का प्रावधान प्रमुख था। बाद के संशोधनों में कुछ श्रेणियों के लिए विकल्पों का विस्तार किया गया है। ऐसे में निकासी का निर्णय लेने से पहले नवीनतम नियम और अपने खाते की श्रेणी की पुष्टि करना जरूरी है।

निकासी टालने का विकल्प

यदि किसी निवेशक को 60 साल की उम्र में तुरंत पूरे फंड की जरूरत नहीं है, तो वह नियमों के अनुसार निकासी या एन्युटी खरीदने की प्रक्रिया को आगे टालने पर विचार कर सकता है। गैर-सरकारी क्षेत्र के सामान्य एनपीएस खातों में लागू प्रावधानों के तहत पात्र निवेशक 75 साल की उम्र तक खाते में बने रहने या निकासी को स्थगित करने के विकल्प का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस दौरान खाते में निवेशित रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार बढ़ या घट सकती है। इसका अर्थ यह नहीं है कि फंड पर निश्चित ब्याज मिलता रहेगा। इक्विटी और बॉन्ड में निवेश की मात्रा के अनुसार जोखिम और संभावित रिटर्न बदल सकते हैं।

किस्तों में पैसा लेने की सुविधा

एनपीएस में चरणबद्ध निकासी के विकल्प भी उपलब्ध हैं। इसके तहत पात्र निवेशक पूरी निकासी एक साथ करने के बजाय निर्धारित अंतराल पर रकम ले सकते हैं। कुछ विकल्पों में एकमुश्त निकासी वाली रकम को किस्तों में लेने की सुविधा मिलती है, जबकि व्यवस्थित यूनिट निकासी के तहत निवेश की यूनिटें निर्धारित समय के अनुसार भुनाई जाती हैं। यह व्यवस्था म्यूचुअल फंड की व्यवस्थित निकासी योजना जैसी लग सकती है, लेकिन दोनों को एक जैसा नहीं समझना चाहिए।

एन्युटी से कैसे मिलेगी पेंशन?

एन्युटी एक ऐसा वित्तीय उत्पाद है, जिसे बीमा कंपनी से खरीदने पर चुनी गई योजना की शर्तों के अनुसार नियमित पेंशन मिलती है। एनपीएस में लागू नियमों के तहत कुछ स्थितियों में फंड का एक हिस्सा एन्युटी खरीदने के लिए इस्तेमाल करना पड़ता है। इससे रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का स्रोत बन सकता है। एन्युटी खरीदने से पहले उसकी पेंशन दर, भुगतान की शर्तें, जीवनसाथी को मिलने वाले लाभ और मृत्यु के बाद खरीद मूल्य की वापसी जैसे विकल्पों को समझना चाहिए। अलग-अलग योजनाओं में मिलने वाली पेंशन और शर्तें अलग हो सकती हैं। एन्युटी का चुनाव केवल अनुमानित मासिक पेंशन देखकर नहीं करना चाहिए।

इन बातों पर दें ध्यान

सबसे पहले अपने एनपीएस खाते की श्रेणी और जमा फंड की मौजूदा राशि की जांच करें। इसके बाद यह तय करें कि रिटायरमेंट के बाद मासिक खर्च चलाने के लिए कितनी रकम चाहिए और अन्य स्रोतों से कितनी आय मिलेगी। यदि तुरंत बड़ी रकम की जरूरत है, तो एकमुश्त निकासी का विकल्प उपयोगी हो सकता है। वहीं नियमित आय की जरूरत होने पर एन्युटी या चरणबद्ध निकासी पर विचार किया जा सकता है। खाते में नामांकित व्यक्ति, बैंक खाते और अन्य जरूरी विवरण भी अपडेट रखें। निकासी से जुड़े कर नियमों की पुष्टि करना न भूलें। यह मानकर न चलें कि एनपीएस से निकाली गई हर रकम और उससे बाद में होने वाली कमाई हमेशा कर-मुक्त होगी।

आरएचपी में कारोबार, वित्तीय स्थिति, प्रमोटर्स के रिकॉर्ड को देखें

आईपीओ में पैसा लगाने से पहले परखें कंपनी की असली ताकत

- गई रकम के इस्तेमाल और शेयर के मूल्यांकन की भी जांच जरूरी
- केवल लिस्टिंग गेन की उम्मीद में निवेश करना पड़ सकता है भारी

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में जब भी किसी कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आता है, निवेशकों के बीच उसे लेकर उत्सुकता बढ़ जाती है। ग्रे मार्केट प्रीमियम, संभावित लिस्टिंग गेन और दूसरे निवेशकों की दिलचस्पी के आधार पर कई लोग आवेदन करने का फैसला कर लेते हैं, लेकिन किसी आईपीओ में भारी मांग होना इस बात की गारंटी नहीं है कि कंपनी भी उतनी ही मजबूत है या उसके शेयर से अच्छा मुनाफा मिलेगा। कई बार आकर्षक प्रचार के पीछे कमजोर वित्तीय स्थिति, बढ़ता कर्ज या जरूरत से ज्यादा मूल्यांकन छिपा हो सकता है। ऐसे में निवेशकों के लिए जरूरी है कि वे कंपनी की असली स्थिति समझने के बाद ही पैसा लगाने का फैसला करें। इसके लिए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन, जोखिम, प्रबंधन, प्रमोटर्स और आईपीओ से जुटाई जाने वाली रकम के इस्तेमाल की जानकारी दी जाती है। दस्तावेज बड़ा जरूर होता है, लेकिन कुछ अहम पहलुओं पर ध्यान देकर निवेशक बेहतर निर्णय ले सकते हैं।

1. कंपनी का कारोबार और कमाई का आधार समझें

आईपीओ में निवेश करने से पहले सबसे पहले यह समझें कि कंपनी क्या कारोबार करती है, उसके ग्राहक कौन हैं और उसकी कमाई किन उत्पादों या सेवाओं से होती है। यह भी देखें कि कंपनी जिस क्षेत्र में काम करती है, वहां भविष्य में कारोबार बढ़ने की कितनी संभावनाएं हैं और प्रतिस्पर्धा कितनी कड़ी है। केवल कंपनी के विस्तार संबंधी दावों पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों की बिक्री, मुनाफे और नकदी प्रवाह के आंकड़ों की तुलना करें। अगर बिक्री लगातार बढ़ रही है, लेकिन मुनाफा स्थिर है या घट रहा है, तो इसकी वजह जानना जरूरी है। इसी तरह, कंपनी के खाते में मुनाफा दिखने के बावजूद अगर उसके नियमित कारोबार से पर्याप्त नकदी नहीं आ रही है, तो यह चिंता का संकेत हो सकता है। यह भी देखें कि कंपनी की कमाई कुछ ही बड़े ग्राहकों पर निर्भर तो नहीं है।

2. प्रमोटर्स और प्रबंधन का पिछला रिकॉर्ड जांचें

कंपनी की सफलता में उसके प्रबंधन और प्रमोटर्स की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसलिए आरएचपी में उनके अनुभव, पिछली कारोबारी गतिविधियों और कंपनी चलाने के तरीके से जुड़ी जानकारियों पर ध्यान दें। देखें कि प्रमोटर्स ने पहले किन कारोबारों में काम किया है और उनका रिकॉर्ड कैसा रहा है। कंपनी के प्रमुख अधिकारियों के वेतन, प्रमोटर्स की हिस्सेदारी और गिरवी रखे गए शेयरों की जानकारी भी उपयोगी हो सकती है। इसके अलावा, कंपनी या उसके प्रमुख अधिकारियों के खिलाफ चल रहे महत्वपूर्ण कानूनी मामलों, नियामकीय कार्रवाई और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े खुलासों को ध्यान से पढ़ें।

3. प्रमोटर्स से जुड़ी कंपनियों के लेनदेन पर नजर रखें

कई कंपनियां अपने प्रमोटर्स, उनके परिवार के सदस्यों या उनसे जुड़ी दूसरी संस्थाओं के साथ कारोबार करती हैं। इन्हें संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन कहा जाता है। ऐसे लेनदेन अपने आप में गलत नहीं हैं, लेकिन इनकी रकम, शर्तों और कारोबारी औचित्य की जांच जरूरी है। आरएचपी में देखें कि कंपनी प्रमोटर्स से जुड़ी संस्थाओं को कितना भुगतान करती है, उनसे कितना सामान या सेवाएं खरीदती है और उन्हें कितना पैसा देती है। यह भी समझें कि लेनदेन सामान्य कारोबारी शर्तों पर हो रहा है या नहीं। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों में अचानक बड़ी बढ़ोतरी, असामान्य भुगतान या संबंधित पक्षों के साथ लगातार बढ़ते लेनदेन दिखाई दें, तो उनकी वजह तलाशें।

4. आईपीओ से जुटाई जाने वाली रकम का इस्तेमाल जानें

आईपीओ में आवेदन करने से पहले यह समझना जरूरी है कि कंपनी निवेशकों से पैसा क्यों जुटा रही है। आम तौर पर आईपीओ में फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल हो सकते हैं। फ्रेश इश्यू में कंपनी नए शेयर जारी करके रकम जुटाती है, जबकि ओएफएस में मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचते हैं। ओएफएस से मिलने वाली रकम कंपनी के बजाय शेयर बेचने वाले निवेशकों को मिलती है। आरएचपी में देखें कि फ्रेश इश्यू से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाएगा। कंपनी कर्ज चुकाना चाहती है, नई उत्पादन क्षमता स्थापित करना चाहती है, कारोबार का विस्तार करना चाहती है या सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों के लिए रकम जुटा रही है? इन उद्देश्यों का कंपनी की भविष्य की वृद्धि पर क्या असर पड़ सकता है, इसे समझें। अगर कंपनी कर्ज चुकाने के लिए पैसा जुटा रही है, तो इससे उसकी वित्तीय स्थिति में सुधार हो सकता है।

5. शेयर का मूल्यांकन और जोखिम जरूर परखें

अच्छी कंपनी का आईपीओ भी खराब निवेश साबित हो सकता है, अगर उसके शेयर बहुत महंगे मूल्य पर पेश किए जा रहे हों। इसलिए कंपनी की वित्तीय स्थिति के साथ उसके मूल्यांकन की तुलना भी जरूरी है। आरएचपी में कंपनी की प्रति शेयर आय, मूल्य-आय अनुपात (पी/ई), शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य और दूसरी वित्तीय जानकारियों को देखें। समान कारोबार करने वाली सूचीबद्ध कंपनियों के मूल्यांकन से इसकी तुलना करें। यह समझने की कोशिश करें कि कंपनी जिस कीमत पर शेयर पेश कर रही है, क्या उसका आधार मौजूदा कमाई, भविष्य की वृद्धि और कारोबारी संभावनाओं से मेल खाता है।



भारत का 300वां मैच, 200वीं जीत तिलक और नीतीश ने पलटा मैच

भारत ने तिलक वर्मा (नाबाद 51 रन) के अर्धशतक और नीतीश कुमार रेड्डी (नाबाद 26 रन) के साथ सातवें विकेट के लिए 30 गेंद में 69 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत शुरुआती झटकों से उबरते हुए शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड पर एक गेंद रहते 4 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। भारत ने 300वें मैच में 200वीं जीत (टाई मुकाबले जोड़े बगैर) दर्ज की।

एजेंसी ▶▶ क्राइस्टचर्च

तिलक (26 गेंद, 6 चौके, 1 छक्का) और नीतीश कुमार (13 गेंद, 1 चौका, 1 छक्का) ने ऐसे समय में जिम्मेदारी संभाली, जब टीम 15वें ओवर में 112 रन पर 6 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। लेकिन दोनों ने सूझबूझ और संयम से बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 6 विकेट पर 181 रन बनाकर भारत को 5 मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे कर दिया। कप्तान मिचेल सैंटनर (4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट) की शानदार गेंदबाजी से एक समय न्यूजीलैंड की टीम जीत की ओर बढ़ रही थी। पर तिलक ने फिनिशर की भूमिका निभाते हुए मैच उनके हाथों से छीन लिया।

टीम इंडिया की खराब शुरुआत

भारतीय गेंदबाजों ने पहले मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन मेजबान टीम ने ग्लेन फिलिप्स (70) और बेवोन जैकब्स (56) के अर्धशतकों के बाद 5 विकेट पर 180 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भारत के लिए शुरुआत इतनी अच्छी नहीं रही और टीम ने शुरू में लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। मध्यक्रम बल्लेबाज नमन धीर ने 31 रन, अभिषेक शर्मा ने 27 रन, संजू सैमसन ने 14 रन और अक्षर पटेल ने 11 रन बनाए। भारत को पहला झटका पांचवें ओवर में जैकब डफी ने सैमसन को आउट करके दिया, जो धीमी गेंद को जल्दी खेलकर ग्लेन फिलिप्स के हाथों लपके गए, तब टीम का स्कोर 40 रन था।



- तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने 7वें विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी
- न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट लिए
- अभिषेक के पावरप्ले में 100 छक्के
- भारतीय साझेदारी का बना रिकॉर्ड
- तिलक ने फील्डिंग में बनाया रिकॉर्ड

अर्शदीप ने भुवी का रिकॉर्ड तोड़ा

अर्शदीप सिंह ने इस साल अभी तक 29 मैचों की 26 पारियों में बॉलिंग की है। 9.25 की इकोनॉमी से रन देकर उन्होंने 38 विकेट लिए हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 51 रन देकर 5 विकेट है।

स्कोर बोर्ड

न्यूजीलैंड पारी :	रन	गेंद	4	6
सीफर्ट का तिलक बो अर्शदीप	7	6	0	1
फिन एलेन बो प्रिंस	16	14	0	1
मिचेल का तिलक बो भुवनेश्वर	6	5	1	0
फिलिप्स का धीर बो अर्शदीप	70	43	4	4
जैकब्स का अक्षर बो रेड्डी	58	46	5	1
मिचेल सैंटनेर नाबाद	4	5	0	0
मिचेल ब्रेसवेल नाबाद	10	2	1	1
अतिरिक्त : 9 रन				
योग : 20 ओवर में 180/5 रन				
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-50-1, अर्शदीप 4-0-33-2, प्रिंस 4-0-30-1, धीर 1-0-7-0, अक्षर 4-0-28-0, रेड्डी 3-0-31-1				
भारत पारी :	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
सैमसन का फिलिप्स बो डफी	14	17	1	1
अभिषेक का स्मिथ बो सैंटनर	27	21	3	1
सूर्यवंशी का डेरिल मिचेल बो स्मिथ	04	8	0	0
श्रेयस अय्यर का सैंटनर	07	11	0	0
अक्षर का मिचेल बो सैंटनर	11	9	0	1
तिलक वर्मा नाबाद	51	26	6	1
नमन का फिलिप्स बो सैंटनर	31	17	1	3
नीतीश नाबाद	26	13	1	1
अतिरिक्त : 10 रन				
योग : 19.5 ओवर में 181/6 रन				
गेंदबाजी : मैट हैनरी 2-1-11-0, जैकब डफी 3.5-0-41-1, लॉकी फर्ग्यूसन 3-0-37-0, माइकल ब्रेसवेल 4-0-35-0, नाथन स्मिथ 3-0-34-1, मिचेल सैंटनर 4-0-21-4				

फ्रेंच ओपन : फाइनल में सिंधू 1 घंटे 13 मिनट में जीता मुकाबला

एजेंसी ▶▶ पेरिस

पीवी सिंधू ने फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जापान की हिना अकेची पर रोमांचक जीत दर्ज की। भारतीय स्टार ने अकेची को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-10, 20-22, 21-16 से हराकर इस साल दूसरी बार सुपर 750 टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। सिंधू ने यह मुकाबला 1 घंटे 13 मिनट में अपने नाम किया। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने इससे पहले जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर काबिज 21 वर्षीय अकेची ने इस सप्ताह वांग झी यी और पुतरी कुसुमा वारदानी जैसी खिलाड़ियों को हराकर अपनी क्षमता का परिचय दिया था। जापान की खिलाड़ी ने सिंधू को भी अपनी चतुराई भरे शॉट और मजबूत रक्षात्मक खेल से परेशान किया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी निर्णायक क्षणों में अपना संयम बनाए रखने में सफल रहीं। सिंधू के सामने फाइनल में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक आन से यंग की चुनौती होगी।

- खिताब के लिए विश्व नंबर 1 आन से यंग से भिड़ेंगी सिंधू

शुरुआती गेम में कड़ी टक्कर

शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। स्कोर 4-4 और फिर 8-8 की बराबरी पर पहुंचा। इसके बाद सिंधू ने लय हासिल करते हुए ब्रेक तक 11-9 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भारतीय खिलाड़ी ने पूरी तरह दबदबा कायम करते हुए अंतिम 12 में से 11 अंक जीतकर महज 18 मिनट में पहला गेम 21-10 से अपने नाम कर लिया।



सिंधू को मिली बढ़त

मुकाबले का निर्णायक मोड़ 38 शॉट तक चली रैली में आया, जिसका अंत अकेची की नेट पर हुई गलती से हुआ। इससे सिंधू को 18-16 की बढ़त मिल गई। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने बेहतरीन नेट शॉट लगाकर जीत की ओर कदम बढ़ाए।

भारतीय खिलाड़ी का मैच में नियंत्रण

सिंधू ने लंबी रैली के बाद 20-20 की बराबरी करके उसे बचाया, लेकिन अकेची ने एक और मौका हासिल कर लिया और सिंधू के शॉट के बाहर जाने पर 22-20 से गेम जीत लिया। सिंधू ने निर्णायक गेम में 5-3 की बढ़त के साथ शुरुआत की, लेकिन अकेची ने वापसी करते हुए 6-5 से बढ़त बना ली।

खबर संक्षेप

सेमीफाइनल में हार कर बाहर हुईं अनाहत

रेडवुड सिटी। अनाहत सिंह सिलिकॉन वैली स्क्वाश टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी मलेशिया की शिवशंकरी सुब्रह्मण्यम से हारकर बाहर हो गईं। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी और मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन अनाहत को 11-5 6-11 4-11 7-11 से पराजय का सामना करना पड़ा। यह मलेशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उनकी तीसरी हार है। इससे पहले अनाहत ने मिस्र की 8 बार की विश्व चैंपियन नूर अल शेरबिनि को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

भारतीय पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन

अस्ताना। विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के पहले दिन शनिवार को भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जहां ग्रीको-रोमन वर्ग में उतरे 4 पहलवानों में केवल ललित ही जीत दर्ज कर सके। ललित को भी 55 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में ईरान के पायम फरजाद अहमदी से सामना करना पड़ा। ललित ने प्री-क्वार्टर फाइनल में तुर्किये के ओमर हालिस रेचेप के खिलाफ दमदार वापसी करते हुए 9-7 से जीत हासिल की। वह एक समय मुकाबले में 0-7 से पिछड़ रहे थे और हार से महज एक अंक दूर थे। उन्होंने हालांकि जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए लगातार नौ अंक जुटाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

हीरो वुमैन इंडियन ओपन वाणी ने बनाई बढ़त

गुरुग्राम। भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने हीरो वुमैन इंडियन ओपन के तीसरे दौर के बाद एक शॉट की बढ़त हासिल कर 10 साल बाद घरेलू चैंपियन बनने की उम्मीदें मजबूत कर दी हैं। पांच लाख डॉलर की इनामी राशि वाले लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) टूर्नामेंट के तीसरे दौर में 32 वर्षीय वाणी ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेला।

11 वर्ष की उम्र में इंटरनेशनल मास्टर बनीं बोधाना, तोड़ा 38 साल पुराना रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ लंदन



भारतीय मूल की इंग्लिश शतरंज खिलाड़ी बोधना शिवनंदन 38 साल पुराना जुडिथ पोल्गर का रिकॉर्ड तोड़कर 11 वर्ष की उम्र में सबसे युवा महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर बन गई। उत्तरी लंदन की रहने वाली बोधना को यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए कुछ ही रेटिंग अंक की जरूरत थी। यूरोपीय शतरंज यूनियन ने एक्स पर लिखा,'11 वर्ष की बोधना शिवनंदन को यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2026 के आखिरी दौर में में जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनने पर बधाई।' उन्होंने बेलारूस की अंतरराष्ट्रीय मास्टर ओल्गा बाडेलका को तीसरे दौर में हराया और अगले दौर में जॉर्जिया की ग्रैंडमास्टर निनो बाटसियाशवी से ड्रॉ खेला। स्वीडन की महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर विक्टोरिया जोहानसन को हराकर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की और सर्वकालिक दस सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय मास्टर में शामिल हो गई। इस सूची में भारत के आर प्रज्ञानानंदा, डी गुकेश, उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, अर्जेंटीना के फास्टिनो ओरो, तुर्किये के यागिज खान और रूस के रोमन एस शामिल हैं।

चेन्नई में हरियाणवी एथलीटों का दबदबा

1500 मीटर दौड़ में हितेश को स्वर्ण, सोहित ने जीता रजत पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

तमिलनाडु के चेन्नई स्थित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 23 से 27 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही 41वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में एथलेटिक्स हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की झड़ी लगा दी है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा का 157 सदस्यीय एथलीट दल हिस्सा ले रहा है। प्रतियोगिता के अंडर-20 आयु वर्ग (पुरुष) की 1500 मीटर दौड़ स्पर्धा में हरियाणा के धावकों ने दोहरा दबदबा कायम किया। झज्जर के हितेश ने 3:51.17 सेकंड के समय के साथ स्वर्णिम सफलता हासिल करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं जींद के सोहित विजेंद्र ने महज कुछ ही पलों के अंतर से 3:51.22 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक पर कब्जा जमाया और राज्य का नाम रोशन किया। इसके अतिरिक्त, अंडर-16 बालिका जेवलिन थ्रो इवेंट में फतेहाबाद की मीनाक्षी ने 54.40 मीटर की थ्रो के साथ नया नेशनल और मीट रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। 20 साल बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में झज्जर की नैंसी ने 11.83 सेकंड समय के साथ कांस्य पदक तथा 20 साल बालक हैमर थ्रो में झज्जर के अमन (67.19 मीटर) ने रजत पदक अपने नाम किया। एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह, महासचिव प्रदीप मलिक और मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ सहित एसोसिएशन के अधिकारियों व ग्रीवेंस कमेटी सदस्य राजकुमार मिटान ने सभी पदक विजेता एथलीटों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



महिला अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी

दीया के तूफानी शतक से हरियाणा फाइनल में



- यादव ने 65 गेंदों में 15 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 119 रन जड़े

- हरियाणा की अंडर-19 महिला टीम ने दिल्ली को 56 रन से दी करारी मात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महिला अंडर-19 टी20 ट्रॉफी एलीट के सेमीफाइनल मुकाबले में हरियाणा की अंडर-19 महिला टीम ने दिल्ली को 56 रन से हराकर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया है। हरियाणा की इस धमाकेदार जीत की स्टार बल्लेबाज दीया यादव रहीं, जिन्होंने मैदान पर चौकों और छक्कों की बरसात करते हुए शानदार शतकीय पारी खेली। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की शुरुआत बेहद मजबूत रही। सलामी बल्लेबाज दीया यादव ने महज 65 गेंदों में 15 चौकों और 5 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 119 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनका साथ कप्तानी पारी खेलते हुए तनिष्का शर्मा ने दिया, जिन्होंने 50 गेंदों में 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से 51 रन बनाए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 157 रनों की शतकीय साझेदारी हुई। निर्धारित 20 ओवरों में हरियाणा ने 2 विकेट के नुकसान पर 185 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। दिल्ली की ओर से पूर्वा सिवाच और कनिष्का माथुर को 1-1 सफलता मिली। 186 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही। हरियाणा की सधी हुई गेंदबाजी के आगे दिल्ली के बल्लेबाज नियमित अंतराल पर अपने विकेट गंवाते रहे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज जीतने पर भारत की नजरें, मुकाबला आज



वडोदरा। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ रविवार को दूसरे वनडे में उतरेगी तो उसका इरादा श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढत बनाने पर लगी होंगी। टी-20 श्रृंखला 3-0 से जीतने के बाद भारत ने पहले वनडे में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया। स्पिनर श्रीचरणी ने कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 23 रन देकर चार विकेट लिए जबकि प्रतिका रावल ने नाबाद 100 रन बनाए। पिच से मदद नहीं मिलने के बावजूद चरणी ने बेहद अनुशासित गेंदबाजी की। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने भी 3 विकेट लिए, जिसकी मदद से भारत ने जिम्बाब्वे को 197 रन पर आउट कर दिया और 22 ओवर बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। 17 वर्ष की बीलवड बिजा का फॉर्म अहम होगा, जिन्होंने पिछले दो मैचों में चार और 62 रन बनाए हैं। मिचेले मावुंगा ने 23 गेंद में 29 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। वह इस लय को कायम रखकर बड़ी पारी खेलना चाहेंगी।

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच बने पोलार्ड

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 सत्र से पहले वेस्टइंडीज के पूर्व हरफनमौला कीरोन पोलार्ड को टीम का मुख्य कोच बनाया है, जो महेला जयवर्धने की जगह लेंगे। पोलार्ड पिछले कुछ सत्र से टीम के बल्लेबाजी कोच थे। वह आईपीएल 2027 से टीम के मुख्य कोच का पद संभालेंगे। मुंबई आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से है लेकिन आखिरी बार 2020 में खिताब जीता था।

मुंबई इंडियंस ने कहा,' मुंबई इंडियंस को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि कीरोन पोलार्ड टीम के मुख्य कोच होंगे। यह टीम की विरासत बनाने के प्रति मुंबई इंडियंस की प्रतिबद्धता का परिचायक है। हम मैदान पर और उसके बाहर प्रतिभाओं के विकास और अपनी टीम संस्कृति मजबूत करने के लिए काम करते रहेंगे।'



मुंबई इंडियंस मेरे कैरियर का बड़ा हिस्सा : पोलार्ड

पोलार्ड ने कहा,' मुंबई इंडियंस मेरे जीवन और कैरियर का बड़ा हिस्सा रही है। टीम, खिलाड़ियों और पल्टन के साथ मेरा लगाव मेरे लिए काफी मायने रखता है।' उन्होंने कहा,' एक खिलाड़ी और एक कोच के तौर पर सफर का अनुभव करने के बाद मैं समझ गया हूं कि मुंबई इंडियंस क्या है और उसके साथ जुड़ने की जिम्मेदारियां क्या है।' पोलार्ड ने 2009-2010 से मुंबई के लिए ही आईपीएल खेला और आखिरी बार वह 2022 में खेले। मुंबई के लिए 189 आईपीएल मैचों में उन्होंने 147.32 की स्ट्राइक रेट से 3412 रन बनाए। इसके अलावा 69 विकेट भी लिए।

फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कप: : लाओस को 4-2 से हराया, हासिल किए 3 अंक

भारत ने जीत के साथ किया शानदार आगाज

एजेंसी ▶▶ बाकू

भारत ने अजरबैजान में आयोजित पहले फीफा अंडर-15 फुटबॉल वर्ल्ड कप की शानदार शुरुआत की है। बाकू के होवसन कॉम्पिटिशन कॉम्प्लेक्स में खेले गए ग्रुप (के) के अपने पहले मैच में भारत ने लाओस को 4-2 से हराया। भारत के कप्तान मैकडोनिश न्गैरांगबाम (7वें मिनट) और आर. लालरेमरुआतफेला (11वें मिनट) ने टीम के लिए शुरुआती दो गोल दागते हुए बढ़त दिलाई। इसके बाद लाओस के अनाविं जाप्यासोने ने 12वें मिनट में एक गोल करके अंतर को कम करने का प्रयास किया। हाफ-टाइम के तुरंत बाद, दक्षिण-पूर्वी एशियाई टीम के लिए सौक्सवान सिलिसेंग (24वें मिनट) ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।



33वें मिनट में भारत ने बनाई बढ़त

33वें मिनट में भारत ने अपनी बढ़त को और मजबूत किया, जब सरकार ने हाफ-वे लाइन के ठीक अंदर से शॉट मारा। गेंद गोलकीपर के ऊपर से होती हुई सीधे नेट में चली गई। भारतीय युवा टीम ने बाकी बचे मैच को बखूबी संभाला, अपनी दो गोल की बढ़त को बरकरार रखा और पूरे तीन अंक हासिल किए।

हाफ-टाइम के बाद भारत ने बनाया दबाव

हाफ-टाइम के बाद भारत ने फिर से दबाव बनाया। 21वें मिनट में एक कॉर्नर किक पर मैकडोनिश का हेडर गोल पोस्ट के बिल्कुल करीब से बाहर निकल गया। हालांकि, तीन मिनट बाद ही लाओस ने बराबरी कर ली, जब सौक्सवान सिलिसेंग ने बॉक्स के बाहर से सीधे शॉट लगाकर गेंद को गोल के निचले कोने में पहुंचा दिया। इस बराबरी के बाद भारत ने अपनी आक्रामकता बढ़ाई और खेल का ज्यादातर हिस्सा लाओस के हाफ में खेला गया।

टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही 189 टीमें

इस टूर्नामेंट में 189 राष्ट्रीय टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 32 समूहों में बांटा गया है। इसमें मैच 'आठ-खिलाड़ियों' के फॉर्मेट में खेले जा रहे हैं। हर मैच में 20-20 मिनट के दो हाफ होते हैं, और इसमें 'रोलिंग सबस्टिट्यूशन' (खिलाड़ियों को बार-बार बदलने) की अनुमति है। भारतीय टीम ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और पहले चार मिनट में ही दो मौके बनाए। तीसरे मिनट में दीपक सिंह अरामबम ने बॉक्स के अंदर से बाएं पैर से एक जोरदार शॉट मारा, जिसे लाओस के गोलकीपर अनौसिथ सौक्सवान ने रोक दिया।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

दुआ भी तकदीर बदल देती है तांत्रिक मास्टर किंग का एलान भटको चाहे जिधर काम होगा इधर 2 घंटे में समाधान



प्रेम विवाह, सौतन-दुश्मन से छुटकारा, पति-पत्नी में अनबन, प्यार में धोखा, रूठे को मनाना, नौकरी, कारोबार में बाधा आदि।

स्पेशलिस्ट वशीकरण, मूठकरनी

मियां मलिक जी
9711428545
सारे इल्मों के माहिर

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।



फ्रांस और इटली में फिर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन

पेरिस के संग्रहालय बंद, इटली में 30 से अधिक जगहों पर प्रदर्शन

आंदोलनकारी युवाओं और श्रमिक संगठनों ने जताया विरोध

पेरिस ▶▶ नई दिल्ली

फ्रांस में आंदोलनकारी युवाओं और श्रमिक संगठन शनिवार को फिर सड़क पर उतरे। पेरिस की अदालत ने पूर्व में पुलिस की तरफ से लगाई गई पाबंदी हटाकर युवाओं को प्रदर्शन की अनुमति दे दी है। ऐसे में पिछले हफ्ते के हिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए सरकार ने भी प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने की तैयार की है। पिछले सप्ताह हुई हिंसा की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सरकार ने व्यापक पुलिस बल तैनात किया है और पेरिस के प्रमुख संग्रहालयों को बंद कर दिया गया है।

देशभर में करीब 70,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती


ऑरलियन्स में मार्च निकालते प्रदर्शनकारी

3000 दुकानों में की थी लूटपाट

हिंसा के बाद, पेरिस पुलिस ने दुकानदारों को निजी सुरक्षाकर्मी तैनात करने की सलाह दी। हालांकि बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि कारोबारियों और उनके प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। गौरतलब हो, पिछले सप्ताहांत पूरे फ्रांस में लगभग 3,000 दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया या उनमें लूटपाट की गई।

अतिवामपंथी समूह भड़का रहे हिंसा

गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने अति वामपंथी समूहों पर हिंसा और लूटपाट को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। सरकार ने चेहरा ढककर प्रदर्शन करने पर भी रोक लगा दी है। पिछले सप्ताह 5 लाखा लोग प्रदर्शन में शामिल हुए थे।

व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को ढका

'लूर्व', 'ओरसे संग्रहालय', 'पिकासो संग्रहालय' और 'ग्रैंड पैलैस' जैसे पेरिस के प्रमुख संग्रहालयों को शनिवार को बंद रखा गया। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित समकालीन कला मेलों में से एक 'आर्ट बेसेल' शुक्रवार को जनता के लिए खोला गया था, लेकिन उपद्रव की आशंका को देखते हुए आयोजकों ने सप्ताहांत के कार्यक्रमों को रद्द कर दिया। पिछले सप्ताहांत पेरिस के 'प्लेस डी ला रिपब्लिक'' के पास एक बैंक शाखा और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को उपद्रवियों से बचाने के लिए लकड़ी के बड़े टुकड़ों से ढक दिया गया है।

बढ़ती महंगाई, ऊर्जा समेत कई मुद्दों को लेकर किया प्रदर्शन

पेरिस ▶▶ रोम

बढ़ती महंगाई, ऊर्जा समेत कई मुद्दों को लेकर शनिवार को इटली में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों हुआ। इटली के कई बड़े शहरों में मिलान, बोलोग्ना, जेनोआ, ट्यूरिन, रोम और फ्लोरेंस में व्यापक प्रदर्शन किए गए हैं। पूरे देश में मार्च, धरना, सभा और हड़ताल सहित 30 से अधिक प्रदर्शन कार्यक्रम हुए। इस दौरान हजारों पुलिस अधिकारियों और सैनिकों को तैनात किया गया है, साथ ही ड्रोन से निगरानी भी गई।

प्रदर्शन में बड़े शहर रोम, मिलान, बोलोग्ना शामिल



इटली की राजधानी रोम में प्रदर्शनकारी

भारतीयों को प्रदर्शनों से दूर रहने की सलाह

भारत ने इटली, फ्रांस और बेल्जियम में रह रहे अपने नागरिकों को सतर्क रहने, पूरी सावधानी बरतने और उन इलाकों से दूर रहने की सलाह दी है जहां प्रदर्शन हो रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन तीनों देशों में मौजूद भारतीय मिशन वहां के हालात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

रोम में 1500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए

इटली के प्रमुख शहर रोम में लगभग 1,500 अधिकारियों को तैनात किया जाएगा, जबकि मिलान में लगभग 1,800 पुलिसकर्मियों, नगर निगम अधिकारियों और सैनिकों को तैनात किया गया है।

सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सुरक्षा जांच

रोम में, पुलिस ने अनुमति प्राप्त प्रदर्शनों और ऑनलाइन घोषित की गई अचानक होने वाली रैलियों, दोनों को संभालने के लिए एक सुरक्षा योजना तैयार की है। निगरानी के लिए स्टेट पुलिस के 'फर्स्ट फ्लाइट डिपार्टमेंट' के ड्रोन और कारबिनियरी (इटैलियन पुलिस बल) के विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। सार्वजनिक चौकों से लेकर रेलवे स्टेशनों तक सुरक्षा जांच की जाएगी। रोम का साइबर सुरक्षा केंद्र, इटैलियन स्टेट पुलिस के विशेष डिवीजन 'डिगोस' के साथ मिलकर टेलीग्राम, टिकटॉक और इंस्टाग्राम पर निगाह रख रहा है।

यूएन में परमाणु तकनीक पर भारत का स्पष्ट रूख

सुरक्षित और शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर दिया जोर, आम जनता तक भी पहुंचे लाभ

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सुरक्षित, संरक्षित और शांतिपूर्ण उपयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, संसद सदस्य और भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की नेता, संगीता कुमारी सिंह देव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में इस प्रतिबद्धता को फिर से साफ किया। इसके साथ ही कई देशों ने विकास कार्यों में मदद के लिए भारत का धन्यवाद किया। यूएनजीए में 'अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की रिपोर्ट' पर चर्चा करते हुए यह बात कही।

उन्होंने परमाणु विज्ञान के शांतिपूर्ण अनुप्रयोगों के लिए नियामक ढांचे सहित, सदस्य देशों की मानवीय और संस्थागत क्षमताओं को विकसित करने में आईएईए की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

आईएईए की पहलों के प्रति जताया समर्थन


सांसद संगीता कुमारी

सांसद संगीता कुमारी सिंह देव ने परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सुरक्षित, संरक्षित और शांतिपूर्ण उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही, उन्होंने सतत विकास में आईएईए की महत्वपूर्ण भूमिका और परमाणु प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई अहम प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने आईएईए के 'तकनीकी सहयोग कार्यक्रम' और उसकी प्रमुख पहलों के प्रति समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि परमाणु विज्ञान का लाभ उन सभी देशों तक पहुंचे जो इसे चाहते हैं। और साथ ही एक मजबूत परमाणु सुरक्षा और संरक्षा ढांचा भी कायम रहे।

परमाणु ऊर्जा की मांग तीन गुना बढ़ेगी



आईएईए के प्रमुख राफेल ग्रोसी का कहना है कि साल 2060 तक दुनिया में परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल मौजूदा स्तर से तीन गुना से भी ज्यादा हो सकता है। इसकी बड़ी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर और बिजली की लगातार बढ़ती मांग है। इसके अलावा, कई देश ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने और दूसरे देशों पर निर्भरता कम करने के लिए भी परमाणु ऊर्जा को अहम विकल्प मान रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र दिवस की 81वीं वर्षगांठ

गुटेरेस बोले, यूएन की पहले से कहीं ज्यादा जरूरत



संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने, शांति को बढ़ावा देने और मानवाधिकारों की रक्षा करने में संयुक्त राष्ट्र के महत्व को फिर से रेखांकित किया। शनिवार को उन्होंने कहा कि अपनी 81वीं वर्षगांठ मना रहे इस संगठन की आज पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है। अपने संदेश में, गुटेरेस ने विवादों को कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के जरिए सुलझाने, गरीबी और भुखमरी से लड़ने, मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और संघर्ष-आपदाओं तथा विस्थापन पीड़ित लोगों तक मानवीय सहायता पहुंचाने में संयुक्त राष्ट्र की लंबे समय से चली आ रही भूमिका पर प्रकाश डाला।

लोगों की सेवा करते रहेंगे: यूएन प्रमुख ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह संगठन लोगों की सेवा करने की अपनी क्षमता को मजबूत करने और आज के समय की चुनौतियों का सामना करने के लिए काम करना जारी रखेगा। 81 वर्षों से, संयुक्त राष्ट्र कूटनीति और कानूनों के माध्यम से विवादों को सुलझा रहा है; गरीबी और भुखमरी को खत्म करने के लिए काम कर रहा है; मानवाधिकारों को बढ़ावा दे रहा है; और युद्ध, आपदा तथा विस्थापन का सामना कर रहे लोगों का जीवन बचाने के लिए मानवीय सहायता पहुंचा रहा है।

जयशंकर बोले, आज की दुनिया के मुताबिक बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार जरूरी

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को 81वें संयुक्त राष्ट्र दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र और उसके संस्थापक चार्टर के प्रति भारत की स्थायी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि आज की बदलती वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार की जरूरत है, ताकि वे वर्तमान दुनिया की वास्तविकताओं को बेहतर ढंग से दर्शा सकें। 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट में विदेश मंत्री जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा, वैश्विक सहयोग तथा ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं के प्रति भारत के समर्थन को दोहराया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को बदलते भू-राजनीतिक हालात और नई वैश्विक चुनौतियों के अनुसार खुद को ढालना होगा, ताकि वह प्रभावी और प्रतिनिधिक संस्था बनी रहे।

भारत शांति एवं सुरक्षा का पक्षधर: जयशंकर ने लिखा कि संयुक्त राष्ट्र और उसके चार्टर के प्रति भारत की स्थायी प्रतिबद्धता दोहराता हूं। ऐसी सुधारित बहुपक्षीय व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता हूं जो आज की वैश्विक वास्तविकताओं को दर्शाए। संयुक्त राष्ट्र में भारत अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा, वैश्विक सहयोग और ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं का समर्थन करता रहेगा।

फारूक अब्दुल्ला ने भारत के खिलाफ फिर उगला जहर

कहा- कश्मीर मुद्दे को पाक ने जिंदा रखा, दिल्ली तो चुप

एजेंसी ▶▶ बारामूला

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीर को लेकर बेहद ही विवादित बयान दिया है। उन्होंने कश्मीरियों की रक्षा करने और कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंच पर जीवित रखने का श्रेय पाकिस्तान को दिया। शनिवार को बारामूला में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया भर में यह मुद्दा उठाता है कि कश्मीर पर अब तक कोई फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली की खामोशी के पीछे अंतरराष्ट्रीय दबाव है। फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को 'हमारा पड़ोसी' बताते हुए कहा कि वह कश्मीर के अनसुलझे मुद्दे को वैश्विक मंच पर उठाता रहता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के इस रुख के कारण दुनिया का ध्यान कश्मीर की ओर जाता है और दिल्ली पर दबाव बनता है। अब्दुल्ला ने कहा कि हमारा यह पड़ोसी देश दुनिया का ध्यान कश्मीर की ओर खींचता है और दिल्ली को चुप रहने पर मजबूर कर देता है।


फारूक अब्दुल्ला

हक के लिए लड़ो वरना मिट जाओगे

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि दिल्ली आज इसलिए चुप हैं क्योंकि दुनिया का दबाव है, और हमारा पड़ोसी देश उनके पीछे पड़ा है। वह हर जगह जाकर कहता है कि कश्मीर पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। वही हमें बचा रहा है। हालांकि, मैं उनके इरादों को नेक नहीं मानता। उन्होंने दिल्ली से न्याय मिलने की उम्मीद पर सवाल उठाए। उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या वे केवल दिल्ली पर भरोसा करके बैठे रहेंगे और क्या उन्हें सच में लगता है कि वहां से उन्हें न्याय मिलेगा। अब्दुल्ला ने कहा कि क्या आप अपनी उम्मीदें सिर्फ उन्हीं पर टिकाए रखेंगे? क्या आपको सच में लगता है कि वे आपको न्याय दिलाएंगे? हिम्मत रखिए, हम उनका सामना करेंगे। अगर आप हिम्मत नहीं जुटाएंगे, तो आप खत्म हो जाएंगे। वे आपका नाम और आपकी पहचान, सब मिटा देंगे।

फिर जागा पाक के प्रति प्रेमः भाजपा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कहा, फारूक अब्दुल्ला के भीतर का पाकिस्तान समय-समय पर जाग जाता है। जब उनके अंदर का पाकिस्तान सामने आता है, तो वे इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हैं। ऐसे बेतुके बयान देने से पहले फारूक अब्दुल्ला को सोचना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद के नेता विनोद बंसल ने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा। ये भारत में रहते हैं और पाकिस्तान की तारीफ करते हैं।



ड्रग्स तस्करी में एक अरेस्ट, नशीले पदार्थ जब्त, कोर्ट ने दी 5 दिन की कस्टडी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुख्यालय ने बनीत सिंह तलवार को 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी नशीले पदार्थों की बड़े पैमाने पर तस्करी के मामले में की गई है। इसमें नशीले पदार्थों को सेमी प्रोसेस्ड टैल्क के भीतर छिपाकर रखा गया था। इसके साथ ही दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में भी नशीले पदार्थों की बरामदगी भी हुई है। आरोपी बनीत सिंह तलवार को तीस हजारी कोर्ट में स्पेशल जज (पीएमएलए) ने पांच दिनों की ईडी की हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। जांच में कई आरोपियों पर अफगानिस्तान, पाकिस्तान और दुबई से चलने वाले अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी सिंडिकेट के साथ मिलकर साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। इस सिंडिकेट का मास्टरमाइंड 'वितेश कोसर' उर्फ 'राजू दुबई' है, जो एक वांटेड आरोपी है। इसके साथ पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट और अफगान नागरिक भी शामिल थे।

रेल और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने को लेकर नई दिल्ली में विचार-विमर्श

दिवाली और छठ के दौरान सुरक्षित रेल यात्रा पर चर्चा

भीड़ प्रबंधन, अग्रिम योजना और कुशल यात्री व आवागमन प्रबंधन पर देंगे ध्यान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा आयोजित सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) प्रमुखों का 8वां अखिल भारतीय सम्मेलन यहां संपन्न हुआ। इसमें रेल सुरक्षा और यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न पहलों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस सम्मेलन की एक प्रमुख विशेषता रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) द्वारा जीआरपी कर्मचारियों को रेलमदद प्लेटफॉर्म से जोड़ना रही। इसका उद्देश्य यात्री शिकायत निवारण व्यवस्था को बेहतर बनाना, समय पर जानकारी साझा करना और शिकायतों की बेहतर निगरानी करना था। इस इस उच्चस्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता आरपीएफ की महानिदेशक सुश्री सोनाली मिश्रा ने की। इसमें रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य और अलग-अलग राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के जीआरपी प्रमुख शामिल हुए।


सम्मेलन में भाग लेते वरिष्ठ अधिकारीगण

ट्रेनों पर पत्थरबाजी एक चुनौती

इस सम्मेलन में ट्रेनों पर पत्थरबाजी को एक चुनौती बताया गया और पत्थरबाजी के प्रमुख स्थानों पर गश्ती, बेहतर निगरानी, अपराधियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई, युवाओं तक पहुंच और आरपीएफ-जीआरपी के बीच मजबूत तालमेल पर जोर दिया गया। इसके लिए समाज में जागरूकता और रोकथाम के लिए लोगों तक पहुंच को महत्वपूर्ण माना गया।

व्यस्तम समय में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती पर जोर

सम्मेलन में दिवाली, छठ और अन्य त्योहारों के दौरान भीड़ प्रबंधन पर भी चर्चा हुई। उत्तरी रेलवे के दिल्ली मंडल ने दिल्ली पुलिस, जीआरपी और दिल्ली मेट्रो के प्राधिकारियों के साथ मिलकर किए गए कार्या के बारे में बताया। इसमें सीसीटीवी से निगरानी, सार्वजनिक घोषणा, बैरिकेडिंग, निर्धारित ठहराव क्षेत्र और विशेष नियंत्रण कक्ष शामिल थे। वयात्रियों की सुरक्षा और यात्रियों के व्यवस्थित आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम योजना, प्रभावी यात्री आवागमन प्रबंधन सुरक्षाकर्मियों की समन्वित तैनाती पर जोर दिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109